सूर्योदय 5:57 सूर्यास्त 6:45

आज का तापमान

	न्यू	अधि
शिमला	16.5 न्यू	22.2 अधि
धर्मशाला	21.8 न्यू	30.0 अधि

बाजार

सेंसेक्स	76,957
निफ्टी	24,080

सोना 1,55,000 चांदी 2,35,000

भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | मंगलवार, 1 सितंबर 2026 | 16 भाद्रपद, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 127, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

न्यूज शॉर्ट्स

दिल्ली- स्कूल में नर्सरी की बच्ची का यौन शोषण

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली के बवाना इलाके के एक प्राइवेट स्कूल में तीन साल की छात्रा के यौन शोषण का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में स्कूल में काम करने वाले कैब ड्राइवर को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने नर्सरी में पढ़ने वाली बच्ची को चॉकलेट का लालच दिया और उसे कई बार गलत तरीके से छुआ। बच्ची की मां ने उसके व्यवहार में बदलाव देखा तो उससे इस बारे में पूछा। बच्ची ने मां को स्कूल में आने वाले एक 'बैड अंकल' के बारे में बताया। बच्ची आरोपी का नाम नहीं बता सकी, इसलिए उसके माता-पिता ने स्कूल प्रशासन को जानकारी दी। 24 अगस्त को स्कूल प्रशासन ने बच्ची को कई लोगों की तस्वीरें और सीसीटीवी फुटेज दिखाए। बच्ची ने इनमें आरोपी कैब ड्राइवर की पहचान की।

एयर इंडिया की सऊदी अरब-दिल्ली फ्लाइट में बम की धमकी

एजेंसी, अहमदाबाद। बम की धमकी मिलने के बाद एयर इंडिया की एक फ्लाइट की अहमदाबाद एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। सऊदी अरब के दम्माम से नई दिल्ली जा रही इस फ्लाइट को एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने बम की धमकी मिलने के बाद अहमदाबाद की ओर मोड़ दिया था। क्रू मेंबर को टॉयलेट में अंग्रेजी में 'बम' लिखा हुआ एक टिश्यू पेपर मिला था। क्रू ने पायलट को सूचना दी और सुरक्षा प्रोटोकॉल के मुताबिक, पायलट ने करीब के अहमदाबाद एयरपोर्ट पर संपर्क कर इमरजेंसी लैंडिंग की परमिशन मांगी। मैसेज मिलते ही अहमदाबाद एयरपोर्ट ने सभी इमरजेंसी सेवाओं को एक्टिव कर दिया था। अहमदाबाद रनवे पर विमान के लैंड होते ही प्लेन को आइसोलेशन बे में ले जाया गया। इसके बाद, प्लेन में सवार सभी 32 पैसेंजर्स को उतारकर एयरपोर्ट बस से टर्मिनल तक सुरक्षित पहुंचाया गया। यात्रियों के सभी सामान को भी अलग रखा गया और जांच शुरू हुई।

नाबालिग से दुष्कर्म के पांच दोषियों को उम्रकैद

एजेंसी, वड़ोदरा। गुजरात के बहुचर्चित भायली गैंगरेप मामले में सोमवार को वडोदरा कोर्ट ने पांचों आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। आरोपियों पर 50-50 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। वहीं, कोर्ट ने पीड़िता को 10 लाख रुपए का मुआवजा देने का भी आदेश दिया है। यह घटना 4 अक्तूबर 2024 की रात हुई थी। नवरात्र के दौरान गरबा कार्यक्रम से लौट रही नाबालिग अपने दोस्त के साथ एक सुनसान जगह से गुजर रही थी। इसी दौरान आरोपियों ने उसे रोक लिया था। दोस्त को बंधक बनाकर गैंगरेप किया था। मामले की जांच के बाद पुलिस ने कोर्ट में करीब 6 हजार पन्नों की चार्जशीट दाखिल की थी। राज्य के गृह मंत्री हर्ष संघवी ने मामले की पैरवी के लिए तीन सरकारी वकीलों की नियुक्ति की थी। करीब 22 महीने बाद पीड़िता को न्याय मिला है।

सीजेपी के पांच सितंबर को घोषित मार्च को सुप्रीम कोर्ट से 'हरी झंडी'

सरकार बोली- प्रदर्शनकारियों पर दर्ज एफआईआर रद्द कराने की याचिका लगाई

एजेंसी, नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने वाले छात्रों से जुड़ी एफआईआर रद्द करवाने के लिए याचिका लगाई है। यह जानकारी सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दी। उन्होंने बताया कि एफआईआर रद्द कराने के लिए हम अनुच्छेद 142 का सहारा ले रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट इस मामले पर मंगलवार को सुनवाई के लिए तैयरा हो गया है। वह सुप्रीम कोर्ट में कॉकरोच जनता पार्टी के मार्च पर रोक लगाने वाली याचिका की सुनवाई के दौरान पेश हुए थे। सुप्रीम कोर्ट ने 5 सितंबर को दिल्ली में होने वाले इस मार्च पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि इस मार्च से कोई अप्रिय घटना होगी, ऐसा मानने की कोई ठोस वजह नहीं है।

◆ मार्च से कोई अप्रिय घटना होगी ऐसा मानने की कोई ठोस वजह नहीं

चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि प्रशासन से उम्मीद है कि वह कानून-व्यवस्था बनाए रखेगा और सभी पक्षों को जिम्मेदारी से और कानून के मुताबिक काम करना सुनिश्चित करेगा। यह याचिका रिटायर्ड दिल्ली पुलिस अधिकारी राजेंद्र सिंह ने दाखिल की थी। उन्होंने कहा कि दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स समिट को देखते हुए बड़े जुलूस और प्रदर्शन की अनुमति नहीं मिलनी चाहिए।

पेट्रोल-पंपों पर एथेनॉल प्रतिशत बताने की मांग वाली याचिका खारिज

◆ सुप्रीम कोर्ट बोला- सक्षम अथॉरिटी के पास जाएं

सुप्रीम कोर्ट ने पेट्रोल पंपों के नोजल पर एथेनॉल की मात्रा लिखने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी है। कोर्ट ने याचिकाकर्ता से कहा कि वे इस मामले में संबंधित सक्षम अथॉरिटी के पास जाएं। 31 अगस्त को कोर्ट ने ये याचिका खारिज की है। एडवोकेट नरेंद्र कुमार गोस्वामी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर केंद्र सरकार को यह निर्देश देने की मांग की थी कि देशभर के पेट्रोल पंपों की हर डिस्पेंसिंग नोजल पर अनिवार्य और एकसमान लेबलिंग की जाए। इस लेबल पर स्पष्ट रूप से लिखा हो कि बेचे जा रहे पेट्रोल में कितना प्रतिशत एथेनॉल मिलाया गया है। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस पीबी वराले की बेंच ने याचिका को खारिज कर दिया। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा, 'याचिका खारिज की जाती है। याचिकाकर्ता के लिए सक्षम अथॉरिटी के पास जाने का विकल्प खुला है।' कोर्ट ने यह भी सवाल उठाया कि याचिकाकर्ता सीधे सुप्रीम कोर्ट क्यों आए, वे पहले हाई कोर्ट या संबंधित विभाग के पास क्यों नहीं गए।

प्रयागराज एयरफोर्स स्टेशन के पास पटाखा फैक्टरी में विस्फोट, 11 की मौत, 22 झुलसे

एजेंसी, नई दिल्ली। यूपी में सोमवार को प्रयागराज और कौशांबी बॉर्डर पर एक पटाखा फैक्टरी में भीषण विस्फोट हो गया। इससे 2 बच्चों समेत 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि 22 झुलस गए।

पुलिस के मुताबिक, विस्फोट से पूरी फैक्टरी जमींदोज हो गई। 100 मीटर के दायरे में बने आसपास के 8 मकान क्षतिग्रस्त हो गए। इनमें से 3 जमींदोज हो गए। हादसा दोपहर साढ़े 12 बजे कौशांबी जिले के मोहम्मदपुर गांव में हुआ। यह गांव प्रयागराज बॉर्डर पर है। यहां से मनौरी स्थित एयरफोर्स स्टेशन 2 किमी है। पुलिस, एयरफोर्स, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ के 200 जवान रेस्क्यू में जुटे हैं। 10 बुलडोजरों से मलबा हटाया जा रहा है। पुलिस को शक है कि मलबे के नीचे कुछ लोग दबे हो सकते हैं। हादसे के वक्त फैक्टरी में 20 मजदूर काम कर रहे थे। आसपास के घरों के कुछ लोग भी घायल हैं। धमाके की आवाज 2 किमी दूर तक सुनाई दी। कुछ ही देर में धुएं का गुबार चारों तरफ छा गया।

◆ 3 मकान जमींदोज, तड़पते घायलों को चारपाई पर लेकर भागे लोग

विस्फोट के बाद पटाखों के चलते लगातार धमाके होते रहे। ग्रामीण झुलसे लोगों को चारपाई पर ले जाते दिखे। विस्फोट की भयावहता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि मकान की तीसरी मंजिल में 8 फुट का छेद हो गया। एक मंजिला फैक्टरी 800 वर्गफीट में बनी थी। मालिक का नाम आदिल है। पुलिस के मुताबिक, फैक्टरी के बगल में नई बस्ती बस रही थी। कौशांबी के पूर्व सांसद विनोद सोनकर घटनास्थल पहुंचे। उन्होंने कहा कि यह बहुत दुखद हादसा है। जिला प्रशासन रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटा हुआ है।

कनाडा में भागवत बोले- मदद करना भारत की परंपरा

एजेंसी, टोरंटो। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत टोरंटो में 'हिंदू विश्व बंधु' कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कार्यक्रम में कहा कि मुश्किल वक्त में दूसरों की मदद करना भारत की पुरानी परंपरा रही है। दुनिया में कहीं भी संकट आया और भारत से मदद मांगी गई तो भारत ने कभी पीछे हटकर इनकार नहीं किया। कई बार भारत ने बिना मदद मांगे भी दूसरों की सहायता की है। भागवत ने कहा- भारत में विविधता एकता के खिलाफ नहीं, बल्कि उसकी खूबसूरती है। देश में अलग-अलग जाति, पंथ, भाषाएं व संस्कृतियां हैं, लेकिन ये सभी एक ही समाज का हिस्सा हैं। उन्होंने विविधता को स्वीकार करने और उसका सम्मान करने की बात कही। उन्होंने कहा कि 'ये मेरा, वो तुम्हारा' जैसी सोच से ऊपर उठने की जरूरत है। अलग-अलग रूप और पहचान के बावजूद सभी में एक ही दिव्यता है। इसलिए दूसरों को अलग या पराया मानने के बजाय सभी के साथ भाईचारे और सेवा की भावना रखनी चाहिए।

भारत में टाटा बनाएगा टैंक रोधी मिसाइल प्रणाली जैवलिन, अमेरिकी कंपनी से करार

एजेंसी, नई दिल्ली। भारत ने अमेरिका से टैंक रोधी मिसाइल प्रणाली एफजीएम-148 जैवलिन खरीदने का समझौता किया है। भारत ने जैवलिन प्रणाली के लिए प्रस्ताव और स्वीकृति पत्र पर हस्ताक्षर कर इसे आधिकारिक ग्राहक बनने की प्रक्रिया पूरी की है। अब टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड (टीएएसएल) और जैवलिन जॉइंट वेंचर (जेजेवी) ने भारत में इस प्रणाली के निर्माण के लिए समझौता किया है।

इस करार के तहत भारत में जैवलिन के लिए फाइनल असेंबली और इंटीग्रेशन सुविधा स्थापित करने की संभावनाएं तलाश की जाएंगी। जैवलिन एक उन्नत मध्यम दूरी की फायर-एंड-फॉरगेट एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल प्रणाली है। इसके भारत में निर्माण से देश के

रक्षा औद्योगिक आधार को मजबूती मिलने और स्थानीय विनिर्माण विशेषज्ञता बढ़ने की उम्मीद है। जैवलिन जॉइंट वेंचर के वाइस प्रेसिडेंट रिच लिसियन ने कहा कि यह साझेदारी भारत और अमेरिका के बीच रणनीतिक सहयोग को मजबूत करेगी। वहीं, टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स के सीईओ और एमडी सुकरन सिंह ने कहा कि यह पहल भारत की हाई-टेक मैन्युफैक्चरिंग क्षमताओं और आत्मनिर्भरता को बढ़ाने के साथ भारतीय सशस्त्र बलों की ऑपरेशनल तैयारी मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएगी।

नेपाल का ग्लेशियर का डेटा न देने का आरोप; अब तक 919 मौतें

12 दिन पहले अलर्ट दिया था: चीन

एजेंसी, काठमांडू। नेपाल में 26 अगस्त को आई बाढ़ से पहले जरूरी डेटा साझा न करने के आरोपों पर चीन ने सफाई दी है। चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा कि उसके वर्ल्ड मेट्रोलॉजिकल सेंटर ने बाढ़ से 12 दिन पहले ही नेपाल को ईमेल भेजकर भारी बारिश, भूस्खलन और अचानक बाढ़ की चेतावनी दी थी। दरअसल, 27 मई को काठमांडू में दोनों देशों की मौसम और ग्लेशियर से जुड़े खतरों पर बैठक हुई थी। इसमें नेपाल ने ग्लेशियरों में शुरुआती हलचल और संभावित खतरे की जानकारी पहले देने की मांग की थी।

नेपाल का आरोप है कि चीन भारी बारिश का अनुमान तो देता है, लेकिन हिमस्खलन, पानी के स्तर, भूस्खलन और दूसरे बड़े प्राकृतिक खतरों की जानकारी साझा नहीं करता। वहीं, नेपाल-तिब्बत में बाढ़ से 919 लोगों की मौत हो चुकी है। अकेले नेपाल में 903 मौते हुई हैं, जबकि तिब्बत में मरने वालों का आंकड़ा 16 पहुंच गया है 4200 से ज्यादा लोग लापता हैं।

लापता लोगों के परिजनों से डीएनए सैंपल मांगे

नेपाल में लापता लोगों की पहचान के लिए उनके परिजनों से डीएनए सैंपल मांगे गए हैं। पुलिस ने माता-पिता और बच्चों से डीएनए देने के साथ लापता व्यक्ति की आखिरी बार देखे जाने की जगह और समय की जानकारी देने को कहा है। नेपाल के बाहर रहने वाले ऐसे लोग, जिनके रिश्तेदार नेपाल में लापता हैं, उन्हें अपने देश में डीएनए प्रोफाइलिंग कराकर रिपोर्ट ईमेल से नेपाल पुलिस को भेजने को कहा गया है।

महंगाई के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत, पहली तिमाही में 7.8% बढ़ी

एजेंसी, नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी तनाव से बढ़ती महंगाई के बावजूद भारत की इकोनॉमी आरबीआई के अनुमान से ज्यादा मजबूत रही। जीडीपी इस साल की पहली तिमाही यानी अप्रैल-जून में 7.8% रही। आरबीआई का अनुमान 7% था। एक साल पहले की इसी तिमाही में यह 6.9% की दर से बढ़ी। फाइनेंस, रियल एस्टेट, आईटी और प्रोफेशनल सर्विसेज सेक्टर में 12% से ज्यादा की बढ़त रही। इससे महंगाई का असर जीडीपी ग्रोथ पर नहीं पड़ा। सोमवार को यह आंकड़े केंद्र सरकार के सांख्यिकी विभाग ने जारी किए।

यह देश के लोगों की ताकत का नतीजा : पीएम मोदी

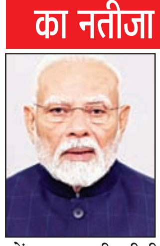

पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट शेयर कर लिखा, 'दुनिया भर के संकटों और तेल की बढ़ती कीमतों के बावजूद, भारत ने इस साल की पहली तिमाही में 7.8% की जीडीपी ग्रोथ हासिल की है। यह देश के लोगों की ताकत का नतीजा है। मंदी की आशंका जताने वाले फिर पीछे छूट गए और भारत ने एक बार फिर बड़ी कामयाबी हासिल की।'

संस्कृत कॉलेजों में शुरू होंगे कर्मकांड पुरोहित के डिप्लोमा-सर्टिफिकेट कोर्स : सीएम सुक्खू

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने हिमाचल प्रदेश ब्राह्मण कल्याण बोर्ड की बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि प्रदेश में संचालित संस्कृत महाविद्यालयों में कर्मकांड पुरोहित के डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स शुरू करने पर विचार किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि सामंजस्य और भाईचारे से ही आदर्श समाज का निर्माण संभव है तथा सामाजिक एकता ही प्रदेश की प्रगति की मजबूत नींव है। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश के 222 गोसदनों और गो-अभयारण्यों में 23,018 गोवंश को आश्रय दिया गया है। सात नए गोसदनों का निर्माण पूरा होने पर 2,200 से 2,500 बेसहारा गोवंश को अतिरिक्त आश्रय मिलेगा। गो सेवा आयोग की ओर से गोवंश के पालन-पोषण के लिए 1,200 रुपये प्रति गोवंश प्रतिमाह सहायता दी जा रही है। बेसहारा पशुओं की समस्या के

समाधान के लिए राज्य स्तरीय टास्क फोर्स का गठन भी किया गया है। सुक्खू ने कहा कि सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य व सड़क सहित विभिन्न क्षेत्रों में व्यवस्था परिवर्तन के उद्देश्य से कार्य कर रही है। सरकारी अस्पतालों में मरीजों को निशुल्क दवाइयां और जांच सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य संस्थानों के स्तर के अनुसार आवश्यक दवाइयों और उपभोग्य वस्तुओं की सूची अधिसूचित की गई है। उन्होंने कहा कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों से लेकर जोनल और क्षेत्रीय अस्पतालों तक करसना डायग्नोस्टिक्स के माध्यम से निशुल्क जांच की सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही है। आदर्श स्वास्थ्य संस्थानों में एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड और सीटी स्कैन जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। मुख्यमंत्री ने रिवालसर स्थित त्रिवेणी धाम की क्षतिग्रस्त चारदीवारी के पुनर्निर्माण के लिए 1.28 करोड़ रुपए का प्राकलन तैयार किए जाने की जानकारी दी। बैठक में डॉ. वाईएस परमार ऋण योजना और सीबीएसई पाठ्यक्रम वाले विद्यालयों सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से चिट्टे के खिलाफ जनजागरूकता अभियान में सहयोग का आह्वान किया। बैठक में मुख्य सचिव केके पंत, पुलिस महानिदेशक अशोक तिवारी सहित प्रशासनिक सचिव और बोर्ड के सदस्य मौजूद रहे।

दिल्ली : बस में 16 साल की छात्रा से दुष्कर्म

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली में 16 साल की छात्रा से चलती स्लीपर बस में दुष्कर्म का मामला सामने आया है। घटना 4 अगस्त की है, पुलिस ने 31 अगस्त को इसकी जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक पीड़ित ग्रेटर नोएडा के परी चौक पर बस में बैठी। आरोपियों ने उसे कश्मीरी गेट पर छोड़ा। इस दौरान बस करीब 47 किमी दौड़ती रही। बस के शीशों पर पर्दे लगे थे। पुलिस ने बस ड्राइवर कुलदीप और कंडक्टर संदीप को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की गिरफ्तारी कब हुई, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। पीड़ित उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले की रहने वाली है और 11वीं की छात्रा है। पुलिस के मुताबिक, पीड़ित यूपी के मैनपुरी की रहने वाली है। परिवार में झगड़ा होने पर बिना बताए नोएडा में कजिन के घर के लिए बस से निकली थी।

◆ शीशे पर पर्दे लगे थे, ड्राइवर-कंडक्टर अरेस्ट

दिल्ली सरकार ने सौंदर्यीकरण को लेकर डिक्सन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के साथ किया एमओयू

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने स्वच्छ, हरित व सुंदर राजधानी के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए डिक्सन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड व कनोडिया ग्रुप के साथ दिल्ली सचिवालय में सोमवार को समझौता ज्ञापत (एमओयू)पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, लोक निर्माण मंत्री प्रवेश साहिब सिंह सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पोस्ट करते हुए कहा कि इस साझेदारी के तहत फ्लाईओवरों के नीचे खाली स्थानों का सौंदर्यीकरण होगा, फुटपाथों की साफ-सफाई और बेहतर रखरखाव किया जाएगा, ग्रीन बेल्ट को संवारा जाएगा तथा पिलरों पर भारतीय संस्कृति, आधुनिक कला और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े संदेश उकेरे जाएंगे। इस साझेदारी के तहत डिक्सन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड और कनोडिया ग्रुप दीपाली चौक फ्लाईओवर के नीचे के क्षेत्र का सौंदर्यीकरण और विकास, पिलरों पर भारतीय संस्कृति, आधुनिक कला और पर्यावरण आधारित चित्रकारी, मथुरा रोड और एमपी मार्ग की ग्रीन बेल्ट का जीर्णोद्धार व प्रदूषण-रोधी पौधों के साथ ड्रिप सिंचाई और बाड़ लगाने की व्यवस्था करेगी।

◆ सीएम रेखा गुप्ता ने फ्लाईओवर और ग्रीन बेल्ट संवारने पर दिया जोर

कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) के माध्यम से होने वाले ये कार्य दिल्ली के सार्वजनिक स्थलों को अधिक स्वच्छ, हरित, व्यवस्थित और जनोपयोगी बनाने में सहायक होंगे।

श्रीकृष्ण की बाल लीलाएं केवल आनंदित करने वाली कथाएं नहीं, उनमें गहन आध्यात्मिक संदेश निहित है: सीएम योगी

एजेंसी, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदशवासियों को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीअसत्य और अन्याय के अंधकार के बीच सत्य और धर्म का प्रकाश प्रस्फुटित हुआ।

श्रीकृष्ण की बाल लीलाएं केवल आनंदित करने वाली कथाएं नहीं, उनमें गहन आध्यात्मिक संदेश निहित है। मुख्यमंत्री योगी ने प्रदेशवासियों को पाती लिखकर कहा कि माखन चोरी में सहजता और निश्छलता का संदेश मिलता है। गोप-गोपियों के साथ श्रीकृष्ण की आत्मीयता में प्रेम और समरसता का संदेश है। कालिया नाग के दमन में अधर्म पर धर्म की विजय का संदेश है। श्रीकृष्ण का जीवन बताता है कि समाज की शक्ति सामूहिक सहकारिता में निहित है। गोवर्धन पर्वत धारण कर श्रीकृष्ण ने प्रकृति, पशुधन और कृषि आधारित जीवन के संरक्षण का संदेश दिया है। गोवर्धन पूजा के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण ने सामूहिक एकजुटता की शक्ति का संदेश दिया।

◆ मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को दी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामनाएं

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि श्रीकृष्ण कुलीनता के नहीं, समरसता के प्रतीक हैं। श्रीकृष्ण समाज के प्रत्येक वर्ग के साथ खड़े रहे। द्वारिका श्रीकृष्ण सुदामा के आत्मीय मित्र भी थे। सुदामा से मित्रता ने बताया, सच्चे संबंध पद, प्रतिष्ठा और संपन्नता से नहीं, आत्मीयता से बनते हैं। योगी ने कहा कि समरसता, समानता और आत्मीयता आज के समाज की आवश्यकता है। योगेश्वर श्रीकृष्ण का जीवन लोककल्याणकारी शासन की मूल भावना की प्रेरणा देता है। समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को सम्मान और सुरक्षा देने के लिए सरकार कार्य कर रही है। गरीबी मुक्त उत्तर प्रदेश, प्रतिभासंपन्न निपुण युवाओं को काम और अन्नदाताओं को सहारा देने का प्रयास है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि बेटियों को बेटों के समान आगे बढ़ने का अवसर देना लोक कल्याण की भावना है। गीता में श्रीकृष्ण ने कर्म, ज्ञान और कर्तव्य का मार्ग दिखाया है। श्रीकृष्ण का कर्म, ज्ञान और कर्तव्य का संदेश किसी एक युग तक सीमित नहीं। उत्तर प्रदेश की धरती श्रीकृष्ण की लीलाओं और संदेशों की पावन भूमि है।

मुलाकात जमैका, इथियोपिया और जाम्बिया में उत्तराखंड के युवाओं के लिए रोजगार अवसर तलाशेगी सरकार

विदेशी प्रतिनिधिमंडलों को होम स्टे मॉडल से कराया जाएगा परिचित : धामी

एजेंसी, देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से सोमवार को मुख्यमंत्री आवास में जमैका में भारत के उच्चायुक्त मयंक जोशी, इथियोपिया में भारत के राजदूत देवेश उत्तम व जाम्बिया में भारत के उच्चायुक्त आलोक रंजन झा ने मुलाकात की।

इस दौरान संबंधित देशों में रोजगार की संभावनाओं, कुशल मानव संसाधन की आवश्यकता और उत्तराखंड के युवाओं के लिए उपलब्ध अवसरों के संबंध में चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन देशों में जिन क्षेत्रों में रोजगार की अधिक संभावनाएं हैं और जहां कुशल मानव संसाधन की आवश्यकता है, उनकी जानकारी प्राप्त करने के लिए संबंधित भारतीय मिशनों के साथ नियमित समन्वय रखा जाए। उन्होंने

कहा कि विदेशों में उपलब्ध रोजगार के अवसरों और वहां की आवश्यकता के अनुरूप राज्य के युवाओं को कौशल एवं आवश्यक भाषा प्रशिक्षण दिया जाए, जिससे उन्हें वैश्विक स्तर पर रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध हो सकें। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि उत्तराखंड में होम स्टे के क्षेत्र में सराहनीय कार्य हुए हैं। विभिन्न देशों से आने वाले प्रतिनिधिमंडलों को राज्य के होम स्टे मॉडल से परिचित कराने के लिए होम स्टे का भ्रमण कराया जा सकता है। उन्होंने कहा कि फार्मा, उद्योग, आयुर्वेद और वेलनेस के क्षेत्र में उत्तराखंड में अनेक संभावनाएं हैं। इन क्षेत्रों में राज्य की विशेषताओं और संभावनाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा देने की दिशा में भी प्रभावी प्रयास किए जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के युवाओं में प्रतिभा और क्षमता की कमी नहीं है। उन्हें वैश्विक मांग के अनुरूप आवश्यक कौशल और प्रशिक्षण प्रदान कर रोजगार के बेहतर अवसरों से जोड़ा जा सकता है। उन्होंने अधिकारियों को विभिन्न देशों में कुशल मानव संसाधन की मांग और रोजगार की संभावनाओं का आकलन करते हुए युवाओं के प्रशिक्षण के लिए प्रभावी कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। जमैका में भारत के उच्चायुक्त मयंक जोशी ने कहा कि जमैका में पर्यटन, स्वास्थ्य सेवा और कृषि के क्षेत्र में कार्य करने की अनेक संभावनाएं हैं। विशेष रूप से नर्सिंग के क्षेत्र में प्रशिक्षित मानव संसाधन की मांग है। इन क्षेत्रों की आवश्यकता के अनुरूप युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देकर रोजगार के अवसरों से जोड़ा जा सकता है।

इथियोपिया में भारत के राजदूत देवेश उत्तम ने कहा कि इथियोपिया में प्रबंधन और लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में कार्य करने की अनेक संभावनाएं हैं। फार्मास्युटिकल और फ्लोरीकल्चर के क्षेत्र में भी वहां बेहतर अवसर उपलब्ध हैं।

जाम्बिया में कुशल मानव संसाधन की व्यापक जरूरत

जाम्बिया में भारत के उच्चायुक्त आलोक रंजन झा ने कहा कि जाम्बिया में कुशल मानव संसाधन की व्यापक आवश्यकता है। शिक्षा और कृषि के क्षेत्र में वहां कार्य करने की अनेक संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि जाम्बिया में जिन क्षेत्रों में कुशल मानव संसाधन की आवश्यकता है, उनके संबंध में राज्य सरकार को विस्तृत नोट उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने इस दिशा में हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

मुख्यमंत्री ने आपातकालीन संचालन केंद्र का किया निरीक्षण

मुख्यमंत्री ने बांधों से पानी छोड़ने और बरसाती नुकसान का सटीक आंकड़ा तैयार करने के दिए निर्देश

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने शिमला स्थित एकीकृत कमांड एवं नियंत्रण केंद्र तथा राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र में स्थापित त्वरित घटना रिपोर्टिंग प्रणाली के माध्यम से की जा रही निगरानी और आपदा प्रबंधन से जुड़ी व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी ली।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से प्रदेश में बरसात के दौरान उत्पन्न होने वाली परिस्थितियों और विभिन्न क्षेत्रों में होने वाले नुकसान की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने विशेष रूप से विभिन्न बांधों से पानी छोड़े जाने की स्थिति पर लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि बांधों से पानी छोड़े जाने से पहले और उसके बाद संबंधित क्षेत्रों की स्थिति पर नजर रखना जरूरी है, ताकि संभावित खतरे को समय रहते पहचाना जा सके और लोगों को आवश्यक सूचना दी जा सके।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश में बरसात के दौरान होने वाले नुकसान का सटीक और व्यवस्थित आंकड़ा तैयार किया

जाए। इसमें सड़क, पुल, पेयजल योजनाओं, विद्युत व्यवस्था, भवनों और अन्य सार्वजनिक संपत्तियों को होने वाले नुकसान की जानकारी को भी शामिल किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपदा की स्थिति में सही आंकड़े उपलब्ध होने से राहत और पुनर्वास कार्यों को प्रभावी ढंग से संचालित करने में मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने त्वरित घटना रिपोर्टिंग प्रणाली के विभिन्न निगरानी कार्यों की भी जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसी भी प्राकृतिक आपदा या आपात स्थिति की सूचना संबंधित विभागों तक बिना देरी पहुंचनी चाहिए। इसके लिए विभागों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने पर भी जोर दिया गया।

उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक और निगरानी प्रणालियों का प्रभावी उपयोग आपदा प्रबंधन को अधिक मजबूत बना सकता है। विशेषकर बरसात के मौसम में भूस्खलन, बाढ़, बादल फटने और अन्य प्राकृतिक घटनाओं की आशंका को देखते हुए समय पर सूचना और त्वरित कार्रवाई बेहद जरूरी है।

मुख्यमंत्री ने केंद्र में उपलब्ध निगरानी व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए अधिकारियों से आपात परिस्थितियों में तैयारियों की स्थिति के बारे में भी जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि किसी भी आपदा के दौरान लोगों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए और संबंधित एजेंसियां आपसी समन्वय के साथ तुरंत कार्रवाई करें।

इस अवसर पर मुख्य सचिव के.के. पंत सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री के निरीक्षण के दौरान आपदा प्रबंधन और निगरानी व्यवस्था को और प्रभावी बनाने से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी चर्चा की गई।

आईजीएमसी में नेत्रदाताओं के परिजनों का सम्मान, अब तक 400 कॉर्निया प्रत्यारोपण

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (आईजीएमसी) शिमला के नेत्र रोग विभाग और स्टेट ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गेनाइजेशन (एसओटीटीओ), हिमाचल प्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में नेत्रदान पखवाड़े के तहत सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य नेत्रदान के प्रति लोगों को जागरूक करना और नेत्रदान के माध्यम से जरूरतमंदों के जीवन में रोशनी लाने वाले दाताओं के योगदान को सम्मान देना रहा। कार्यक्रम में आईजीएमसी की प्रधानाचार्य डॉ. सीता ठाकुर मुख्य अतिथि रहीं।

इस अवसर पर नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. विनय ने प्रस्तुति के माध्यम से आईजीएमसी आई बैंक की गतिविधियों और उपलब्धियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नेत्रदान से जरूरतमंद मरीजों को दृष्टि प्रदान करने में महत्वपूर्ण मदद मिलती है। उन्होंने लोगों से नेत्रदान के प्रति जागरूक होने और इससे

जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने का आह्वान किया।

नेत्र रोग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राम लाल शर्मा ने बताया कि आईजीएमसी का आई बैंक वर्ष 2010 से संचालित है। अब तक आई बैंक के माध्यम से 400 कॉर्निया प्रत्यारोपण किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि लोगों में नेत्रदान के प्रति बढ़ती जागरूकता तथा चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मचारियों की प्रतिबद्धता से संभव हुई है। उन्होंने नेत्रदाताओं और उनके परिजनों के योगदान को मानवता की बड़ी सेवा बताया।

प्रधानाचार्य डॉ. सीता ठाकुर ने नेत्र रोग विभाग और एसओटीटीओ के प्रयासों की सराहना की।

सदन की कार्यवाही में भाग लेने के लिए जाते नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर व अन्य भाजपा विधायक।

सत्र की कार्यवाही के लिए पहुंचे विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां

फागू ईवीएम वेयरहाउस का उपायुक्त ने किया निरीक्षण

ईवीएम वेयरहाउस की सुरक्षा में लापरवाही न बरतें, निर्वाचन आयोग के निर्देशों का करें पालन

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त शिमला अनुपम कश्यप ने सोमवार को फागू स्थित ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वेयरहाउस में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का पूरी गंभीरता से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने वेयरहाउस में स्थापित सीसीटीवी कैमरों की कार्यप्रणाली और निगरानी व्यवस्था की जांच की। उन्होंने परिसर में तैनात सुरक्षा व्यवस्था का भी जायजा लिया। इसके अलावा अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता और उनकी स्थिति की जानकारी ली गई। उपायुक्त ने वेयरहाउस में प्रवेश और निकास के लिए रखे गए रजिस्टर की भी जांच की तथा अधिकारियों से सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की।

अनुपम कश्यप ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ईवीएम वेयरहाउस

की सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता और विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए ईवीएम मशीनों की सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसलिए वेयरहाउस में निर्धारित सुरक्षा मानकों का हर स्थिति में पालन किया जाना चाहिए।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सीसीटीवी कैमरे लगातार सुचारु रूप से संचालित रहें और उनकी निगरानी व्यवस्था प्रभावी हो। किसी भी तकनीकी खराबी की स्थिति में उसे तत्काल दूर करवाया जाए। साथ ही, वेयरहाउस में आने-जाने वाले प्रत्येक व्यक्ति का विवरण निर्धारित रजिस्टर में दर्ज किया जाए, ताकि सुरक्षा व्यवस्था में किसी प्रकार की कमी न रहे।

उपायुक्त ने अग्निशमन उपकरणों को भी हमेशा तैयार रखने और समय-समय पर उनकी जांच करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ईवीएम की सुरक्षा केवल चुनाव के दौरान ही नहीं, बल्कि पूरे समय सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि निर्वाचन आयोग की ओर से निर्धारित सभी नियमों और सुरक्षा प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन किया जाए। उन्होंने अधिकारियों से आपसी समन्वय बनाए रखने और किसी भी संभावित समस्या की सूचना तुरंत उच्च अधिकारियों को देने को कहा।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने वेयरहाउस की समग्र व्यवस्था पर संतोष व्यक्त करते हुए सुरक्षा से जुड़े सभी प्रबंधों को लगातार मजबूत बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्वाचन प्रक्रिया की निष्पक्षता, पारदर्शिता और विश्वसनीयता बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च जिम्मेदारी है।

14 ट्रॉफियां जीत कर मशोबरा स्कूल बना ओवरऑल चैंपियन

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मशोबरा ब्लॉक की खंड स्तरीय अंडर-14 छात्र एवं छात्रा वर्ग की खेलकूद प्रतियोगिता में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला मशोबरा के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 14 ट्रॉफियां अपने नाम कीं। विद्यालय की इस उपलब्धि पर सोमवार को स्कूल परिसर में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। विजेता खिलाड़ियों का विद्यालय पहुंचने पर स्टाफ और विद्यार्थियों ने बैंड की धुनों और फूलमालाओं के साथ भव्य स्वागत किया। इस दौरान खिलाड़ियों के सम्मान में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए।

विद्यालय के प्रधानाचार्य बनवारी लाल केशव ने सभी विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने इस सफलता का श्रेय विद्यालय के शारीरिक शिक्षक नंदलाल शर्मा के अथक प्रयासों और खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत को दिया। उन्होंने कहा कि अनुशासन, निरंतर अभ्यास और मेहनत के बल पर विद्यार्थियों ने विद्यालय का नाम रोशन किया है।

प्रधानाचार्य ने बताया कि प्रतियोगिता में मशोबरा स्कूल को ओवरऑल चैंपियन का खिताब मिला। वॉलीबाल छात्र वर्ग और योग छात्र वर्ग में विद्यालय ने प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि जूडो और कबड्डी छात्र वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। समूहगान छात्र वर्ग में तृतीय स्थान मिला।

डिजिटल स्टूडियो में ऑनलाइन प्रशिक्षण, वेबिनार और विशेषज्ञ वार्ता की मिलेगी सुविधा

पंचायत प्रतिनिधियों को मिलेगा तकनीकी प्रशिक्षण

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री अनिरुद्ध सिंह ने शिमला जिले के मशोबरा विकास खंड स्थित राज्य पंचायत संसाधन केंद्र में 33 लाख रुपये की लागत से नवनिर्मित डिजिटल स्टूडियो का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि डिजिटल स्टूडियो के माध्यम से पंचायती राज संस्थाओं के प्रशिक्षुओं और प्रतिनिधियों को आधुनिक तकनीक एवं उपकरणों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों को नई गति देने में मदद मिलेगी।

मंत्री ने स्टूडियो की गुणवत्ता और इसमें उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी अधिकारियों से ली तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रशिक्षुओं से संवाद कर प्रशिक्षण व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए उनके सुझाव भी सुने।

अनिरुद्ध सिंह ने बताया कि डिजिटल स्टूडियो का निर्माण नवंबर 2025 में शुरू किया गया था और महज आठ महीने में अगस्त 2026 में इसे पूरा कर लिया गया। स्टूडियो का उपयोग पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास से संबंधित उच्च गुणवत्ता वाली डिजिटल प्रशिक्षण और संचार सामग्री तैयार करने, रिकॉर्डिंग, उत्पादन तथा प्रसार के लिए किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि यहां ऑनलाइन प्रशिक्षण, वेबिनार, वीडियो सम्मेलन, विशेषज्ञ वार्ता, साक्षात्कार, जागरूकता कार्यक्रम और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के सीधे प्रसारण की सुविधा उपलब्ध होगी। इसके अलावा पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधियों और अधिकारियों के लिए ई-लर्निंग तथा डिजिटल प्रशिक्षण मॉड्यूल तैयार किए जाएंगे।

मंत्री ने कहा कि वेबसाइट, डिजिटल मंचों और विभागीय सामाजिक माध्यम चैनलों के लिए पेशेवर दृश्य-श्रव्य सामग्री भी इसी स्टूडियो में तैयार की जा सकेगी।

37 वर्ष की सेवा के बाद अमरजीत शर्मा हुए सेवानिवृत्त

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। सूचना एवं जनसंपर्क निदेशालय में वरिष्ठ अभियांत्रिकी सहायक अमरजीत शर्मा के सम्मान में गरिमापूर्ण विदाई एवं सेवानिवृत्ति समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने उनके लंबे सेवाकाल के दौरान दिए गए योगदान को याद करते हुए उनके सुखद भविष्य की कामना की। अमरजीत शर्मा ने 4 सितंबर 1989 को अभियांत्रिकी सहायक के रूप में अपनी सेवाएं शुरू की थीं। करीब 37 वर्षों के सेवाकाल के दौरान उन्होंने विभाग में विभिन्न जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए अपनी कार्यकुशलता, प्रशासनिक क्षमता और अनुशासन से उल्लेखनीय योगदान दिया। विभागीय कार्यों के प्रति उनकी निष्ठा और समर्पण की अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सराहना की। सेवानिवृत्ति कार्यक्रम की अध्यक्षता सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के निदेशक राजीव कुमार ने की। उन्होंने अमरजीत शर्मा को सेवानिवृत्ति पर शुभकामनाएं देते हुए विभाग के प्रति उनके बहुमूल्य योगदान की प्रशंसा की।

विधानसभा पहुंचे 150 विद्यार्थीयों ने अध्यक्ष पठानियां से संसदीय व्यवस्था पर किया संवाद

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। राजकीय उत्कृष्ट महाविद्यालय संजौली तथा विधि अध्ययन संस्थान हरिदेवी, जिला शिमला के करीब 150 छात्र-छात्राओं ने हिमाचल प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र के सातवें दिन की कार्यवाही देखी। विधानसभा की कार्यवाही देखने पहुंचे विद्यार्थियों ने कौंसिल चैंबर के बाहर विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां से मुलाकात की। यह मुलाकात दोपहर करीब 1:30 बजे हुई।

इस दौरान विद्यार्थियों ने विधानसभा अध्यक्ष से संसदीय प्रणाली, सत्र के संचालन और सदन में अध्यक्ष की भूमिका से जुड़े विभिन्न सवाल पूछे। कुलदीप सिंह पठानियां ने विद्यार्थियों के सवालों का विस्तार से जवाब दिया और उन्हें संसदीय व्यवस्था की कार्यप्रणाली से अवगत कराया।

पठानियां ने कहा कि यह खुशी की बात है कि आज के युवा और विद्यार्थी संसदीय प्रणाली तथा संवैधानिक व्यवस्था को समझने में रुचि ले रहे हैं।

छात्रों को मिली लोकतंत्र की सीख

विधानसभा अध्यक्ष ने बताया कि उन्होंने विद्यार्थियों को सदन की कार्यवाही देखने की अनुमति दी है, ताकि वे संसदीय प्रणाली, संघीय ढांचे और देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को करीब से समझ सकें। उन्होंने छात्र-संसद के आयोजन का भी उल्लेख किया। पठानियां ने कहा कि विधानसभा परिसर में आयोजित छात्र-संसद काफी सफल रही थी। विद्यार्थियों ने मुख्यमंत्री, मंत्रिपरिषद के सदस्यों और विधानसभा अध्यक्ष की भूमिकाएं निभाते हुए विभिन्न ज्वलंत मुद्दे सदन में उठाए थे। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों ने चर्चा के माध्यम से समस्याओं के समाधान का प्रयास किया, जो लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने वाला कदम है। उन्होंने युवाओं से लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में सक्रिय भागीदारी निभाने और देश के जिम्मेदार नागरिक बनने का आह्वान किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने भी विधानसभा की कार्यवाही को उपयोगी और ज्ञानवर्धक अनुभव बताया।

उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को सदन की कार्यवाही प्रत्यक्ष देखने का अवसर मिलना महत्वपूर्ण है। इससे उन्हें किताबों में पढ़ी गई संसदीय व्यवस्था को वास्तविक रूप में समझने का मौका मिलता है।

उन्होंने कहा कि भारत युवाओं का देश है और देश की आबादी में युवाओं की हिस्सेदारी करीब 40 प्रतिशत है। आज के युवा ही भविष्य के नेता हैं।

संजौली महाविद्यालय में अ.भा.वि.प. की नई कार्यकारिणी गठित

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। संजौली महाविद्यालय शिमला में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की सत्र 2026-27 की नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसमें दीक्षित चौहान को इकाई अध्यक्ष और आर्यन किरटा को इकाई मंत्री का दायित्व सौंपा गया। कार्यकारिणी गठन के अवसर पर अभाविप शिमला के विभाग संगठन मंत्री शशि शंकर मुख्य रूप से उपस्थित रहे, जबकि शिमला महानगर मंत्री कुनाल गंगटा चुनाव अधिकारी के रूप में मौजूद रहे। शशि शंकर ने कहा कि विद्यार्थी परिषद स्थापना काल से छात्रहित, समाजहित और राष्ट्रहित के लिए कार्य कर रही है। संगठन का उद्देश्य विद्यार्थियों की समस्याओं को उठाने के साथ उनमें नेतृत्व क्षमता, सामाजिक दायित्व और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है।

सेवासंकल्प बिंदल बोले- सेवा के साथ कांग्रेस सरकार की गारंटियों का हिसाब मांगेगी भाजपा, पंचायतों के अधिकारों की रक्षा को भी उठाएगी

भाजपा सितंबर में जारी करेगी सेवा संकल्प अभियान आंदोलन

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश मुख्यालय दीपकमल, चक्कर में सोमवार को प्रदेश स्तरीय मैराथन बैठकों का आयोजन किया गया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल की अध्यक्षता में हुई इन बैठकों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में राष्ट्रसेवा के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले 'सेवा संकल्प अभियान' और प्रदेश की कांग्रेस सरकार के खिलाफ आगामी जन आंदोलनों की रणनीति पर चर्चा हुई।

बैठकों में भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय सचिव ओम प्रकाश धनखड़, नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर, प्रदेश प्रभारी श्रीकांत शर्मा, सह प्रभारी संजय टंडन, संगठन महामंत्री सिद्धार्थन सहित कई वरिष्ठ नेता और पदाधिकारी मौजूद रहे।

सेवा और विकसित भारत का लिया जाएगा संकल्प : प्रेस वार्ता में डॉ. राजीव बिंदल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में राष्ट्रसेवा के 25 वर्ष सात अक्टूबर को पूरे होने जा रहे हैं। इसी उपलक्ष्य में प्रधानमंत्री के जन्मदिवस 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक हिमाचल सहित देशभर में 'सेवा संकल्प अभियान' चलाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य केवल जन्मदिवस मनाना नहीं, बल्कि समाज को सेवा के प्रति संकल्पित करना और वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण में नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करना है। 17 सितंबर को प्रदेशभर में सेवा और विकसित भारत-2047 का संकल्प लिया जाएगा। युवा मोर्चा के नेतृत्व में रक्तदान शिविर भी आयोजित किए जाएंगे।

अभियान के दौरान स्वच्छता अभियान, चिकित्सा सेवा, रक्तदान, पौधारोपण, जल संरक्षण, अनाथालयों और वृद्धाश्रमों में सेवा जैसे कार्यक्रम होंगे। बच्चों के लिए चित्रकला और भाषण प्रतियोगिताएं करवाई जाएंगी। महिला कार्यकर्ताओं की ओर से रंगोली सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

सितंबर में 170 स्थानों पर आंदोलन : डॉ. बिंदल ने कहा कि भाजपा ने अगस्त में 121 स्थानों पर स्थानीय मुद्दों को लेकर जन आंदोलन किए। इनमें टूटी सड़कों, विकास कार्यों और कांग्रेस की अधूरी गारंटियों से जुड़े मुद्दे उठाए गए। सितंबर में भाजपा 170 स्थानों पर स्थानीय समस्याओं को लेकर आंदोलन करेगी।

उन्होंने कहा कि 17 जिला स्तरीय प्रदर्शन महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर किए जाएंगे। भाजपा कांग्रेस सरकार से महिलाओं से किए गए वादों और उनकी समस्याओं पर जवाब मांगेगी। बिंदल ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने चुनाव के दौरान युवाओं और बेरोजगारों से बड़े-बड़े वादे किए, लेकिन सरकार बनने के बाद उन्हें पूरा नहीं किया गया।

460 ग्राम चरस मामले में दोषी को साढ़े तीन साल की सजा

अनीश सूद, भारतेंदु संवाददाता।, शिमला। शिमला पुलिस की प्रभावी जांच और मजबूत पैरवी के चलते चरस तस्करी के मामले में आरोपी विक्रम सिंह उर्फ वीरू को दोषी करार दिया गया।

कार्यालय ग्राम पंचायत शिल्ह मशोरा
विकास खंड बालीचौकी, जिला मंडी (हि.प्र.)

निविदा सूचना

आज की बैठक में सर्व सहमति से निविदा आमंत्रण का प्रस्ताव पास हुआ । वित्त वर्ष 2026-27 के लिए रेत, बजरी पत्थर किराया, जेसीबी, नागरिक सूचना पट्ट, शटरिंग, क्रेट वायर, सीमेन्ट किराया ईट व पंचायत के कार्य में उपयोग होने वाली अन्य सामग्री हेतु आमंत्रित करती है। निविदा 10-09-2026 तक पंचायत कार्यालय में डाक के माध्यम से पहुंचनी चाहिए । निविदा 11-09-2026 को खोली जाएगी।

शर्तें:- 1. निविदादाता को पच्चीस हजार रुपए की धरोहर राशि निविदा के साथ देनी होगी, तभी निविदा स्वीकार्य होगी। निविदादाता के पास अपना GST और PANCARD होना चाहिए । आपूर्तिकर्ता को खनन विभाग के M-FORM भी जमा करवाने होंगे। पंचायत के समस्त क्षेत्राधिकार में एक ही रेट होगा। निविदादाता अगर समय पर सामग्री नहीं देता है तो धरोहर राशि जब्त की जाएगी। सामग्री लेने का अंतिम मूल्य विभाग द्वारा negotiation के बाद किया जाएगा। यह सर्वसम्मति से पारित किया गया है।

प्रधान/सचिव कार्यालय ग्राम पंचायत शिल्ह मशोरा
विकास खंड बालीचौकी, जिला मंडी (हि.प्र.)

न्यूज ब्रीफ

नारायणबगड़-डुंग्री मार्ग पर बोल्डर गिरने से मशीन ऑपरेटर की दर्दनाक मौत

अनिल थपलियाल। नारायणबगड़-परखाल-डुंग्री मोटर मार्ग पर सोमवार को मलबा हटाने के दौरान पहाड़ी से अचानक भारी बोल्डर गिर गया। इसकी चपेट में आने से मशीन ऑपरेटर सोमपाल (27) गंभीर रूप से घायल हो गया। ग्रामीण उसे अस्पताल ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद ग्रामीणों ने सुरक्षा इंतजामों पर सवाल उठाते हुए पहाड़ी के स्थायी उपचार और सुरक्षात्मक उपायों की मांग की।

न्यू रविग्राम में भालू की दस्तक, लोगों में दहशत

भारतेंदु संवाददाता, गिरीश चंदोला। चमोली के जोशीमठ के न्यू रविग्राम में भालू की लगातार आवाजाही से लोगों में दहशत का माहौल है। स्थानीय निवासियों के अनुसार भालू सुबह और शाम आबादी के आसपास घूमता दिखाई दे रहा है। इससे स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और जरूरी काम से बाहर जाने वाले लोगों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। लोगों ने वन विभाग से नियमित गश्त बढ़ाने, निगरानी के लिए कर्मियों की तैनाती और पिंजरा लगाने की मांग की है।

प्रीतम सिंह ने शुद्धिकरण विवाद में मुकदमे की उठाई मांग

अनिल थपलियाल। हल्द्वानी रामलीला मैदान में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की जनसभा के बाद कथित शुद्धिकरण प्रकरण को लेकर कांग्रेस ने विरोध तेज कर दिया है। पूर्व नेता प्रतिपक्ष प्रीतम सिंह ने कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल के साथ सहसपुर थाने पहुंचकर तहरीर दी और दोषियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग की। कांग्रेस का आरोप है कि घटना के तीन सप्ताह बाद भी पुलिस ने अपेक्षित कार्रवाई नहीं की। प्रदेशभर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने थानों में तहरीर देकर एससी-एसटी एक्ट और राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम के तहत कार्रवाई की मांग की। कांग्रेस ने कार्रवाई न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है।

विद्युत तार चोरी का मुख्य आरोपी गैरसैंण पुलिस के हत्थे चढ़ा

भारतेंदु संवाददाता, उदित नैनवाल। जिला चमोली की गैरसैंण पुलिस ने विद्युत तार चोरी के मामले में मुख्य आरोपी आस मोहम्मद को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर मटियाला-नौटी रोड के पास जंगल से करीब 600 मीटर चोरी का विद्युत तार बरामद किया। पूछताछ में आरोपी ने साथियों वसीम और मुजम्मिल के साथ मटियाला व घंडियाल धार से चार केवल इन चोरी करने की बात स्वीकार की। पुलिस ने मामले में संबंधित धाराएं बढ़ाकर आगे की जांच शुरू कर दी है।

मंडल-चोपता मार्ग पर गिरे पेड़, फायर टीम ने रात में संभाला मोर्चा

भारतेंदु संवाददाता, उदित नैनवाल। गोपेश्वर में मूसलाधार बारिश के बीच फायर यूनिट ने देर रात मंडल-चोपता मार्ग पर राहत एवं बचाव अभियान चलाया। कंट्रोल रूम से सूचना मिलने पर टीम तत्काल हरियाली क्षेत्र पहुंची, जहां दो विशालकाय पेड़ सड़क पर गिरने से यातायात बाधित था। पेड़ों की चपेट में आने से एक ढाबा भी क्षतिग्रस्त हो गया। फायर कर्मियों ने लकड़ी काटने वाली मशीन की मदद से पेड़ों को छोटे टुकड़ों में काटकर सड़क से हटाया।

उत्तराखंड में पांच दिन बरसेंगे बादल चार जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

दो सितंबर को पूरे प्रदेश में गरज-चमक के साथ भारी बारिश की संभावना

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून

उत्तराखंड में अगले पांच दिनों तक बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने आज देहरादून, बागेश्वर, चमोली और नैनीताल में कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में गरज के साथ आकाशीय बिजली चमकने तथा बारिश के अति तीव्र से अत्यंत तीव्र दौर की संभावना है। टिहरी, पौड़ी, रुद्रप्रयाग, पिथौरागढ़, उत्तरकाशी, चम्पावत, अल्मोड़ा और ऊधम सिंह नगर में कहीं-कहीं भारी बारिश हो सकती है।

मौसम विभाग के अनुसार, आज पौड़ी, उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर, चम्पावत, नैनीताल और हरिद्वार में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। दो सितंबर को प्रदेश के सभी जिलों में गरज-चमक के साथ तीव्र से अति तीव्र बारिश के दौर का अनुमान है। तीन सितंबर को देहरादून, टिहरी, उत्तरकाशी, नैनीताल, चम्पावत और बागेश्वर में कहीं-कहीं भारी बारिश हो सकती है, जबकि चार सितंबर को सभी जिलों में तीव्र से अति तीव्र बारिश की संभावना जताई गई है।

राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र की रिपोर्ट के अनुसार बारिश और अन्य कारणों से प्रदेश में 103 सड़कें बंद हैं। चमोली में सबसे अधिक 23 सड़कें बंद हैं। इसके अलावा अल्मोड़ा में 18, पिथौरागढ़ और रुद्रप्रयाग में 14-14, देहरादून में 11, टिहरी में 10, नैनीताल में नौ, बागेश्वर में छह, चम्पावत में पांच, उत्तरकाशी में चार और पौड़ी में दो सड़कें बंद हैं।

रिपोर्ट के अनुसार राज्य में तीन राष्ट्रीय राजमार्ग, चार राज्य राजमार्ग और दो मुख्य जिला मार्ग भी बंद हैं। तीन बंद राष्ट्रीय राजमार्गों में दो सीमा सड़क संगठन के अधीन हैं।

केन्द्रीय जल आयोग के अनुसार सोमवार सुबह आठ बजे ऋषिकेश में गंगा का जलस्तर 338.75 मीटर दर्ज किया गया, जो 339.50 मीटर के चेतावनी निशान से 0.75 मीटर नीचे है। पिछले 24 घंटे में ऋषिकेश में 73.4 मिमी बारिश दर्ज की गई और नदी का जलस्तर बढ़ रहा था। हरिद्वार में गंगा का जलस्तर 291.92 मीटर रहा, जबकि चेतावनी निशान 293 मीटर है।

भारी बारिश से 103 सड़कें बंद गंगा का जलस्तर भी बढ़ा

राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र की रिपोर्ट के अनुसार बारिश और अन्य कारणों से प्रदेश में 103 सड़कें बंद हैं। चमोली में सबसे अधिक 23 सड़कें बंद हैं। केन्द्रीय जल आयोग के अनुसार सोमवार सुबह आठ बजे ऋषिकेश में गंगा का जलस्तर 338.75 मीटर दर्ज किया गया, जो 339.50 मीटर के चेतावनी निशान से 0.75 मीटर नीचे है। पिछले 24 घंटे में ऋषिकेश में 73.4 मिमी बारिश दर्ज की गई और नदी का जलस्तर बढ़ रहा था।

बाढ़ प्रभावित किसानों को राहत दिलाने के लिए सतपाल महाराज ने दिए निर्देश

अनिल थपलियाल। हरिद्वार में कैबिनेट मंत्री एवं जनपद प्रभारी मंत्री सतपाल महाराज ने सोमवार को लक्सर-पुरकाजी मार्ग स्थित खानपुर के जटा शंकर महादेव मंदिर में आयोजित रुद्राभिषेक कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस दौरान उन्होंने मंदिर में आयोजित भंडारे और प्रसाद वितरण कार्यक्रम में भी हिस्सा लिया। कार्यक्रम के साथ ही मंत्री ने आपदा प्रभावित क्षेत्र के किसानों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। किसानों ने बाढ़ और जलभराव से जुड़ी परेशानियों के बारे में उन्हें जानकारी दी। सतपाल महाराज ने अधिकारियों के साथ बाढ़ नियंत्रण को लेकर विस्तृत चर्चा की और प्रभावित क्षेत्रों में आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से किसानों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित करने को कहा। मंत्री ने बाढ़ की स्थिति पर लगातार निगरानी रखने और राहत एवं बचाव कार्यों में तेजी लाने के निर्देश भी दिए।

उत्तराखंड के पत्रकारों का पांच दिवसीय हैदराबाद प्रेस टूर शुरू

अनिल थपलियाल। पीआईबी देहरादून की ओर से उत्तराखंड के पत्रकारों के लिए पांच दिवसीय हैदराबाद प्रेस टूर आयोजित किया गया है। सोमवार को 15 सदस्यीय मीडिया प्रतिनिधिमंडल हैदराबाद पहुंचा। अध्ययन यात्रा का उद्देश्य पत्रकारों को केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, वैज्ञानिक अनुसंधान, तकनीकी प्रगति और विकास परियोजनाओं का प्रत्यक्ष अनुभव कराना है। इस दौरान पत्रकार भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र, शिल्पारामम, राष्ट्रीय पोषण संस्थान, सालार जंग संग्रहालय और ईएसआईसी अस्पताल सहित विभिन्न प्रमुख संस्थानों का भ्रमण करेंगे। पत्रकार विशेषज्ञों से संवाद कर जमीनी स्तर पर हो रहे कार्यों और नवाचारों की जानकारी प्राप्त करेंगे। पीआईबी के अनुसार, यह यात्रा क्षेत्रीय मीडिया और राष्ट्रीय विकास प्राथमिकताओं के बीच मजबूत सेतु बनाने में सहायक होगी।

श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुरक्षा पुलिस की प्राथमिकता : अग्रवाल

अनिल थपलियाल

ऋषिकेश पुलिस क्षेत्राधिकारी तुषार बोरा ने सोमवार को ऋषिकेश विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल से उनके कैंप कार्यालय में शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान क्षेत्र की कानून-व्यवस्था, यातायात व्यवस्था और आमजन से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। डॉ. अग्रवाल ने ऋषिकेश में यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने और लोगों को सुगम आवागमन उपलब्ध कराने के लिए प्रभावी कदम उठाने पर जोर दिया। उन्होंने एम्स ऋषिकेश के बाहर सड़क किनारे बेतरतीब खड़े वाहनों से उत्पन्न अतिक्रमण और यातायात बाधित होने की समस्या का संज्ञान लेते हुए आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि एम्स में रोज बड़ी संख्या में मरीज और तीमारदार पहुंचते हैं, इसलिए आसपास यातायात व्यवस्था व्यवस्थित रहना जरूरी है। विधायक ने अव्यवस्थित पार्किंग पर कार्रवाई के साथ क्षेत्र में कानून-व्यवस्था मजबूत करने की बात कही। आस्था पथ पर अश्लील गतिविधियों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए नियमित निगरानी और कार्रवाई के निर्देश दिए।

दून में यामाहा का नया वितरण केंद्र शुरू

अनिल थपलियाल

इंडिया यामाहा मोटर प्राइवेट लिमिटेड ने देहरादून के लाल टप्पर में अपनी नई अधिकृत पार्ट्स डिस्ट्रीब्यूटरशिप अनामिका एंटरप्राइजेज का उद्घाटन किया। इस केंद्र का उद्देश्य उत्तराखंड के सभी 13 जिलों में यामाहा के जेनुइन पार्ट्स, यामालूब और एक्सेसरीज की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करना है। कंपनी के अनुसार नए केंद्र से खुदरा विक्रेताओं और निजी कार्यशालाओं तक सामान की आपूर्ति तेज और आसान होगी। बेहतर कनेक्टिविटी और मजबूत लॉजिस्टिक्स व्यवस्था के कारण वितरण चक्र और स्टॉक प्रबंधन में भी सुधार आएगा। उद्घाटन समारोह में यामाहा के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ अनामिका एंटरप्राइजेज के प्रबंधन से विवेक जैन मौजूद रहे। कंपनी ने बताया कि इस केंद्र के जुड़ने से उसका पार्ट्स वितरण नेटवर्क देशभर में 17 हजार से अधिक खुदरा विक्रेताओं तक पहुंच गया है।

इलेक्ट्रिक बस कर्मचारियों के समर्थन में यूकेडी का संघर्ष जारी

अनिल थपलियाल

देहरादून में स्मार्ट सिटी के तहत संचालित इलेक्ट्रिक बसों के चालकों और कर्मचारियों की दूसरे दिन भी हड़ताल जारी रही। कर्मचारियों के आंदोलन को उत्तराखंड क्रांति दल ने समर्थन देते हुए प्रदर्शन किया। दल के पदाधिकारियों ने कर्मचारियों की मांगों को जायज बताते हुए उनके समाधान की मांग की। कर्मचारियों का आरोप है कि उन्हें बिना उचित कारण नौकरी से हटाया जा रहा है, मनमाने तरीके से जुर्माना लगाया जा रहा है और मानसिक व आर्थिक दबाव बनाया जा रहा है।

◆ टर्मिनेशन और मनमानी पेनल्टी के विरोध में कर्मचारी हड़ताल पर उक्रांद ने दिया समर्थन

उत्तराखंड क्रांति दल के केंद्रीय महामंत्री राजेंद्र बिष्ट ने कहा कि कर्मचारियों के अधिकारों का हनन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि टर्मिनेट कर्मचारियों को तत्काल बहाल करने और उनकी सभी जायज मांगों का समाधान होने तक दल संघर्ष जारी रखेगा। महानगर अध्यक्ष प्रबीन चंद रमोला ने कहा कि दो दिनों से बसों का संचालन प्रभावित होने से आम यात्रियों को परेशानी हो रही है, लेकिन प्रशासन की ओर से प्रभावी पहल नहीं की गई।

कर्मचारियों ने निर्धारित वर्दी नहीं मिलने और डिपो में स्वच्छ पेयजल, बैठने की जगह तथा साफ शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाओं के अभाव का आरोप लगाया है। उक्रांद ने कंपनी की कार्यप्रणाली की निष्पक्ष जांच और कर्मचारियों से तत्काल वार्ता की मांग की है।

जनता मिलन में 42 शिकायतें मिलीं डीएम ने निस्तारण के लिए निर्देश

अनिल थपलियाल

नई टिहरी में सोमवार को जिलाधिकारी नितिका खंडेलवाल की अध्यक्षता में जनता मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे लोगों ने पुनर्वास, प्रतिकर, सड़क निर्माण, आपदा, पेंशन, पेयजल, विद्युत, आवास और आर्थिक सहायता समेत विभिन्न समस्याओं से संबंधित 42 शिकायतें एवं मांग पत्र प्रस्तुत किए। जिलाधिकारी ने अधिकांश मामलों का मौके पर ही संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

इस दौरान सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज शिकायतों की भी विभागवार समीक्षा की गई। डीएम ने लंबे समय से लंबित मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करने और शिकायतकर्ताओं को समयबद्ध एवं संतोषजनक समाधान उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिकायत निस्तारण केवल औपचारिकता तक सीमित नहीं रहना चाहिए।

◆ सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों पर डीएम ने अधिकारियों को चेताया

पाली गांव की अंजना देवी ने निर्माणाधीन पर्यटन सड़क से घर की छत क्षतिग्रस्त होने की शिकायत की, जिस पर मौके का निरीक्षण और जल निकासी व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए। वहीं श्रमिक कार्ड के नाम पर धनराशि वसूली की शिकायत पर श्रम विभाग को जांच के आदेश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि जनता की समस्याओं का प्रभावी समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

खड़गे की रैली के बाद मंच शुद्धिकरण पर कांग्रेस का जोरदार प्रदर्शन

जातिगत भेदभाव के आरोपों पर कांग्रेस ने आंदोलन तेज करने की चेतावनी।

अनिल थपलियाल

हरिद्वार में कांग्रेस ने राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की रैली के बाद मंच के कथित शुद्धिकरण को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए हरिद्वार कोतवाली पहुंचकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट समेत संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की और पुलिस को तहरीर दी।

◆ खड़गे प्रकरण को कांग्रेस ने संविधान और सामाजिक समानता से जोड़ा

महानगर कांग्रेस अध्यक्ष अमन गर्ग ने आरोप लगाया कि यदि मंच का शुद्धिकरण जातिगत मानसिकता के कारण किया गया है तो यह केवल खड़गे का अपमान नहीं बल्कि संविधान, सामाजिक समानता और दलित समाज के सम्मान पर भी चोट है। कांग्रेस नेताओं ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कानून-के अनुसार कार्रवाई की मांग की।

उन्होंने कहा कि देश संविधान और समानता के सिद्धांतों से चलेगा, जातिगत भेदभाव से नहीं। कांग्रेस नेताओं ने भाजपा से सवाल किया कि वरिष्ठ दलित नेता की मौजूदगी के बाद मंच के शुद्धिकरण की जरूरत क्यों महसूस हुई। कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि मामले में निष्पक्ष कार्रवाई नहीं हुई तो पार्टी लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन को और तेज करेगी। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एकलव्य विद्यालयों के विद्यार्थियों ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से की भेंट

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून

देहरादून के एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय चकराता, मेहरावना एवं कालसी के छात्र-छात्राओं को नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन के भ्रमण का अवसर प्राप्त हुआ। तीन दिवसीय इस विशेष शैक्षणिक भ्रमण में प्रत्येक विद्यालय से पांच-पांच छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

जिला जनजाति कल्याण अधिकारी, देहरादून ने सोमवार को बताया 28 से 30 अगस्त तक आयोजित भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को भारत के राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु से भेंट की। राष्ट्रपति से हुई यह आत्मीय एवं प्रेरणादायी भेंट विद्यार्थियों के लिए जीवनभर स्मरणीय अनुभव बन गई। राष्ट्रपति से संवाद ने विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, नई ऊर्जा और देश के प्रति समर्पण की भावना को और प्रबल किया।

द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात करते विद्यार्थी।

भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने नई दिल्ली के विभिन्न ऐतिहासिक, शैक्षणिक एवं ज्ञानवर्धक स्थलों का भी अवलोकन किया। इस शैक्षणिक यात्रा के माध्यम से विद्यार्थियों को कक्षा-कक्ष एवं पाठ्यपुस्तकों से परे प्रत्यक्ष अनुभव के माध्यम से देश के इतिहास, संस्कृति, लोकतांत्रिक व्यवस्था एवं राष्ट्रीय विरासत को समझने का अवसर मिला। जिला जनजाति कल्याण अधिकारी, देहरादून ने बताया कि इस प्रकार के शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, व्यक्तित्व निर्माण एवं राष्ट्रीय चेतना के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

दून पुस्तकालय में फूलों की घाटी के मिथक और यथार्थ पर हुआ सार्थक विमर्श

अनिल थपलियाल

देहरादून में दून पुस्तकालय एवं शोध केंद्र की ओर से सोमवार को 'फूलों की घाटी : मिथक और यथार्थ' विषय पर विशेष सचित्र व्याख्यान, स्लाइड-शो और वृत्तचित्र प्रस्तुति आयोजित की गई। कार्यक्रम में चर्चित छायाकार एवं घुमक्कड़ चंद्रशेखर चौहान ने अपने वर्षों के यात्रा अनुभवों और दुर्लभ छायाचित्रों के माध्यम से चमोली स्थित फूलों की घाटी राष्ट्रीय उद्यान के प्राकृतिक सौंदर्य, जैव-विविधता, भौगोलिक विशेषताओं और पर्यावरणीय चुनौतियों को सामने रखा।

उन्होंने कहा कि फूलों की घाटी को केवल रंग-बिरंगे फूलों से सजी सुंदर घाटी के रूप में देखना पर्याप्त नहीं है। यह एक संवेदनशील हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र है, जहां मौसम, ऊंचाई, भू-आकृति, जलधाराओं और वनस्पतियों का आपसी संबंध इसके स्वरूप को लगातार बदलता रहता है। प्रस्तुति में विभिन्न मौसमों के दौरान लिए गए घाटी के दुर्लभ चित्र दिखाए गए।

भ्यूंडार घाटी में स्थानीय समुदाय की भागीदारी से चल रहे पर्यावरण संरक्षण प्रयासों पर भी चर्चा हुई। वक्ताओं ने पर्यटन और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन की आवश्यकता बताई। करीब 12 मिनट की वृत्तचित्र प्रस्तुति के बाद प्रश्नोत्तर सत्र हुआ। इसमें जैव-विविधता, पर्यटन के प्रभाव, स्थानीय समुदाय की भूमिका और संरक्षण से जुड़े विषयों पर चर्चा की गई।

मंडुवे-झंगोरे के स्वाद ने बदली छह महिलाओं की जिंदगी

भारतेंदु संवाददाता, उदित नैनवाल। अगस्त्यमुनि की सुमतिसुधा स्वयं सहायता समूह की छह महिलाओं ने पारंपरिक पहाड़ी व्यंजनों को स्वरोजगार का जरिया बनाकर मिसाल कायम की है। वर्ष 2022 से संचालित सरस रेस्टोरेंट में मंडुवा, झंगोरा और पहाड़ी दालों से तैयार स्वादिष्ट व्यंजन लोगों को खूब पसंद आ रहे हैं। रेस्टोरेंट से समूह को सालाना करीब 12 से 13 लाख रुपये की आमदनी हो रही है, जिससे छह परिवारों की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से मिले सहयोग और मार्गदर्शन ने महिलाओं को अपने हुनर को व्यवसाय में बदलने में मदद की। समूह की सफलता क्षेत्र की अन्य ग्रामीण महिलाओं को भी आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित कर रही है।

स्वच्छता | जनभागीदारी से बनेगा स्वच्छ हरिद्वार, प्रतिबंधित प्लास्टिक पर कार्रवाई तय

हाईकोर्ट के आदेश पर हरिद्वार में सफाई अभियान तेज

भारतेंदु संवाददाता, हरिद्वार

उच्च न्यायालय के आदेशों के अनुपालन में हरिद्वार को साफ, स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए जिला प्रशासन ने व्यापक अभियान शुरू करने के निर्देश दिए हैं। सोमवार को जिला कार्यालय सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाने और उसकी लगातार मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि हरिद्वार विश्व प्रसिद्ध धार्मिक एवं पर्यटन नगरी है। ऐसे में यहां स्वच्छता व्यवस्था को लेकर किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। नगर निगम, नगर पालिकाओं, नगर पंचायतों, जिला पंचायत, ग्राम पंचायतों और खंड विकास अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित सफाई अभियान चलाने के साथ उसकी प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करनी होगी।

जिलाधिकारी ने पर्यावरण संरक्षण को लेकर सिंगल यूज प्लास्टिक के निर्माण, भंडारण, बिक्री और उपयोग पर विशेष निगरानी के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यदि कोई दुकानदार, व्यापारी, प्रतिष्ठान या अन्य व्यक्ति प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग करता हुआ पाया जाता है तो उसके खिलाफ तत्काल चालानी कार्रवाई की जाए। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि प्लास्टिक के दुष्प्रभावों को लेकर आमजन को जागरूक किया जाए और कपड़े, जूट समेत अन्य पर्यावरण अनुकूल विकल्पों के इस्तेमाल को बढ़ावा दिया जाए।

जनभागीदारी से बनेगा स्वच्छ हरिद्वार डीएम ने स्वच्छता अभियान को जनअभियान बनाने पर जोर देते हुए स्वयंसेवी संस्थाओं, व्यापारिक प्रतिष्ठानों, औद्योगिक इकाइयों, धार्मिक संस्थाओं, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि 'स्वच्छ हरिद्वार और प्लास्टिक मुक्त हरिद्वार' अभियान को पूरी गंभीरता से चलाया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी।

बैठक में जिलाधिकारी ने सभी जिलास्तरीय अधिकारियों को अपने अधीन कार्यालयों में संचालित शौचालयों की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। कार्यालय अध्यक्षों को शौचालयों की स्वच्छता की नियमित मॉनिटरिंग करनी होगी।

कई अधिकारी मौजूद रहे

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डॉ. ललित नारायण मिश्र, जिला विकास अधिकारी कमलेश कुमार पंत, मुख्य शिक्षा अधिकारी अमित कुमार चन्द, जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी महिमानंद जोशी, जिला पर्यटन अधिकारी सुशील नौटियाल, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी मीरा रावत, डीपीआरओ मुस्तफा खां, उप नगर आयुक्त दीपक गोस्वामी समेत संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

नशे के खिलाफ अभियान में बठिंडा प्रशासन की कार्रवाई, अवैध इमारत पर चला बुलडोजर

भारतेन्दु संवाददाता, बठिंडा

नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के बीच बठिंडा प्रशासन ने कथित अवैध निर्माण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। सिविल लाइन थाना क्षेत्र की धौबियाणा बस्ती में जसप्रीत कौर पत्नी इंद्रजीत सिंह की ओर से बनाई गई इमारत को सोमवार को बुलडोजर की मदद से ध्वस्त कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान मौके पर भारी पुलिस बल तैनात रहा।

प्रशासन के अनुसार, संबंधित व्यक्ति को निर्माण को लेकर कई बार नोटिस जारी किए गए थे। नोटिस के माध्यम से कब्जा हटाकर जगह खाली करने के निर्देश दिए गए, लेकिन इसके बावजूद जगह खाली नहीं की गई। इसके बाद सक्षम प्राधिकारी एवं उपायुक्त-सह-मजिस्ट्रेट के निर्देश पर प्रशासनिक टीम पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची और निर्माण को गिरा दिया।

नशे के खिलाफ अभियान के तहत कार्रवाई : प्रशासन ने बताया कि पंजाब सरकार के नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत नशा कारोबार से जुड़े लोगों के कथित अवैध कब्जों और निर्माणों पर भी कार्रवाई की जा रही है। इसी अभियान के तहत जिले में अब तक 19 अवैध रूप से निर्मित इमारतों को ध्वस्त किए जाने का दावा किया गया है। प्रशासन का कहना है कि अभियान के तहत आगे भी नियमों के अनुसार कार्रवाई जारी रहेगी।

17 महीने में 3177 मुकदमे, 4487 आरोपित गिरफ्तार : बठिंडा पुलिस ने नशे के खिलाफ अपनी कार्रवाई के आंकड़े भी जारी किए हैं। पुलिस के अनुसार, एक मार्च 2025 से अब तक नशे से संबंधित मामलों में 3177 मुकदमे दर्ज किए गए हैं। इन मामलों में 4487 आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें 113 कथित बड़े नशा तस्कर भी शामिल हैं।

पुलिस के मुताबिक, वर्ष 2023 से अब तक नशा तस्करी से जुड़े मामलों में 92 आरोपितों की करीब 14 करोड़ 89 लाख रुपये की संपत्ति फ्रीज करवाई जा चुकी है।

पंजाब मुख्यमंत्री आवास और सचिवालय को बम से उड़ाने की धमकी

ई-मेल से मिली बम धमकी के बाद चंडीगढ़ में पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह अलर्ट

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब एवं हरियाणा सिविल सचिवालय, पंजाब के मुख्यमंत्री आवास और पंजाब विधानसभा को बम धमाके से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद सोमवार को चंडीगढ़ पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। धमकी ई-मेल के माध्यम से दी गई, जिसकी सूचना पुलिस कंट्रोल रूम को मिलते ही संबंधित विभागों को अलर्ट कर दिया गया। इसके बाद सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करते हुए विभिन्न टीमों को मौके पर भेजा गया।

सूचना मिलते ही पुलिस की टीमों ने संबंधित स्थानों पर पहुंचकर सुरक्षा जांच शुरू कर दी। बम निरोधक दस्ता, ऑपरेशन सेल, अग्निशमन विभाग, चिकित्सा प्रथम प्रतिक्रिया दल, एंबुलेंस और नागरिक सुरक्षा की टीमें भी मौके पर पहुंचीं। अधिकारियों ने सभी संभावित स्थानों की जांच की और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया।

ई-मेल के जरिए भेजी गई धमकी : पुलिस के अनुसार, धमकी से संबंधित सूचना पुलिस कंट्रोल रूम को मिली थी। इसके बाद मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई शुरू की गई। पुलिस ई-मेल भेजने वाले व्यक्ति का पता लगाने और धमकी के स्रोत की जांच में जुटी है। इसके लिए तकनीकी विशेषज्ञों की मदद ली जा रही है।

मामले में सेक्टर-3 थाना पुलिस भी जांच कर रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि ई-मेल कहां से भेजा गया और इसके पीछे किसका हाथ है। धमकी में बताए गए स्थानों की सुरक्षा जांच भी की जा रही है।

बम निरोधक दस्ते ने शुरू की जांच : धमकी मिलने के बाद बम निरोधक दस्ते ने सचिवालय, मुख्यमंत्री आवास और विधानसभा परिसर समेत संबंधित क्षेत्रों की गहन जांच की। अग्निशमन विभाग और एंबुलेंस को भी मौके पर तैनात रखा गया, ताकि किसी भी आपात स्थिति से तुरंत निपटा जा सके। नागरिक सुरक्षा और चिकित्सा टीमों को भी तैयार रखा गया।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि धमकी की सूचना को गंभीरता से लेते हुए सभी जरूरी सुरक्षा उपाय किए गए हैं। किसी भी संभावित खतरे को देखते हुए संबंधित स्थानों पर अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है।

धमकी की सत्यता की जांच जारी : फिलहाल पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि ई-मेल में दी गई धमकी वास्तविक है या किसी ने दहशत फैलाने के उद्देश्य से इसे भेजा है।

मोहाली पीसीए स्टेडियम को भी मिली बम धमकी

मोहाली स्थित पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) स्टेडियम को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं। पंजाब एवं हरियाणा सिविल सचिवालय, पंजाब के मुख्यमंत्री आवास और पंजाब विधानसभा को धमकी देने वाले ई-मेल में पीसीए स्टेडियम को भी निशाना बनाया गया है। धमकी भरे ई-मेल में 13 सितंबर तक स्टेडियम में कोई क्रिकेट मैच देखने नहीं जाने की चेतावनी दी गई है। संदेश में स्टेडियम में बैटरी बम के इस्तेमाल की धमकी दी गई। ई-मेल सामने आने के बाद स्टेडियम की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों की टीमें स्टेडियम परिसर में पहुंचीं और जांच शुरू की। बम निरोधक दस्ते और खोजी कुत्तों की मदद से स्टेडियम के अंदर और आसपास के क्षेत्रों की गहन तलाशी ली जा रही है। सुरक्षा के मद्देनजर आने-जाने वाले लोगों और परिसर में मौजूद गतिविधियों पर भी निगरानी बढ़ा दी गई है।

न्यूज ब्रीफ

मोहाली में भी सस्ता हुआ सोना, पांच दिनों में 7800 रुपए तक गिरा भाव

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़ । सोने की कीमतों में लगातार गिरावट का दौर जारी है। चंडीगढ़ में पिछले पांच कारोबारी दिनों के दौरान 24 कैरेट सोने के भाव में 7,800 रुपये की कमी दर्ज की गई है। 25 अगस्त को 24 कैरेट सोने की कीमत 1,66,800 रुपये थी, जो 31 अगस्त को घटकर 1,59,000 रुपये रह गई। सोने की कीमतों में आई इस गिरावट से खरीदारों को कुछ राहत मिली है। ज्वेलर राजीव सहदेव के अनुसार, 22 कैरेट सोने के भाव में भी बड़ी गिरावट दर्ज की गई। 25 अगस्त को 22 कैरेट सोना 1,53,400 रुपये प्रति निर्धारित इकाई के भाव पर था, जो 31 अगस्त को घटकर 1,46,200 रुपये रह गया। इस तरह इसकी कीमत में 7,200 रुपये की कमी आई है। इसी अवधि में 18 कैरेट सोने का भाव 1,27,200 रुपये से घटकर 1,21,200 रुपये हो गया। यानी 18 कैरेट सोने में भी 6,000 रुपये की गिरावट दर्ज की गई। वहीं 14 कैरेट सोने की कीमत 25 अगस्त को 1,00,400 रुपये थी, जो 31 अगस्त को घटकर 95,700 रुपये रह गई। इसमें 4,700 रुपये की कमी आई है।

ऑनलाइन ऑर्डर रद्द करना पड़ा महंगा, खाते से 22 लाख रुपए हुए गायब

भारतेन्दु संवाददाता, मोगा । गांव चड़िक निवासी एक परिवार को ऑनलाइन लेडीज सूट का ऑर्डर रद्द करना महंगा पड़ गया। ऑर्डर रद्द करने के बाद कथित तौर पर फोन हैक कर खाते से 22 लाख 21 हजार 931 रुपये अलग-अलग खातों में ट्रांसफर कर दिए गए। पीड़ित परिवार ने मामले की शिकायत थाना साइबर क्राइम मोगा में दर्ज करवाई। शिकायतकर्ता मोहम्मद अब्दुल ने बताया कि वह दुकानदारी करता है। गत 14 अप्रैल 2026 को उसकी बेटी सायन खातून ने ऑनलाइन लेडीज सूट का ऑर्डर किया था। बाद में ऑर्डर रद्द करवाने के दौरान उसका फोन कथित तौर पर हैक हो गया। इसके बाद बैंक खाते से बड़ी रकम अलग-अलग खातों में चली गई। मामले की जांच कर रही सहायक थानेदार राजविन्द्र कौर ने बताया कि जांच के बाद मोहम्मद अब्दुल की शिकायत पर मरियाज, निजामुद्दीन, रिंकू मीना निवासी साडोली सदर, अलवर और नराइंदिर निवासी गांव कियारा खरीथल, अलवर के खिलाफ धोखाधड़ी, मिलीभगत और अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार आरोपितों को पकड़ने के लिए उनके संभावित ठिकानों पर छापामारी की जा रही है। जांच के दौरान यदि किसी अन्य व्यक्ति की संलिप्तता सामने आती है तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

जीएसटी बकाया न चुकाने पर फर्म मालिक के खिलाफ मामला दर्ज

भारतेन्दु संवाददाता, लुधियाना । सरकारी राजस्व को नुकसान पहुंचाने और जीएसटी की बड़ी राशि जमा न करने के मामले में पुलिस ने फर्म मालिक के खिलाफ केस दर्ज किया है। सहायक कमिश्नर स्टेट टैक्स, लुधियाना की शिकायत के आधार पर यह कार्रवाई की गई। आरोप है कि वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान फर्म ने जीएसटी की बकाया राशि सरकारी खजाने में जमा नहीं करवाई। पुलिस के अनुसार आरोपी प्रोपराइटरशिप फर्म मैसर्स पंजाब इंडस्ट्रीज के माध्यम से कारोबार करता था। विभाग की ओर से बार-बार राशि जमा करवाने के लिए तकाजा किए जाने के बावजूद बकाया कर का भुगतान नहीं किया गया। विभाग के मुताबिक कुल 1,00,38,116 रुपये की राशि बकाया है।

इंस्टाग्राम विवाद के बाद दड़वा में थार से तीन युवकों को कुचला, एक की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। गांव दड़वा में शनिवार देर रात करीब साढ़े 12 बजे पुरानी रंजिश के चलते तेज रफ्तार थार से तीन युवकों को कुचलने का मामला सामने आया है। घटना में इंदिरा कालोनी निवासी पवन की मौत हो गई, जबकि उसके साथी सूरज और एक अन्य युवक घायल हो गए। पुलिस के अनुसार तीनों युवक होटल रायल प्लाजा के बाहर खड़े थे। इसी दौरान तेज रफ्तार थार उनकी तरफ आई और उन्हें टक्कर मार दी। तीनों को सेक्टर-16 अस्पताल पहुंचाया गया, जहां पवन को मृत घोषित कर दिया गया। परिवार और दोस्तों ने इसे हादसा नहीं बल्कि जानबूझकर किया गया हमला बताया।

लंबित डीए और पुरानी पेंशन को लेकर वड़िंग ने कर्मचारियों के समर्थन में उठाई आवाज

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने लंबित महंगाई भत्ते (डीए) के बकाये और पुरानी पेंशन योजना की बहाली की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे सरकारी कर्मचारियों का समर्थन किया है। अपने लाइव संवाद कार्यक्रम 'वड़िंग विद वॉरियर्स' के चौथे सत्र में उन्होंने कहा कि कांग्रेस और उसके कार्यकर्ता कर्मचारियों को न्याय मिलने तक उनके साथ मजबूती से खड़े रहेंगे।

वड़िंग ने कहा कि कर्मचारी सरकार से किसी विशेष रियायत की मांग नहीं कर रहे, बल्कि अपने अधिकार मांग रहे हैं। उन्होंने कहा, 'जो लड़ते हैं, वही जीतते हैं।' उन्होंने पंजाब सरकार पर कर्मचारियों से किए गए वादों से पीछे हटने का आरोप लगाते हुए पुरानी पेंशन योजना को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने पूछा कि यदि सरकार की इसे लागू करने की मंशा नहीं थी तो इसकी अधिसूचना क्यों जारी की गई।

कांग्रेस अध्यक्ष ने सरकार को कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करने को लेकर कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को कार्रवाई की धमकी देकर डराने का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन सरकार को ऐसा कदम उठाने से पहले सोच लेना चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री को चुनौती देते हुए कहा कि यदि सरकार में हिम्मत है तो कर्मचारियों पर कार्रवाई करके देखे। उन्होंने दावा किया कि ऐसी स्थिति में सरकार छह महीने पहले ही चली जाएगी। वड़िंग ने कहा कि 2022 में इन्हीं कर्मचारियों ने आम आदमी पार्टी को सत्ता में लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

वित्तीय प्राथमिकताओं पर उठाए सवाल : वड़िंग ने सरकार की वित्तीय प्राथमिकताओं पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के करीब 14 हजार करोड़ रुपये के बकाये और विभिन्न लाभों का भुगतान नहीं किया जा रहा, जबकि सरकार कर्ज ले रही है।

नूरपुरबेदी में डिवाइडर बने जानलेवा, सुरक्षा इंतजामों की कमी से बढ़ा हादसों का खतरा

भारतेन्दु संवाददाता, नूरपुरबेदी

सड़क सुरक्षा को बेहतर बनाने के उद्देश्य से नूरपुरबेदी कस्बे और बैंस में मुख्य मार्ग पर बनाए गए डिवाइडर अब लोगों के लिए चिंता का कारण बनते जा रहे हैं। डिवाइडरों पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था न होने और रात में दूर से दिखाई देने वाली चमकीली पट्टी, संकेतक तथा अन्य सुरक्षा उपकरणों की कमी के कारण वाहन चालकों को परेशानी हो रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, पिछले कुछ महीनों में कई वाहन डिवाइडरों से टकरा चुके हैं और कई लोग घायल हुए हैं।

नूरपुरबेदी से गुजरने वाला मुख्य मार्ग आसपास के कई गांवों और शहरों को जोड़ता है। इस मार्ग पर दिन-रात वाहनों की आवाजाही रहती है। रात के समय कम दृश्यता में डिवाइडर स्पष्ट नजर नहीं आते, जिससे बाहरी क्षेत्रों से आने वाले वाहन चालक कई बार उनका सही अनुमान नहीं लगा पाते।

लोगों का कहना है कि समय रहते सुरक्षा इंतजाम नहीं किए गए तो बड़ा हादसा हो सकता है।

चौराहों से ब्लिंकिंग लाइटें गायब : तख्तगढ़ और नूरपुरबेदी शहर में डिवाइडरों के चौराहों पर लगी ब्लिंकिंग लाइटें लंबे समय से खराब या गायब हैं। कई लाइटें हादसों में टूट चुकी हैं, जबकि कुछ सौर ऊर्जा वाली लाइटें चोरी होने की बात कही जा रही है। इसके बावजूद इन्हें दोबारा स्थापित नहीं किया गया है।

भाजपा नेता इशूपाल चौधरी ने कहा कि डिवाइडर बनाते समय सुरक्षा मानकों का ध्यान नहीं रखा गया। उन्होंने कहा कि डिवाइडरों पर परावर्तक, चमकीली पट्टी, कैट आई और चेतावनी संकेत जरूरी हैं, लेकिन कई स्थानों पर इनका अभाव है।

घास और संकेतकों की भी समस्या : डिवाइडरों के दोनों तरफ जगह-जगह लंबी घास उग आई है, जिससे वाहन चालकों को सड़क की स्थिति समझने में परेशानी होती है। धुंध के दौरान रास्ता दिखाने वाले संकेतक भी कई स्थानों से गायब हैं।

किसानों के धरने से चंडीगढ़ में यातायात प्रभावित, कई मार्गों पर रूट डायवर्जन लागू

चंडीगढ़ में सात दिन किसानों का धरना, ट्रैक्टर-ट्रालियों से बदले कई मार्ग, प्रशासन अलर्ट

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) की ओर से चंडीगढ़ में 1 से 7 सितंबर तक प्रस्तावित सात दिवसीय धरने को लेकर प्रशासन ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। किसानों के बड़ी संख्या में ट्रैक्टर-ट्रालियों के साथ चंडीगढ़ पहुंचने की संभावना को देखते हुए चंडीगढ़ और मोहाली में यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे धरने के दौरान प्रभावित मार्गों से बचें और वैकल्पिक रास्तों का इस्तेमाल करें।

धरने को लेकर सोमवार से ही विशेष यातायात व्यवस्था लागू कर दी गई है। फैयदां बैरियर से चंडीगढ़ की ओर आने वाले पूर्व मार्ग के हिस्से पर वाहनों का रूट बदला गया है। इसके अलावा सेक्टर-48 लाइट प्वाइंट से सेक्टर-48 और 49 की आंतरिक सड़क तथा सेक्टर-49/50 से चंडीगढ़ की ओर जाने वाले मार्ग पर भी आवाजाही प्रतिबंधित की गई है। पुलिस ने वाहन चालकों को यातायात संबंधी ताजा जानकारी पर नजर रखने की सलाह दी है।

सेक्टर-48 और 49 में किसानों के लिए व्यवस्था : किसान नेता परमदीप बैदवान के अनुसार चंडीगढ़ प्रशासन ने एसकेएम के धरने के लिए सेक्टर-48 और 49 में जगह उपलब्ध कराई है। मोहाली प्रशासन की ओर से बेस्टेक माल तक सड़क की एक तरफ और फेज-11 से आने वाले मार्ग की एक तरफ ट्रैक्टर-ट्रालियां खड़ी करने के लिए उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया गया है। किसान संगठनों ने भी धरने के दौरान यातायात व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन को सहयोग देने की बात कही है।

सैकड़ों ट्रैक्टर-ट्रालियां पहुंचेंगी : भारतीय किसान यूनियन राजेवाल के जिला प्रधान कृपाल सिंह सियाऊ ने बताया कि मोहाली जिले से सैकड़ों ट्रैक्टर-ट्रालियां किसानों के धरने में शामिल होंगी। किसानों के लिए लंगर की व्यवस्था भी की जा रही है। धरने के दौरान पानी, शौचालय, सफाई, पार्किंग और परिवहन जैसी मूलभूत सुविधाओं को लेकर प्रशासन और किसान संगठनों के बीच बैठक हो चुकी है।

कर्जमाफी और एमएसपी समेत कई मांगें : एसकेएम की प्रमुख मांगों में नदी जल विवाद को रिपेरियन सिद्धांत के आधार पर हल करना और पुनर्गठन अधिनियम 1966 की धारा 78, 79 और 80 को खत्म करना शामिल है। किसान संगठनों ने किसानों और खेत मजदूरों का पूर्ण कर्ज माफ करने तथा अमेरिका के साथ प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते का विरोध करने की मांग भी उठाई है।

तलवंडी भाई में खुले मीटर बॉक्स बने जानलेवा, बारिश में करंट फैलने का खतरा

भारतेन्दु संवाददाता, तलवंडी भाई । बिजली चोरी रोकने के लिए पंजाब स्टेट पावर कॉर्पोरेशन की ओर से वर्षों पहले उपभोक्ताओं के घरों और दुकानों के अंदर लगे बिजली मीटर बाहर निकालकर सार्वजनिक स्थानों पर मीटर बॉक्स लगाए गए थे। इसका उद्देश्य मीटर से सीधे कुंडी लगाकर बिजली चोरी करने की घटनाओं पर रोक लगाना था। हालांकि, मीटरों को बाहर लगाने के बाद उनकी सुरक्षा और रखरखाव को लेकर बरती गई कथित लापरवाही अब लोगों के लिए परेशानी और खतरे का कारण बन रही है।

◆ खुले मीटर बॉक्स से हादसों का खतरा, लोगों ने गहरे अर्थिंग और सुरक्षा व्यवस्था की उठाई मांग

तलवंडी भाई समेत आसपास के गांवों और कस्बों में गलियों के मोड़ पर 10, 20 और 30 मीटर क्षमता वाले बड़े बॉक्स लगाए गए हैं। वहीं, कम घरों वाले क्षेत्रों में बिजली के खंभों पर चार-चार मीटर वाले छोटे बॉक्स भी लगाए गए हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कई जगह ये मीटर बॉक्स खुले पड़े रहते हैं और उनकी उचित देखरेख नहीं की जा रही है।

लोगों के अनुसार, मीटरों को बाहर निकालने का काम ठेके पर करवाया गया था। आरोप है कि उस समय काम करने वाले कर्मचारियों या श्रमिकों ने बिजली के झटके से बचाव के लिए आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था पूरी नहीं की। विशेष रूप से मीटर बॉक्स को गहरे अर्थिंग सिस्टम से जोड़ने की प्रक्रिया कई स्थानों पर सही तरीके से नहीं की गई। इसके कारण बारिश के दौरान इन बॉक्सों और आसपास के तारों में स्पार्किंग होने तथा करंट फैलने का खतरा बढ़ जाता है।

पीयू छात्र चुनाव में मतदान को लेकर छात्रों का हंगामा

लॉ विभाग में समय से पहले मतदान बंद होने के आरोप पर छात्रों ने किया जोरदार प्रदर्शन

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब विश्वविद्यालय (पीयू) और उससे जुड़े शहर के आठ कॉलेजों में सोमवार को छात्र परिषद चुनाव के लिए मतदान हुआ। मतदान सुबह साढ़े नौ बजे से दोपहर 12 बजे तक निर्धारित था। बड़ी संख्या में छात्रों ने उत्साह के साथ मतदान में हिस्सा लिया। मतदान के बाद विभिन्न कॉलेजों में मतगणना शुरू हुई और दोपहर बाद परिणाम सामने आने लगे। सेक्टर-26 स्थित खालसा कॉलेज में कॉलेज स्टूडेंट फ्रंट (सीएसएफ) के नवजोत सिंह अध्यक्ष चुने गए, जबकि सेक्टर-32 स्थित एसडी कॉलेज में अभिराज सिंह ने अध्यक्ष पद पर जीत दर्ज की। एसडी कॉलेज में एसडीसीयू ने पूरे पैनल पर कब्जा जमाया।

मतदान के दौरान पीयू और कॉलेज परिसरों में सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए थे। प्रत्याशी और उनके समर्थक मतदाताओं को अपने पक्ष में मतदान के लिए जुटे रहे।

हालांकि, पीयू के लॉ विभाग के बाहर मतदान के समय को लेकर विवाद खड़ा हो गया। छात्रों ने आरोप लगाया कि मतदान का समय सुबह 11 बजे तक था, लेकिन विभाग का गेट करीब एक घंटा पहले ही सुबह 10 बजे बंद कर दिया गया। इससे कई विद्यार्थी मतदान करने से वंचित रह गए।

छात्रों का कहना था कि कई विद्यार्थी दूर-दराज के क्षेत्रों से मतदान के लिए पहुंचे थे। रास्ते में जाम के कारण उन्हें देरी हुई और जब वे लॉ विभाग पहुंचे तो गेट बंद मिला। इसको लेकर छात्रों ने मौके पर नारेबाजी कर विरोध जताया। स्थिति उस समय तनावपूर्ण हो गई, जब छात्रों ने लात मारकर लॉ विभाग का दरवाजा खोल दिया। इस दौरान पुलिस के साथ छात्रों की झड़प भी हुई।

पुलिस जब लॉ विभाग से मतपेटियां लेकर जाने लगी तो छात्रों ने उन्हें रोकने का प्रयास किया। छात्रों ने मतदान का समय पूरा होने और सभी विद्यार्थियों को मतदान का अवसर देने की मांग की। मौके पर पहुंचे डीएसडब्ल्यू अधिकारियों ने छात्रों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन छात्र अपनी मांग पर अड़े रहे। बाद में पुलिस की मौजूदगी में मतपेटियां वहां से ले जाई गईं। छात्रों का आरोप था कि उन्हें मतदान के लिए अतिरिक्त समय नहीं दिया गया। इस घटनाक्रम के बाद दोपहर करीब एक बजे से विभिन्न स्थानों पर चुनाव परिणाम आने शुरू हो गए।

सेक्टर-46 कॉलेज में परमिंदर अध्यक्ष : सेक्टर-46 स्थित पोस्ट ग्रेजुएट गवर्नमेंट कॉलेज में छात्र परिषद चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुए। यहां बीए प्रथम वर्ष के करणप्रीत सिंह सचिव चुने गए, जबकि बीए द्वितीय वर्ष के परमिंदर सिंह को निर्विरोध अध्यक्ष घोषित किया गया। कॉलेज प्रशासन के अनुसार चुनाव प्रक्रिया निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से पूरी हुई। छात्रों ने उत्साह के साथ मतदान में हिस्सा लिया।

देव समाज कॉलेज फॉर वूमेन में परनीत कौर की जीत : सेक्टर-45-बी स्थित देव समाज कॉलेज फॉर वूमेन में कुल 40 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। अध्यक्ष पद पर बीए तृतीय वर्ष की परनीत कौर और सचिव पद पर बीकॉम तृतीय वर्ष की आशिका निर्विरोध निर्वाचित हुईं। उपाध्यक्ष पद पर बीकॉम द्वितीय वर्ष की दित्या गुप्ता ने कनिष्का शर्मा को हराकर जीत हासिल की। संयुक्त सचिव पद पर बीकॉम द्वितीय वर्ष की प्रिंसेस ने हरवीर वर्मा को पराजित किया।

चुनाव के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस बल तैनात रहा। पीयू के मुख्य परिसर समेत संबद्ध कॉलेजों में प्रत्याशियों और उनके समर्थकों में खासा उत्साह दिखाई दिया। हालांकि लॉ विभाग में मतदान समय को लेकर हुए विवाद ने छात्र परिषद चुनाव की प्रक्रिया पर सवाल खड़े कर दिए। छात्रों ने मांग की कि पूरे मामले की जांच कर उन विद्यार्थियों को मतदान का अवसर देने पर विचार किया जाए, जो कथित तौर पर समय से पहले गेट बंद होने के कारण वोट नहीं डाल सके।

लुधियाना में बिगड़ी कानून व्यवस्था पर भाजपा का हल्लाबोल, सीपी कार्यालय का घेराव

भारतेन्दु संवाददाता, लुधियाना

महानगर और देहाती क्षेत्रों में लगातार बिगड़ती कानून व्यवस्था, बढ़ती आपराधिक घटनाओं और पुलिस प्रशासन की कथित नाकामी के विरोध में भारतीय जनता पार्टी ने सोमवार को जोरदार प्रदर्शन किया। भाजपा लुधियाना देहाती इकाई के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में एकत्रित होकर पुलिस कमिश्नर कार्यालय पहुंचे और कार्यालय का घेराव करते हुए पंजाब सरकार तथा पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

प्रदर्शन की अगुवाई भाजपा लुधियाना देहाती के जिला प्रधान गगनदीप सिंह सन्नी कैंथ ने की। सुबह से ही विभिन्न मंडलों से भाजपा कार्यकर्ताओं का कमिश्नर कार्यालय के बाहर पहुंचना शुरू हो गया था। कार्यकर्ताओं ने हाथों में पार्टी के झंडे और तख्तियां लेकर बढ़ती आपराधिक घटनाओं पर रोष जताया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि लुधियाना देहाती क्षेत्र में चोरी, डकैती, छीना-झपटी, नशा तस्करी और गुंडागर्दी की घटनाओं में लगातार बढ़ोतरी हो रही है।

पुलिस प्रशासन पर लगाए गंभीर आरोप : प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए गगनदीप सिंह सन्नी कैंथ और अन्य भाजपा नेताओं ने कहा कि आम जनता, व्यापारी और महिलाएं खुद को सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे हैं। भाजपा नेताओं का आरोप है कि पुलिस प्रशासन अपराधों पर प्रभावी ढंग से अंकुश लगाने में विफल रहा है। उन्होंने कहा कि गंभीर आपराधिक मामलों में भी कार्रवाई पर्याप्त नहीं होने के कारण अपराधियों के हौसले बढ़ रहे हैं।

भाजपा नेताओं ने मांग की कि देहाती क्षेत्रों में पुलिस गश्त बढ़ाई जाए और आपराधिक गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि जनता की सुरक्षा सरकार और पुलिस प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए।

सीपी कार्यालय के बाहर भारी पुलिस बल तैनात : भाजपा के प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने पुलिस कमिश्नर कार्यालय के आसपास सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे। कार्यालय के मुख्य मार्गों और प्रवेश द्वारों पर बैरिकेडिंग की गई थी। अतिरिक्त पुलिस बल के साथ महिला पुलिसकर्मियों की भी तैनाती की गई।

जब भाजपा कार्यकर्ताओं ने कार्यालय के अंदर जाने का प्रयास किया तो पुलिस ने उन्हें बैरिकेड्स पर रोक दिया।

लेह-कारगिल में बनेंगे 30 स्मार्ट बस शेल्टर आधुनिक सुविधाओं से यात्रियों को मिलेगी राहत

स्मार्ट बस शेल्टर देंगे सुविधा, सुरक्षा और सौर ऊर्जा आधारित आधुनिक परिवहन का नया अनुभव

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू

लद्दाख में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को आधुनिक, सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। लद्दाख के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने सोमवार को 30 स्मार्ट बस शेल्टर की आधारशिला रखी। इनमें 15 बस शेल्टर लेह और 15 कारगिल में बनाए जाएंगे। इनका उद्देश्य यात्रियों को मौसम की कठिन परिस्थितियों के बीच सुरक्षित और सुविधाजनक प्रतीक्षा स्थल उपलब्ध कराना है।

लद्दाख में सर्दियों के दौरान तापमान काफी नीचे चला जाता है। तेज हवाओं, बर्फबारी और अत्यधिक ठंड के बीच यात्रियों को बसों का इंतजार करना पड़ता है। ऐसे में प्रस्तावित स्मार्ट बस शेल्टर छात्रों, महिलाओं, बुजुर्गों और कामकाजी लोगों के लिए काफी उपयोगी साबित होंगे। इन शेल्टरों को क्षेत्र की भौगोलिक और मौसमी परिस्थितियों को ध्यान में रखकर तैयार किया जाएगा।

आधुनिक सुविधाओं से लैस होंगे शेल्टर : प्रस्तावित स्मार्ट बस शेल्टरों में यात्रियों को बसों से जुड़ी जानकारी उपलब्ध कराने के लिए जीपीएस आधारित यात्री सूचना प्रदर्शन प्रणाली और एलईडी डिस्प्ले लगाए जाएंगे। बसों की आवाजाही की निगरानी के लिए जीपीएस आधारित बस परिचालन व्यवस्था होगी। इसके माध्यम से यात्रियों को बस के पहुंचने के अनुमानित समय की जानकारी मिल सकेगी।

यात्रियों की सुरक्षा के लिए शेल्टरों में सीसीटीवी निगरानी व्यवस्था, आपातकालीन सहायता बटन और प्राथमिक उपचार किट उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अलावा आपात स्थिति से निपटने के लिए ऑक्सीजन सिलेंडर और अग्निशमन उपकरण भी रखे जाएंगे।

> **उपराज्यपाल** विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य लद्दाख की भौगोलिक और मौसमी परिस्थितियों के अनुरूप सुरक्षित, आरामदायक, टिकाऊ और तकनीक आधारित सार्वजनिक परिवहन सुविधाएं विकसित करना है। उन्होंने कहा कि स्मार्ट बस शेल्टर बेहतर आवागमन, सुरक्षा, तकनीक और नागरिक सुविधाओं के प्रतीक बनेंगे।

स्थानीय वास्तुकला की दिखेगी झलक : स्मार्ट बस शेल्टरों के निर्माण में आधुनिक तकनीक के साथ लद्दाख की स्थानीय वास्तुकला और सांस्कृतिक पहचान को भी शामिल किया जाएगा। इस तरह तैयार होने वाले शेल्टर आधुनिक सुविधाओं के साथ क्षेत्र की पारंपरिक पहचान को भी प्रदर्शित करेंगे।

सौर ऊर्जा से होंगे संचालित

इस परियोजना की प्रमुख विशेषता सौर ऊर्जा आधारित व्यवस्था होगी। प्रत्येक स्मार्ट बस शेल्टर में दो किलोवाट क्षमता का सौर ऊर्जा संयंत्र, बैटरी भंडारण और संकर ऊर्जा परिवर्तक लगाया जाएगा। सौर ऊर्जा से यात्री सूचना प्रणाली, वाई-फाई और अन्य आवश्यक सुविधाओं को बिजली उपलब्ध कराई जाएगी। इससे पारंपरिक बिजली व्यवस्था पर निर्भरता कम होगी और लद्दाख के पर्यावरण संरक्षण तथा कार्बन-न्यूट्रल लक्ष्य को बढ़ावा मिलेगा। परियोजना में दिव्यांग और दृष्टिबाधित यात्रियों की सुविधा का भी ध्यान रखा गया है। इसके लिए स्पर्श-संकेतक टाइलों सहित सुगम आवागमन की व्यवस्था की जाएगी।

बिजली दर बढ़ोतरी पर कर्रा का विरोध, सरकार से फैसला वापस लेने की मांग

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष तारिक हमीद कर्रा ने बिजली की प्रति यूनिट दरों में हाल ही में की गई बढ़ोतरी का कड़ा विरोध किया है। उन्होंने इसे अन्यायपूर्ण, बोझिल और आम लोगों के लिए असहनीय बताते हुए सरकार से तत्काल फैसला वापस लेने की मांग की। कर्रा ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के परिवार पहले ही महंगाई और आर्थिक दबाव से जूझ रहे हैं। ऐसे समय में सरकार को उपभोक्ताओं को राहत देनी चाहिए थी, लेकिन बिजली दरें बढ़ाकर लोगों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाल दिया गया है। उन्होंने कहा कि बिजली के बिल में होने वाली मामूली बढ़ोतरी भी आम परिवार के मासिक बजट को प्रभावित करती है। उन्होंने कहा कि लोगों को सरकार से बिजली बिलों में राहत और दरों में कमी की उम्मीद थी, न कि प्रति यूनिट शुल्क बढ़ाने की। सरकार का यह निर्णय जनता की आर्थिक परेशानियों के प्रति असंवेदनशीलता को दर्शाता है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने सरकार से मांग की कि बिजली दरों में की गई बढ़ोतरी की तत्काल समीक्षा कर इसे वापस लिया जाए। साथ ही घरेलू उपभोक्ताओं और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को राहत देने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं।

शोपियां में सुरक्षाबलों के संयुक्त अभियान से आतंकी ठिकाने से हथियार और गोला-बारूद बरामद

शोपियां में आतंकी ठिकाने का भंडाफोड़ हथियारों का जखीरा हुआ बरामद

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में सुरक्षाबलों ने सोमवार को संयुक्त अभियान चलाकर एक संदिग्ध आतंकी ठिकाने का भंडाफोड़ किया। तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षाबलों को बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद हुआ। कार्रवाई जम्मू-कश्मीर पुलिस, 44 राष्ट्रीय राइफल्स और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल ने संयुक्त रूप से की।

अधिकारियों के अनुसार, विशेष सूचना मिलने के बाद सुरक्षाबलों ने शोपियां के नाइकपोरा मेमेंदर इलाके में अभियान शुरू किया। इसके तहत बाग क्षेत्र में व्यापक तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान सुरक्षाबलों को एक संदिग्ध ठिकाने का पता चला। यहां से एक एके-47 राइफल, दो एके-47 मैगजीन, 7.62 मिलीमीटर के 60 कारतूस, एक पिस्तौल, एक ग्रेनेड और 9 मिलीमीटर के छह कारतूस बरामद किए गए।

सुरक्षाबलों ने बरामद हथियारों और गोला-बारूद को कब्जे में लेकर आगे की जांच शुरू कर दी है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि यह ठिकाना किस आतंकी संगठन से जुड़ा था और वहां हथियार किस उद्देश्य से छिपाकर रखे गए थे। इसके अलावा हथियारों की आपूर्ति के स्रोत और इससे जुड़े लोगों की पहचान का भी प्रयास किया जा रहा है।

अधिकारियों का कहना है कि दक्षिण कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ अभियान लगातार जारी है। सुरक्षाबल संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी मिलने पर संवेदनशील इलाकों में तलाशी अभियान चला रहे हैं। इसी क्रम में शोपियां में की गई कार्रवाई को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

इस बीच, सुरक्षा एजेंसियों ने जम्मू-कश्मीर में आतंकियों और उनके मददगारों द्वारा संचार के नए तरीकों के इस्तेमाल को लेकर भी सतर्कता बढ़ाई है। अधिकारियों के अनुसार, आतंकी नेटवर्क निगरानी से बचने के लिए इंटरनेट आधारित विभिन्न माध्यमों और कूटबद्ध संचार साधनों का कथित रूप से इस्तेमाल कर रहे हैं। सुरक्षा एजेंसियां ऐसे नेटवर्क की गतिविधियों पर नजर रख रही हैं। बरामद हथियारों के आधार पर भी जांच आगे बढ़ाई जा रही है। फिलहाल अभियान से किसी गिरफ्तारी की जानकारी सामने नहीं आई है।

तरनाह नाले का तेज बहाव हर साल निगल रहा किसानों की उपजाऊ जमीन

भारतेंदु संवाददाता,हीरानगर। उपमंडल में बहने वाला तरनाह नाला बरसात के मौसम में किसानों के लिए लगातार परेशानी का कारण बना हुआ है। नाले में बाढ़ के दौरान तेज बहाव के चलते किनारों की उपजाऊ जमीन कटकर पानी में समा रही है। पक्का कोठा, पलाई, छपाकी, मथुराचक, कुंथल और मुरली चक सहित आसपास के गांवों में इस बार भी दर्जनों कनाल भूमि के कटाव का अनुमान है। बरसात का मौसम अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है, जिससे ग्रामीणों को दोबारा बाढ़ आने और और अधिक भूमि कटाव की चिंता सता रही है। ग्रामीणों गुलाम दीन, सादिक, तिलक राज और जगदीश चिब सहित अन्य लोगों ने बताया कि तरनाह नाले में जब भी बाढ़ आती है, तेज बहाव से नाले के किनारे की जमीन तेजी से कटने लगती है। हर साल होने वाले इस कटाव से किसानों के खेतों का रकबा लगातार घट रहा है। किसानों का कहना है कि यदि संवेदनशील स्थानों पर समय रहते मजबूत सुरक्षा कार्य नहीं किए गए तो भविष्य में उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है।

जम्मू की ई-बसों में महिलाओं को मिलेगा पिंक कार्ड, यात्रा होगी सुरक्षित और आसान

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू शहर में सार्वजनिक परिवहन को महिलाओं के लिए अधिक सुविधाजनक, सुरक्षित और आधुनिक बनाने की दिशा में जम्मू स्मार्ट सिटी लिमिटेड नई पहल शुरू करने जा रहा है। सितंबर के दूसरे पखवाड़े से ई-बसों में महिला यात्रियों के लिए पिंक कार्ड सुविधा शुरू करने की तैयारी है। इस कार्ड के माध्यम से महिलाएं बिना नकद भुगतान के आसानी से यात्रा कर सकेंगी। पिंक कार्ड से महिलाओं को रोजाना टिकट लेने और खुले पैसों की परेशानी से राहत मिलेगी। बस में चढ़ते समय इलेक्ट्रानिक टिकटिंग मशीन पर कार्ड स्पर्श करते ही यात्रा का सत्यापन हो जाएगा। इससे समय की बचत के साथ यात्रियों की संख्या और यात्रा का डिजिटल रिकॉर्ड भी सुरक्षित रहेगा। अधिकारियों के अनुसार इससे व्यवस्था में पारदर्शिता बढ़ेगी और बसों में भीड़ प्रबंधन में भी मदद मिलेगी।

लसाना में बिजली के तार की चपेट में आने व्यक्ति की मौत

भारतेंदु संवाददाता, पुंछ। पुंछ जिले के सुरनकोट क्षेत्र के लसाना इलाके में सोमवार को बिजली के तार के संपर्क में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। हादसे के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। परिजनों और स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना संबंधित अधिकारियों को दी। जानकारी के अनुसार, सुरनकोट निवासी इबरार मनहास किसी तरह बिजली के तार के संपर्क में आ गए। तार की चपेट में आते ही उन्हें जोरदार बिजली का झटका लगा और वह गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के तुरंत बाद उन्हें उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थिति का जायजा लेने के बाद आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

एनसी में कलह की खबरों पर जावेद डार का पलटवार, बोले - पार्टी में नहीं कोई मतभेद

जावेद डार ने खारिज की एनसी में मतभेद की खबरें, पार्टी एकजुट

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के मंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस के वरिष्ठ नेता जावेद अहमद डार ने पार्टी में मतभेद और निराशा की खबरों को सिरे से खारिज किया है। उन्होंने कहा कि पार्टी के भीतर किसी तरह की निराशा नहीं है और ऐसी खबरें केवल टीआरपी बढ़ाने के लिए फैलाई जा रही हैं।

पत्रकारों से बातचीत में डार ने मीडिया से अफवाहों और अटकलों से बचने की अपील की। उन्होंने कहा कि पार्टी के नेता मजबूत हैं और उनकी टीम भी पूरी तरह मजबूत है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नेशनल कॉन्फ्रेंस नेतृत्व के किसी भी निर्णय को सभी नेता और कार्यकर्ता स्वीकार करेंगे।

डार ने वर्ष 2012 का उदाहरण देते हुए कहा कि उस समय भी पार्टी नेतृत्व ने आठ मंत्रियों को पार्टी का कामकाज संभालने की जिम्मेदारी दी थी। उन्होंने कहा कि नेतृत्व जो भी फैसला करेगा, उसे स्वीकार करना पार्टी नेताओं की जिम्मेदारी है।

मंत्री ने नेशनल कॉन्फ्रेंस को एक बेहतरीन और अनुशासित पार्टी बताते हुए कहा कि पार्टी पूरी तरह एकजुट है। उनके मुताबिक, पार्टी में मतभेद की बातें केवल अफवाह और अटकलें हैं। श्रीनगर के सांसद आगा रुहुल्लाह मेहदी की हालिया टिप्पणियों के बारे में पूछे जाने पर डार ने कहा कि उनके साथ उनके अच्छे संबंध हैं। उन्होंने आगा रुहुल्लाह मेहदी को अपना साथी और भाई बताया।

खस्ताहाल सड़क को लेकर ग्रामीणों ने सांबा में किया प्रदर्शन

भारतेंदु संवाददाता, सांबा। जम्मू संभाग के सांबा जिले के पहाड़ी क्षेत्र नड ब्लॉक के विभिन्न गांवों के लोगों ने सोमवार को सांबा-मानसर-उधमपुर मार्ग की खस्ताहाल हालत के विरोध में सड़क बंद कर प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने प्रशासन और संबंधित विभाग के खिलाफ नारेबाजी करते हुए जल्द सड़क की मरम्मत और ब्लैकटॉपिंग कराने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि सड़क लंबे समय से खराब हालत में है। जगह-जगह गड्ढे होने के कारण लोगों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों के अनुसार, खराब सड़क के कारण वाहन चालकों को भी परेशानी होती है और दुर्घटना का खतरा बना रहता है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द सड़क की मरम्मत नहीं की गई तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा।

उड़ी के बंकरों में होगी मशरूम की खेती

सीमावर्ती गांवों के 70 बंकरों का होगा सदुपयोग, स्थानीय लोगों को मिलेगा रोजगार

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

बारामुला जिले के उड़ी क्षेत्र के सीमावर्ती गांवों में पिछले तीन दशक से सुरक्षा का माध्यम रहे खाली सामुदायिक बंकर अब रोजगार और आजीविका का साधन बनने जा रहे हैं। सीमा पर गोलीबारी की घटनाओं में कमी आने के बाद प्रशासन ने इन बंकरों में मशरूम की खेती शुरू करने की योजना बनाई है। इससे एक ओर बेकार पड़े बंकरों का उपयोग होगा, वहीं स्थानीय लोगों के लिए आय का नया स्रोत भी तैयार होगा।

उड़ी के सब डिवीजनल एग्रीकल्चर अधिकारी मुश्ताक अहमद अलाई ने बताया कि कृषि विभाग इस योजना के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर रहा है। रिपोर्ट को सरकार के समक्ष मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि उड़ी का वातावरण मशरूम उत्पादन के लिए अनुकूल है। ऐसे में खाली पड़े बंकरों को उपयोग में लाकर क्षेत्र में मशरूम की खेती को बढ़ावा दिया जा सकता है।

अधिकारियों के अनुसार सीमा से सटे गांवों में करीब 70 सामुदायिक बंकर हैं। सिलकोट, बलकोट, शैदरा और कमलकोट समेत कई गांवों के लोग सीमा पार से होने वाली गोलाबारी के दौरान इन्हीं बंकरों में शरण लेते थे। विशेष रूप से महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग इन सुरक्षित स्थानों पर निर्भर रहते थे।

अब हालात बदलने के बाद इन बंकरों का इस्तेमाल खेती के लिए करने की तैयारी है। स्थानीय लोगों ने वर्ष 2023 में भी सामुदायिक बंकरों के भीतर मशरूम उगाने का सफल प्रयोग किया था। इस प्रयोग ने प्रशासन को बड़े स्तर पर योजना तैयार करने के लिए प्रेरित किया।

अधिकारियों का कहना है कि योजना सफल रही तो इससे सीमावर्ती परिवारों को अतिरिक्त आमदनी मिलेगी और क्षेत्र में कृषि आधारित रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। कभी डर और गोलीबारी से जुड़े रहे ये बंकर अब शांति, रोजगार और आत्मनिर्भरता के प्रतीक बन सकते हैं। प्रशासन को उम्मीद है कि मशरूम की खेती से सीमावर्ती गांवों में लोगों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

स्टाइपेंड बढ़ाने को लेकर मेडिकल इंटर्न्स ने किया जोरदार प्रदर्शन

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू

मासिक स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर सोमवार को जम्मू-कश्मीर के विभिन्न सरकारी मेडिकल कॉलेजों और शेर-ए-कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज बेमिना में एमबीबीएस और बीडीएस इंटर्न्स ने प्रदर्शन किया। जम्मू में प्रदर्शन राजकीय मेडिकल कॉलेज में हुआ। इंटर्न्स ने बैनर और तख्तियां लेकर अपनी मांगें उठाईं।

प्रदर्शनकारियों ने मासिक स्टाइपेंड बढ़ाकर 30 हजार रुपये करने और अधिकारियों के पास लंबित सिफारिशों को जल्द लागू करने की मांग की। उनका कहना है कि स्टाइपेंड में संशोधन की मांग लंबे समय से लंबित है। बार-बार प्रतिनिधित्व करने के बावजूद अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है।

इंटर्न्स ने कहा कि वे अस्पतालों में मरीजों की देखभाल, चिकित्सकीय ड्यूटी और स्वास्थ्य सेवाओं की व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसके बावजूद उन्हें मिलने वाला स्टाइपेंड उनकी जिम्मेदारियों और काम के अनुरूप नहीं है।

प्रदर्शन के दौरान वित्त समिति की लंबित सिफारिशें लागू करने, समान काम के लिए समान वेतन देने और इंटर्नशिप स्टाइपेंड में संशोधन की मांग प्रमुखता से उठाई गई। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि यह केवल किसी एक संस्थान का मुद्दा नहीं है, बल्कि पूरे जम्मू-कश्मीर के मेडिकल संस्थानों में कार्यरत एमबीबीएस और बीडीएस इंटर्न्स की साझा मांग है।

सांबा में सफाई कर्मचारियों की हड़ताल से जगह-जगह कूड़े के ढेर, लोग हुए परेशान

भारतेंदु संवाददाता, सांबा

हड़ताल से सांबा शहर में सफाई व्यवस्था ठप

सांबा शहर में सफाई कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल के चलते सफाई व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो गई है। शहर के कई हिस्सों में कूड़े के बड़े-बड़े ढेर जमा हो गए हैं। बरसात के मौसम में कूड़े से बदबू फैलने लगी है, जिससे दुकानदारों, स्थानीय निवासियों और बाजार में आने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, सफाई कर्मचारी अपनी लंबित मांगों को लेकर हड़ताल समाप्त करने के लिए तैयार नहीं हैं।

सफाई कर्मचारियों का कहना है कि वे अपनी मांगों को लेकर पहले भी कई बार हड़ताल कर सरकार और प्रशासन के समक्ष मुद्दा उठा चुके हैं, लेकिन हर बार उन्हें केवल आश्वासन ही मिला। कर्मचारियों का आरोप है कि उनकी किसी भी प्रमुख मांग पर गंभीरता से विचार नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि कई कर्मचारी वर्षों से अस्थायी तौर पर काम कर रहे हैं। उनकी मांग है कि ऐसे कर्मचारियों को स्थायी किया जाए।

दुकानदारों की बढ़ी परेशानी : सफाई व्यवस्था ठप होने से बाजार में दुकानदार भी परेशान हैं। दुकानदारों का कहना है कि दुकानों के सामने कूड़ा जमा होने से दुर्गंध फैल रही है। इससे दुकान में बैठना मुश्किल हो गया है और ग्राहक भी परेशान हो रहे हैं। उनका कहना है कि लंबे समय तक यही स्थिति बनी रही तो लोगों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल असर पड़ सकता है।

बिश्नाह में चाइनीज मांझे से युवक का कटा गला, मौत

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू जिले की तहसील बिश्नाह में रिंग रोड पर देर रात चाइनीज मांझे की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान दीवानगढ़ निवासी लखविंदर सिंह के रूप में हुई है। हादसे के बाद परिवार में मातम छा गया। पुलिस के अनुसार, युवक रिंग रोड से गुजर रहा था, तभी प्रतिबंधित गट्टू उर्फ चाइनीज मांझा उसके गले में फंस गया। मांझे से गला कटने के कारण वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसी दौरान क्षेत्र में गश्त कर रही पुलिस टीम की नजर युवक पर पड़ी। पुलिसकर्मियों ने तुरंत उसे बिश्नाह के उपजिला अस्पताल पहुंचाया। हालांकि, चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

श्रेया बनीं एशियाई खेलों की पहली महिला तलवारबाज 13 साल की मेहनत लाई रंग

श्रेया ने कड़ी मेहनत से रचा इतिहास, अब ओलंपिक पदक जीतने का लक्ष्य

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू

श्रेया गुप्ता ने अपनी मेहनत और लगन के दम पर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। वह 2026 एशियाई खेलों के लिए क्वालीफाई करने वाली जम्मू-कश्मीर की पहली महिला तलवारबाज बनी हैं। आठ वर्ष की उम्र में माता-पिता ने उनकी ऊर्जा को सही दिशा देने के लिए उन्हें ताइक्वांडो प्रशिक्षण के लिए मौलाना आजाद स्टेडियम भेजा था। बाद में बड़े भाई शिवालिक गुप्ता से प्रेरित होकर उन्होंने तलवारबाजी को अपना लक्ष्य बना लिया।

वर्ष 2013 से तलवारबाजी का प्रशिक्षण ले रहीं श्रेया ने पिछले 13 वर्षों में कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन किया है। वह अब तक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चार कांस्य और एक रजत पदक जीत चुकी हैं। राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उनके नाम 21 स्वर्ण, पांच रजत और 13 कांस्य पदक हैं। उन्होंने 22 अंतरराष्ट्रीय और 26 राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया है। श्रेया ने कहा कि एशियाई खेलों के लिए चयन होना उनके लिए शानदार अनुभव है। अब उनका लक्ष्य पदक जीतना है।

डोडा मेडिकल कॉलेज में प्रिंसिपल संकट, छह साल में तीन ने छोड़ा पद

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू

राजकीय मेडिकल कॉलेज डोडा में प्रिंसिपल की नियुक्ति और संकाय की कमी बड़ी चुनौती बनी हुई है। छह वर्षों में तीन प्रिंसिपल अपना पद छोड़ चुके हैं। वर्तमान प्रिंसिपल डॉ. देवराज डोगरा ने भी पद छोड़कर स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के लिए आवेदन किया है। वरिष्ठ प्रोफेसर डोडा में प्रिंसिपल बनने में रुचि नहीं दिखा रहे हैं और जम्मू को प्राथमिकता दे रहे हैं। डोडा मेडिकल कॉलेज में शैक्षणिक सत्र 2020-21 में 50 सीटों के साथ शुरुआत हुई थी। बाद में 50 और सीटें बढ़ाई गईं। हालांकि, प्रिंसिपल के साथ संकाय की कमी लगातार बनी रही। वर्तमान में कॉलेज में 60 प्रतिशत से अधिक संकाय पद खाली बताए जा रहे हैं, जिससे शिक्षण व्यवस्था प्रभावित हो रही है। कॉलेज के पहले प्रिंसिपल डॉ. तारिक आजाद ने अपना कार्यकाल पूरा किया था। इसके बाद डॉ. नूर अली ने कुछ समय पद संभाला। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग ने जीएमसी जम्मू से डॉ. दिनेश कुमार को अतिरिक्त प्रभार दिया, लेकिन उन्होंने समय से पहले सेवानिवृत्ति ले ली।

विस्तार | 1,667 करोड़ रुपए की लागत से बनेगा नया टर्मिनल, 2031 तक सालाना एक करोड़ यात्रियों को मिलेगी सुविधा

श्रीनगर एयरपोर्ट विस्तार से बढ़ेगी यात्री क्षमता, मजबूत होगी कनेक्टिविटी

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

कश्मीर आने-जाने वाले यात्रियों के लिए बड़ी खबर है। श्रीनगर इंटरनेशनल एयरपोर्ट का बड़े स्तर पर विस्तार किया जाएगा। इस परियोजना पर करीब 1,667 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। विस्तार के बाद एयरपोर्ट की सालाना यात्री क्षमता बढ़कर एक करोड़ हो जाएगी। नए एकीकृत टर्मिनल भवन का निर्माण 2031 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इससे कश्मीर की हवाई कनेक्टिविटी मजबूत होने के साथ पर्यटन, व्यापार और अन्य आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

जम्मू-कश्मीर सरकार की ओर से गृह मंत्रालय को दी गई जानकारी के अनुसार, श्रीनगर इंटरनेशनल एयरपोर्ट के सिविल एन्क्लेव के विस्तार के लिए 1,667 करोड़ रुपये की परियोजना प्रस्तावित है। आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने 24 फरवरी 2026 को इस प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। परियोजना के तहत करीब 71,500 वर्ग मीटर क्षेत्र में एक नई एकीकृत टर्मिनल इमारत का निर्माण किया जाएगा।

पर्यटन और व्यापार को मिलेगा लाभ

श्रीनगर एयरपोर्ट कश्मीर आने वाले पर्यटकों के लिए प्रमुख हवाई प्रवेश द्वार है। एयरपोर्ट की क्षमता बढ़ने से पर्यटन क्षेत्र को सबसे बड़ा लाभ मिलने की उम्मीद है। ज्यादा यात्रियों को संभालने की क्षमता विकसित होने से पर्यटन सीजन में हवाई यात्रा से आने वाले लोगों को सुविधा मिलेगी। इससे होटल, परिवहन, रेस्तरां और अन्य पर्यटन आधारित कारोबारों को भी फायदा पहुंच सकता है।

2,900 यात्रियों को संभालने में सक्षम होगा नया टर्मिनल

प्रस्तावित टर्मिनल भवन को इस तरह तैयार किया जाएगा कि व्यस्ततम समय में करीब 2,900 यात्रियों को संभाला जा सके। इसके अलावा सालाना एक करोड़ यात्रियों की आवाजाही की क्षमता विकसित करने की योजना है। अधिकारियों के मुताबिक, परियोजना को पूरा करने में लगभग 48 महीने का समय लगने का अनुमान है। फिलहाल परियोजना निविदा प्रक्रिया के चरण में है। श्रीनगर एयरपोर्ट पर पिछले कुछ समय से यात्रियों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है।

कश्मीर की हवाई कनेक्टिविटी होगी मजबूत

अधिकारियों के अनुसार, नए टर्मिनल के तैयार होने के बाद यात्रियों की आवाजाही अधिक व्यवस्थित हो सकेगी। एयरपोर्ट की बढ़ी हुई क्षमता से भीड़ कम करने और यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। इससे श्रीनगर की देश के अन्य प्रमुख शहरों के साथ हवाई कनेक्टिविटी को और मजबूती मिलने की उम्मीद है। परियोजना का लक्ष्य केवल यात्री क्षमता बढ़ाना ही नहीं, बल्कि भविष्य की जरूरतों के अनुरूप श्रीनगर एयरपोर्ट का आधारभूत ढांचा विकसित करना भी है।

हर बच्चे की प्रतिभा अलग, परीक्षा के अंकों से तय नहीं हो सकती उसकी सफलता

आज बच्चों और युवाओं में आत्महत्या की बढ़ती घटनाएं पूरे समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय बन चुकी हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (हृष्ट,क्क) के आंकड़े बताते हैं कि भारत में प्रत्येक वर्ष हजारों विद्यार्थी आत्महत्या करते हैं। वर्ष 2024 में भारत में छात्रों की आत्महत्या के मामले बढ़कर 14,488 के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गए, जो लगातार बढ़ती गंभीर स्थिति को दर्शाता है। देशभर में होने वाली कुल आत्महत्याओं में से लगभग 8.1त्न मामले छात्रों के हैं; इस संकट का मुख्य कारण पढ़ाई का दबाव, छ्वश्व/हृश्वश्व/क्क्रष्ट जैसी कठिन प्रतियोगी परीक्षाएं और परिवार की उम्मीदें हैं। औसतन प्रतिदिन लगभग 35 विद्यार्थी अपनी जीवन-लीला समाप्त कर रहे हैं । निश्चित रूप से यह हमारे परिवारों, शिक्षण संस्थानों और समाज के लिए एक गंभीर चेतावनी है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार 15-29 वर्ष आयु वर्ग में आत्महत्या विश्व स्तर पर मृत्यु के प्रमुख कारणों में से एक है। दूसरी ओर, यूनिसेफ की विभिन्न रिपोर्टें बताती हैं कि किशोरों में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं लगातार बढ़ रही हैं, जबकि अधिकांश बच्चों को समय पर मनोवैज्ञानिक सहायता उपलब्ध नहीं हो पाती। ऐसे में यह प्रश्न अत्यंत प्रासंगिक हो जाता है कि आखिर इस स्थिति के लिए जिम्मेदार कौन है- शिक्षण संस्थान, परिवार, समाज या स्वयं बच्चे? वस्तुत: इसका उत्तर किसी एक पक्ष में नहीं, बल्कि सभी की सामूहिक जिम्मेदारी में निहित है। बच्चे की शिक्षा विद्यालय से पहले उसके घर से प्रारंभ होती है। परिवार उसकी पहली पाठशाला है और माता-पिता उसके प्रथम शिक्षक। बच्चा परिवार में रहकर बोलना, चलना, व्यवहार करना, अनुशासन, प्रेम, सम्मान और जीवन-मूल्यों को सीखता है।

यदि परिवार में संवाद, स्नेह और सकारात्मक वातावरण हो तो उसका प्रभाव बच्चे के व्यक्तित्व पर स्पष्ट दिखाई देता है। इसके विपरीत तनावपूर्ण, उपेक्षापूर्ण या अत्यधिक अपेक्षाओं से भरा पारिवारिक वातावरण उसके मानसिक विकास को प्रभावित कर सकता है। प्रत्येक बच्चे की पहली पाठशाला उसका परिवार ही होता है।

आधुनिक मनोविज्ञान भी इस बात की पुष्टि करता है कि जिन बच्चों को बचपन में भावनात्मक सुरक्षा, विश्वास और बिना शर्त स्वीकार्यता मिलती है, वे जीवन की चुनौतियों का सामना अधिक संतुलित ढंग से करते हैं, लेकिन बदलती जीवनशैली, व्यस्तता और बढ़ती प्रतिस्पर्धा ने परिवारों के भीतर संवाद को कम कर दिया है। अनेक घरों में बच्चों से यह पूछा जाता है कि 'आज कितने अंक आए?' लेकिन यह कम पूछा जाता है कि 'आज तुम कैसा महसूस कर रहे हो?' यह परिवर्तन केवल भाषा का नहीं, बल्कि हमारी प्राथमिकताओं का संकेत है।

नीलम कुमारी
पीजीटी, कंप्यूटर साइंस, सैनिक स्कूल सुजानपुर (हमीरपुर)

बच्चों की तुलना भाई-बहनों, रिश्तेदारों या पड़ोस के बच्चों से करना, उनकी हर उपलब्धि को अंकों से जोड़ना तथा असफलता को सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रश्न बना देना उनके मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव डालता है। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार लगातार तुलना और अत्यधिक अपेक्षाएं बच्चों में आत्म-संदेह, चिंता, अवसाद तथा आत्मसम्मान में कमी का कारण बन सकती हैं। परिवारों को यह स्वीकार करना होगा कि प्रत्येक बच्चा अद्वितीय है और उसकी प्रतिभा किसी एक परीक्षा या अंकपत्र से निर्धारित नहीं होती। विद्यालय और महाविद्यालय केवल पाठ्यक्रम पूरा करने वाले संस्थान नहीं हैं, बल्कि ऐसे सामाजिक संस्थान हैं जहां बच्चों का व्यक्तित्व आकार लेता है। शिक्षक केवल विषय विशेषज्ञ नहीं, बल्कि मार्गदर्शक, प्रेरक और संकट के समय सबसे भरोसेमंद सहारा भी होते हैं। दुर्भाग्यवश आज अनेक विद्यालयों में सफलता का प्रमुख मानदंड परीक्षा परिणाम, बोर्ड मेरिट और प्रतियोगी परीक्षाओं में चयन बन गया है।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं)

आस्था और अंधभक्ति के बीच फर्क समझना समाज के लिए सबसे जरूरी

भारत में धर्म केवल आस्था का विषय नहीं है, वह सामाजिक प्रभाव, राजनीतिक शक्ति और आर्थिक संरचना का भी बड़ा केंद्र बन चुका है। यही कारण है कि जब किसी बड़े धार्मिक बाबा, स्वयंभू संत या आध्यात्मिक संगठन के प्रमुख पर गंभीर आपराधिक आरोप लगते हैं, तब मामला केवल अदालत और कानून तक सीमित नहीं रहता। वह समाज की मानसिकता, भक्त-राजनीति, न्याय-व्यवस्था और राज्य की निष्पक्षता पर एक व्यापक बहस में बदल जाता है।

पिछले कुछ वर्षों में देश ने ऐसे कई मामले देखे हैं, जहां धार्मिक नेताओं पर यौन शोषण, आर्थिक अनियमितता, हिंसा और सत्ता के दुरुपयोग जैसे गंभीर आरोप लगे। कुछ मामलों में अदालतों ने दोष सिद्ध भी किया, फिर भी उनके प्रभाव और अनुयायियों की संख्या में अपेक्षित कमी नहीं दिखी। जब किसी दोषसिद्ध बाबा को पैरोल मिलती है, तो उसकी रिहाई कई बार सामान्य कानूनी प्रक्रिया से आगे बढ़कर सामाजिक प्रदर्शन का रूप ले लेती है। भव्य स्वागत, काफिले, भीड़ और उत्सव जैसा माहौल यह प्रश्न खड़ा करता है कि क्या आस्था न्याय से अधिक प्रभावशाली हो गई है। ऐसे क्षणों में न्यायपालिका की प्रक्रिया और जन-भावना के बीच एक स्पष्ट तनाव दिखाई देता है, जो लोकतांत्रिक व्यवस्था की जटिलता को उजागर करता है।

भारतीय समाज में कई बार व्यक्ति 'धार्मिक ब्रांड' में बदल जाता है। उसके खिलाफ अदालत का निर्णय भी उसके अनुयायियों की आस्था को पूरी तरह प्रभावित नहीं कर पाता। एक बड़ा वर्ग हर आरोप को साजिश या राजनीतिक षड्यंत्र के रूप में देखने लगता है। परिणामस्वरूप, दोष सिद्ध होने के बाद भी कई आश्रम और संगठन पहले की तरह स,िय रहते हैं, और व्यक्ति 'पीड़ित संत' के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। यह स्थिति न्याय के साथ-साथ सामाजिक चेतना के लिए भी चुनौती है। समस्या केवल व्यक्तियों तक सीमित नहीं है, बल्कि उस मानसिक संरचना में भी है जो अंध-भक्ति को विवेक से ऊपर रखती है। भारत के कई क्षेत्रों में धार्मिक गुरु केवल आध्यात्मिक मार्गदर्शक नहीं, बल्कि जीवन-निर्णय, आर्थिक व्यवहार और सामाजिक सोच को प्रभावित करने वाले केंद्र बन जाते हैं।

गरीब और वंचित वर्ग कई बार सुरक्षा और आश्रय की तलाश में ऐसे संगठनों से जुड़ता है, जहां धीरे-धीरे प्रश्न पूछने की क्षमता कमजोर पड़ जाती है। यह भी सच है कि सभी धार्मिक संत या गुरु एक जैसे नहीं होते। अनेक संत समाजसेवा, शिक्षा और मानवता के क्षेत्र में सकारात्मक कार्य करते हैं। समस्या तब उत्पन्न होती है जब किसी व्यक्ति के इर्द-गिर्द ऐसा वातावरण बना दिया जाता है जिसमें वह कानून और आलोचना से ऊपर समझा जाने लगता है। लोकतंत्र में किसी भी व्यक्ति को प्रश्नों से परे नहीं रखा जा सकता, चाहे वह राजनीतिक नेता हो या धार्मिक गुरु।

डॉ. सत्यवान सौरभ
सामाजिक विचारक

राजनीति की भूमिका भी इस पूरे परिदृश्य में महत्वपूर्ण है। बड़े धार्मिक संगठनों का जनाधार चुनावी गणित को प्रभावित कर सकता है, जिसके कारण कई बार राजनीतिक दल उनके प्रति नरम रुख अपनाते दिखाई देते हैं। यदि जनता के भीतर यह धारणा बनती है कि प्रभावशाली लोगों पर कानून समान रूप से लागू नहीं होता, तो यह न्याय व्यवस्था की विश्वसनीयता को कमजोर करता है।

पैरोल और कानूनी राहत अपने आप में गलत नहीं हैं, लेकिन जब वे सार्वजनिक शक्ति प्रदर्शन में बदल जाती हैं, तब वे सामाजिक संदेश भी देने लगती हैं। यह संदेश कि प्रभाव और भीड़ न्याय की प्रक्रिया को प्रभावित कर सकते हैं, लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है। यही कारण है कि ऐसे मामलों के बाद समाज के विभिन्न वर्गों में असंतोष और असुरक्षा की भावना बढ़ती है।

मीडिया और सोशल मीडिया की भूमिका भी इस स्थिति को और जटिल बनाती है। डिजिटल युग में छवि निर्माण तेजी से होता है, जहां किसी को 'मसीहा' या 'अपराधी' के रूप में प्रस्तुत करना आसान हो गया है। इस प्रक्रिया में तथ्य कई बार पीछे छूट जाते हैं और भावनाएं केंद्र में आ जाती हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

संपादकीय

संसद में हर घंटे का हो सदुपयोग

संसद लोकतंत्र का सर्वोच्च विचार-विमर्श मंच है, लेकिन यदि उसके निर्धारित समय का बड़ा हिस्सा हंगामे और व्यवधान में चला जाए तो इसका सीधा असर लोकतांत्रिक व्यवस्था की गुणवत्ता पर पड़ता है। मानसून सत्र में लोकसभा और राज्यसभा के कामकाज के आंकड़े इस चिंता को गंभीर बनाते हैं। संसद के दोनों सदनों के लिए निर्धारित लगभग 228 घंटे में से बड़ी मात्रा में समय कामकाज में नहीं बदल सका। इसे केवल आर्थिक नुकसान के रूप में देखना पर्याप्त नहीं है। असली नुकसान उस लोकतांत्रिक अवसर का है, जिसमें जनता के सवाल उठने, सरकार से जवाब मांगे जाने और कानूनों पर गंभीर चर्चा होने की उम्मीद होती है।

संसद में प्रश्नकाल का विशेष महत्व है। सांसद अपने निर्वाचन क्षेत्रों और आम नागरिकों से जुड़े मुद्दे सरकार के सामने रखते हैं। जब प्रश्नकाल बाधित होता है तो केवल कुछ मिनटों का काम नहीं रुकता, बल्कि जनता और सरकार के बीच जवाबदेही का महत्वपूर्ण माध्यम कमजोर होता है। इसी तरह शून्यकाल में ऐसे विषय उठते हैं, जिन पर तत्काल सरकारी ध्यान जरूरी होता है। यदि सदन लगातार स्थगित होता रहे तो इन मुद्दों को राष्ट्रीय मंच नहीं मिल पाता।

विधायी कामकाज के लिहाज से भी व्यवधान गंभीर समस्या है। किसी विधेयक पर पर्याप्त चर्चा, विशेषज्ञों की राय और संसदीय समितियों की जांच कानून निर्माण को बेहतर बनाती है। यदि उपलब्ध समय कम हो जाए तो विधेयक या तो लंबित होते हैं या उन पर अपेक्षित विस्तार से चर्चा नहीं हो पाती। कानून केवल बहुमत के आधार पर पारित करना ही पर्याप्त नहीं है। उसकी गुणवत्ता, व्यवहारिकता और दूरगामी प्रभावों पर विचार करना भी संसद की जिम्मेदारी है।

यह कहना भी उचित नहीं होगा कि संसद में विरोध या असहमति का कोई स्थान नहीं होना चाहिए। लोकतंत्र में सरकार की आलोचना विपक्ष का अधिकार है। तीखे सवाल पूछना, किसी विधेयक का विरोध करना, तर्कपूर्ण भाषण देना और सरकार से स्पष्टीकरण मांगना संसदीय कार्य का ही हिस्सा है। समस्या तब पैदा होती है जब विरोध का माध्यम लगातार नारेबाजी, आसन के सामने प्रदर्शन और सदन को स्थगित कराने तक सीमित हो जाता है। इससे विरोध करने वाले दल के साथ-साथ उन सांसदों के अधिकार भी प्रभावित होते हैं, जो चर्चा में भाग लेना चाहते हैं।

संसद चलाने की जिम्मेदारी सरकार और विपक्ष दोनों की है। सरकार को कार्यसूची समय पर उपलब्ध करानी चाहिए, विपक्ष के महत्वपूर्ण मुद्दों के लिए पर्याप्त अवसर देना चाहिए और मंत्रियों की ओर से सवालों के जवाब सुनिश्चित करने चाहिए। दूसरी ओर विपक्ष को भी यह समझना होगा कि जिस मंच के माध्यम से वह सरकार की जवाबदेही तय करना चाहता है, उस मंच को प्रभावी बनाए रखना उसकी अपनी जिम्मेदारी है। जवाब मांगने के बाद जवाब सुनने का अवसर न देना संसदीय जवाबदेही की भावना को कमजोर करता है।

सांसदों की उपस्थिति और भत्तों को लेकर भी केवल हस्ताक्षर को कार्यक्षमता का पैमाना नहीं बनाया जा सकता। सदन में मौजूद रहना लोकतांत्रिक जिम्मेदारी की पहली शर्त है, लेकिन वास्तविक संसदीय प्रदर्शन का आकलन इससे आगे होना चाहिए। कितने प्रश्न पूछे गए, कितनी बहस में भाग लिया गया, कितनी समितियों में सक्रिय योगदान दिया गया और कितने महत्वपूर्ण विषय संसद के सामने उठाए गए, इन सभी पहलुओं को देखा जाना चाहिए।

इसीलिए भारत को संसदीय कार्य-निष्पादन की स्पष्ट और पारदर्शी व्यवस्था की जरूरत है। यदि व्यवधान के कारण सदन का निर्धारित समय नष्ट होता है तो उसकी भरपाई अतिरिक्त बैठक या अतिरिक्त कार्यदिवस के माध्यम से की जानी चाहिए। राजनीतिक असहमति कार्यसूची को प्रभावित कर सकती है, लेकिन कुल संसदीय कामकाज को खत्म करने का माध्यम नहीं बननी चाहिए।

संसद के लिए रियल टाइम सार्वजनिक डैशबोर्ड भी उपयोगी कदम हो सकता है। इसमें सदस्यों की उपस्थिति, प्रश्न, बहस में भागीदारी, समिति कार्य, विधेयकों की स्थिति और गंवाए गए समय की जानकारी सार्वजनिक की जा सकती है। इससे सांसदों के प्रदर्शन का मूल्यांकन अधिक तथ्यपरक तरीके से होगा। नई पीढ़ी परिणाम और जवाबदेही को महत्व देती है। वह केवल यह नहीं देखना चाहती कि संसद कितनी देर चली, बल्कि यह जानना चाहती है कि उस समय में जनता के लिए क्या हासिल हुआ।

संसद को राजनीतिक टकराव का मंच बनने से रोकना संभव नहीं है और न ही ऐसा होना चाहिए। लेकिन टकराव को संवाद और निर्णय की प्रक्रिया में बदलना जरूरी है। लोकतंत्र में सरकार की जवाबदेही जितनी महत्वपूर्ण है, उतनी ही महत्वपूर्ण संसद की उत्पादकता भी है। जनता ने सांसदों को केवल विरोध करने के लिए नहीं, बल्कि सवाल पूछने, कानून बनाने और समस्याओं के समाधान में योगदान देने के लिए चुना है। इसलिए सरकार और विपक्ष दोनों को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि संसद का हर उपलब्ध घंटा लोकतांत्रिक कामकाज में बदले।

-शिवांश धाकड़

कविता

बंधन और मुक्ति

अमित मैहरा (एचएएस)
एडीसी, जिला चंबा (हि.प्र.)

लोग कहते हैं—
प्रेम बांध देता है,
पर मैंने जाना,
यह तो खोल देता है
हर बंधन की गांठ।
तुम्हें पाकर
मैंने खुद को खोया नहीं,
बल्कि अपने भीतर
एक नया संसार पाया है।
तुम्हारे साथ चलते हुए
मैंने जाना कि रास्ते
सिर्फ मंजिल तक नहीं ले जाते,
वे हमें खुद से भी मिलाते हैं।
मैं स्वतंत्र था, लेकिन मेरी स्वतंत्रता
अक्सर अकेलेपन की दीवारों में
कैद रहती थी। तुम आए तो
उस दीवार में एक खिड़की खुली, जहां से आसमान
पहले से कहीं अधिक विशाल दिखा।
मेरी सीमाएं, जो कभी मुझे रोकती थीं,
तुम्हारे स्पर्श से क्षितिज बन गईं।
अब मैं अपनी उड़ान को
किसी सीमा से नहीं मापता,
क्योंकि तुम्हारे प्रेम ने
मुझे उड़ना सिखाया है।

संवेदनशील शब्दों और संतुलित सोच से ही मजबूत बन सकते हैं सामाजिक रिश्ते

मैं अक्सर अपने आसपास के लोगों को देखकर कभी विचलित होती हूं, तो कभी आश्चर्यचकित। यह देखकर हैरानी होती है कि लोग कितनी शीघ्रता से दूसरों के बारे में राय बना लेते हैं- मानो वे स्वयं न्यायाधीश हों, जबकि सत्य तो यह है कि एक सिक्के के सदैव दो पहलू होते हैं। किसी एक पक्ष को देखकर निर्णय लेना दूसरे पक्ष के साथ अन्याय करने जैसा होता है। बदलते आधुनिक समम में आज समाज में पूर्वाग्रहों के आधार पर मत बनाने की प्रवृत्ति बड़ी तेजी से बढ़ती जा रही है। लोग वास्तविक परिस्थिति को समझने का प्रयास कम और सुनी-सुनाई बातों पर विश्वास अधिक करते हैं।

बातचीत का उद्देश्य समझना नहीं, बल्कि उसे तोड़-मरोड़ कर प्रस्तुत करना बनता जा रहा है। इस प्रक्रिया में अपनी निजी राय या अहंकार भी जोड़ दिया जाता है, जिससे किसी को नीचा दिखाने की प्रवृत्ति पनपती है। यह संस्कृति हमारे समाज, संस्थानों और पारस्परिक संबंधों की जड़ों को कमजोर कर रही है।

यह आवश्यक नहीं कि हम हर व्यक्ति में अवगुण ही खोजें। क्यों न हम उसके गुणों को ग्रहण करने का प्रयास करें?

किसी के बारे में राय बनाने से पहले हमें यह अवश्य सोचना चाहिए कि प्रत्येक व्यक्ति की अपनी एक कहानी होती है- संघर्षों, परिस्थितियों और अनुभवों से भरी हुई। जब तक हम किसी के स्थान पर स्वयं को रखकर उसकी परिस्थिति को नहीं समझते, तब तक उसके निर्णयों और व्यवहार पर टिप्पणी करना अनुचित है। पीठ पीछे निंदा करना, चुगली करना और निराधार आलोचना करना समाज की नींव को हिलाने जैसा है। इनका प्रभाव सामने वाले व्यक्ति पर गहरा और नकारात्मक पड़ सकता है। सभी लोग मानसिक रूप से समान रूप से सशक्त नहीं होते। कुछ लोग अत्यंत भावनात्मक होते हैं, जिन्हें छोटी-सी बात भी भीतर तक आहत कर सकती है। इसलिए शब्दों का चयन और उनका प्रयोग अत्यंत सावधानी से करना चाहिए। दोहा-
देखे आधा रूप जो, दे दे त्वरित विचार। पूरा सच जाने बिना, करता अन्याय अपार।।

प्रत्येक मनुष्य कुछ जन्मजात गुणों के साथ जन्म लेता है। कुछ ज्ञान और अनुभव से परिपक्व होते हैं, तो कुछ परिस्थितियों के कारण आगे नहीं बढ़ पाते। अनेक लोग अपनी प्रतिष्ठा और पहचान बनाने के लिए वर्षों तक संघर्ष करते हैं। ऐसे में बिना पूरी सच्चाई जाने किसी के चरित्र या व्यक्तित्व पर टिप्पणी करना न केवल अनुचित, बल्कि अमानवीय भी है। हमारे ऋषि-मुनियों और विद्वानों ने भी जब आलोचना की, तो वह तर्क और प्रमाण के आधार पर की। शब्दों का प्रयोग उन्होंने संयम और विवेक से किया।

कनुप्रिया
नूरपुर, जिला कांगड़ा (हि.प्र.)

अत: हमारा ज्ञान और हमारा व्यवहार तभी उच्च कोटि का माना जाएगा, जब हम निरर्थक चर्चाओं और आलोचनाओं से स्वयं को दूर रखेंगे तथा सहानुभूति, संवेदनशीलता और समझदारी को अपनाएंगे। अंतत:, समाज की सुदृढ़ता हमारे आचरण पर निर्भर करती है। यदि हम निर्णय करने से पहले समझने का प्रयास करें, तो न केवल दूसरों के प्रति न्यायपूर्ण होंगे, बल्कि स्वयं भी एक उच्च और परिपक्व व्यक्तित्व के रूप में विकसित होंगे।
परहित में जो मन लगे, वाणी हो संतुलित। सोच-विचार कर बोलिए, मानवता हो विकसित।।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं)

व्यक्तित्व विशेष

भारतीय जड़ों से वैश्विक मंच तक

पद्मा पार्वती लक्ष्मी एक अमेरिकी टेलीविजन प्रस्तोता, मॉडल, लेखिका, उद्यमी और सामाजिक कार्यकर्ता हैं। उनका जन्म 1 सितंबर 1970 को भारत के तत्कालीन मद्रास, वर्तमान चेन्नई, तमिलनाडु में हुआ था। बचपन में ही वह अपनी मां के साथ अमेरिका चली गईं और न्यूयॉर्क तथा कैलिफोर्निया में पली-बढ़ीं। भारतीय मूल की होने के कारण किशोरावस्था में उन्हें कई कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने इन्हें अपनी सफलता के रास्ते में बाधा नहीं बनने दिया।

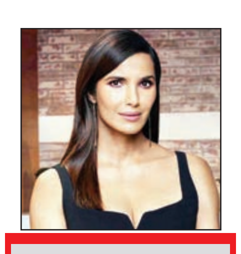

पद्मा पार्वती लक्ष्मी
जन्म : 1 सितंबर 1970

पद्मा लक्ष्मी ने क्लार्क विश्वविद्यालय से रंगमंच कला और अमेरिकी साहित्य में स्नातक की पढ़ाई पूरी की। इसके बाद उन्होंने मॉडलिंग के क्षेत्र में कदम रखा और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय ब्रांडों तथा पत्रिकाओं के लिए काम किया। मॉडलिंग के बाद उनका रुझान टेलीविजन और भोजन की दुनिया की ओर बढ़ा। वर्ष 2006 में उन्हें लोकप्रिय पाक कला प्रतियोगिता कार्यक्रम टॉप शेफ की प्रस्तोता के रूप में पहचान मिली। लंबे समय तक इस कार्यक्रम से जुड़ी रहने के कारण वह अमेरिकी टेलीविजन की चर्चित हस्तियों में शामिल हो गईं।

वर्ष 2020 में उन्होंने टेस्ट द नेशन विद पद्मा लक्ष्मी नामक वृत्तचित्र श्रृंखला शुरू की। इस कार्यक्रम में अमेरिका के विभिन्न समुदायों, उनकी संस्कृति और भोजन की विविधता को प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के प्रस्तोता और कार्यकारी निर्माता के रूप में उनके काम को व्यापक सराहना मिली। टेलीविजन क्षेत्र में उनके योगदान के लिए उन्हें कई बार प्रतिष्ठित एमी पुरस्कार के लिए नामांकन मिला।

पद्मा लक्ष्मी एक सफल लेखिका भी हैं। उन्होंने भोजन और जीवन से जुड़े कई पुस्तकें लिखी हैं। उनकी प्रमुख पुस्तकों में ईजी एक्सॉटिक, टैंगी, टार्ट, हॉट एंड स्वीट, द इनसाइक्लोपीडिया ऑफ स्पाइसेज एंड हर्ब्स, लव, लॉस एंड व्हाट वी एट और बच्चों के लिए लिखी गई टोमेटोज फॉर नीला शामिल हैं। उनकी पुस्तकों में भारतीय भोजन, मसालों, संस्कृति और उनके व्यक्तिगत अनुभवों की झलक मिलती है। सामाजिक क्षेत्र में भी पद्मा लक्ष्मी सक्रिय रही हैं। उन्होंने महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों पर जागरूकता फैलाने के लिए वर्ष 2009 में एंडोमेट्रियोसिस फाउंडेशन ऑफ अमेरिका की सह-स्थापना की।

प्रतियोगी परीक्षाओं और साक्षात्कार में सफलता के लिए समाचार पत्र पढ़ना बेहद उपयोगी आदत

आज के प्रतिस्पर्धी दौर में विद्यार्थियों के लिए केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित रहना पर्याप्त नहीं है। शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में व्यापक समझ, जागरूकता, तर्कशक्ति और बदलती परिस्थितियों के अनुरूप निर्णय लेने की क्षमता विकसित करना भी है। इस दृष्टि से प्रतिदिन समाचार पत्र पढ़ने की आदत विद्यार्थियों के लिए बेहद उपयोगी साबित हो सकती है। यदि दो विद्यार्थी समान कक्षा में पढ़ते हैं, उनकी बौद्धिक क्षमता और मेहनत भी लगभग समान है, फिर भी कुछ वर्षों बाद एक विद्यार्थी आत्मविश्वास के साथ चर्चा में भाग लेता है, प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन करता है और साक्षात्कार में प्रभावी ढंग से अपनी बात रखता है, जबकि दूसरा केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित रह जाता है। दोनों के बीच यह अंतर पैदा करने वाली सरल आदत समाचार पत्र पढ़ने की हो सकती है।

समाचार पत्र केवल घटनाओं का संग्रह नहीं है, बल्कि यह ज्ञान, जागरूकता और विचारों का विस्तृत संसार है। इसके अलग-अलग पृष्ठ विद्यार्थियों को विज्ञान और तकनीक की नई खोजों, खेल जगत की उपलब्धियों, पर्यावरणीय चुनौतियों, शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे बदलावों, प्रेरणादायक व्यक्तित्वों, अर्थव्यवस्था, राजनीति, संस्कृति और देश-दुनिया की महत्वपूर्ण घटनाओं से परिचित कराते हैं। नियमित रूप से समाचार पढ़ने वाला विद्यार्थी अपने आसपास और दुनिया में हो रहे बदलावों को बेहतर ढंग से समझ पाता है। इससे उसका दृष्टिकोण व्यापक और संतुलित बनता है।

समाचार पत्र पढ़ने का सबसे बड़ा लाभ सामान्य ज्ञान में वृद्धि के रूप में सामने आता है। प्रतियोगी परीक्षाओं में सामान्य ज्ञान और समसामयिक घटनाओं से जुड़े प्रश्नों का विशेष महत्व होता है। साक्षात्कार और समूह चर्चा में भी उम्मीदवार से देश-दुनिया से जुड़े विषयों पर राय पूछी जा सकती है। ऐसे में रोज समाचार पढ़ने वाला विद्यार्थी घटनाओं के पीछे के कारणों और उनके प्रभावों को समझने में अपेक्षाकृत सक्षम होता है। वह केवल किसी घटना की जानकारी नहीं रखता, बल्कि उसके सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक प्रभावों पर भी विचार कर सकता है।

भाषा कौशल विकसित करने में भी समाचार पत्र महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। समाचार पढ़ते समय विद्यार्थियों को प्रतिदिन नए शब्द मिलते हैं। उनका शब्द भंडार बढ़ता है और भाषा पर पकड़ मजबूत होती है। इससे लेखन और अभिव्यक्ति की क्षमता में सुधार आता है। निबंध, भाषण, वाद-विवाद, प्रश्नोत्तरी और रचनात्मक लेखन जैसी शैक्षणिक गतिविधियों में समाचार पत्र पढ़ने वाले विद्यार्थी अधिक प्रभावशाली प्रदर्शन कर सकते हैं। नियमित पठन से वाक्य विन्यास, विचारों को क्रमबद्ध तरीके से प्रस्तुत करने और सही शब्दों के चयन की क्षमता भी विकसित होती है।

समाचार पत्र विद्यार्थियों में आलोचनात्मक सोच विकसित करने का माध्यम भी बन सकता है। आज सूचना प्रौद्योगिकी के दौर में मोबाइल फोन और सामाजिक माध्यमों के जरिए खबरें बहुत तेजी से सामने आती हैं। लेकिन इंटरनेट पर उपलब्ध हर जानकारी सही या प्रमाणित हो, यह जरूरी नहीं है। कई बार अधूरी, भ्रामक या गलत जानकारी भी तेजी से फैल जाती है। इसके मुकाबले समाचार पत्र में संपादकीय प्रक्रिया और तथ्य जांच के बाद समाचार प्रकाशित किए जाते हैं। इसलिए समाचार पत्र विद्यार्थियों को सूचना और विश्वसनीय जानकारी के बीच अंतर समझने में मदद करता है। वे किसी खबर को तुरंत स्वीकार करने के बजाय उसके तथ्य, संदर्भ और प्रभाव पर विचार करना सीखते हैं।

समाचार पत्र पढ़ने की आदत विद्यार्थियों में धैर्य और एकाग्रता भी बढ़ाती है। सामाजिक माध्यमों पर सूचनाएं छोटे-छोटे संदेशों और त्वरित वीडियो के रूप में मिलती हैं, जिससे लंबे समय तक किसी विषय पर ध्यान केंद्रित करने की आदत कमजोर हो सकती है। इसके विपरीत समाचार पत्र पढ़ने के लिए विद्यार्थी को किसी विषय को विस्तार से समझना पड़ता है। इससे पढ़ने, समझने और मनन करने की क्षमता मजबूत होती है। धीरे-धीरे विद्यार्थी तथ्यों के आधार पर अपनी राय बनाना सीखता है।

अजय पटियाल
प्रवक्ता, रसायन विज्ञान
सीनियर सेकेंडरी स्कूल, गढ़ जमूला

इस आदत को विकसित करने में विद्यालयों और परिवारों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। विद्यालयों में प्रार्थना सभा के दौरान प्रमुख समाचारों का वाचन, समाचार विश्लेषण, सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता, वाद-विवाद और समाचार आधारित प्रश्नोत्तरी जैसी गतिविधियां आयोजित की जा सकती हैं। शिक्षक विद्यार्थियों को केवल खबर पढ़ने के बजाय उसके पीछे की परिस्थितियों और प्रभावों पर चर्चा करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। परिवार में भी माता-पिता यदि नियमित रूप से समाचार पत्र पढ़ते हैं और बच्चों के साथ महत्वपूर्ण खबरों पर बातचीत करते हैं तो उनमें स्वाभाविक रूप से पढ़ने की रुचि विकसित हो सकती है।

विद्यार्थियों को समाचार पत्र पढ़ने के लिए बहुत अधिक समय देने की आवश्यकता भी नहीं है। प्रतिदिन केवल 15 से 20 मिनट का नियमित अभ्यास पर्याप्त हो सकता है। शुरुआत में विद्यार्थी देश-दुनिया की प्रमुख खबरें, विज्ञान, खेल, शिक्षा और अपने राज्य से जुड़ी खबरें पढ़ सकते हैं। धीरे-धीरे संपादकीय और विचारपरक सामग्री पढ़ने की आदत विकसित की जा सकती है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

'भारतेन्दु शिखर

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

न्यूज ब्रीफ

मथुरा-बरेली हाईवे पर आमने-सामने भिड़े पिकअप और ट्रक, तीन की मौत, 23 लोग घायल

एजेंसी, कासगंज। मथुरा-बरेली फोरलेन हाईवे पर सोमवार तड़के भीषण सड़क हादसे में एक महिला समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि 23 लोग घायल हो गए। हादसा करीब साढ़े चार बजे कांतोर-मोहनपुरा गांव के पास हुआ, जहां तेज रफ्तार मैक्स पिकअप और ट्रक की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि पिकअप में सवार यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। हादसे में मृतक और घायल राजस्थान के करौली व भरतपुर जिले के रहने वाले बताए जा रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। गंभीर रूप से घायल आठ लोगों को बेहतर उपचार के लिए अलीगढ़ रेफर किया गया। डीएम प्रणय सिंह और एसपी ओपी सिंह ने अस्पताल पहुंचकर घायलों का हाल जाना और चिकित्सकों को समुचित उपचार के निर्देश दिए।

उमानाथ सिंह मेडिकल कॉलेज में ब्लड सेंटर को केंद्रीय स्तर से मंजूरी: प्राचार्य डॉ आरबी कमल

एजेंसी, जौनपुर। जौनपुर के सिद्दीकपुर स्थित उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय एवं चिकित्सालय में ब्लड सेंटर के संचालन को केंद्रीय स्तर से स्वीकृति मिल गई है। इससे मेडिकल कॉलेज में रक्त संग्रह, प्रसंस्करण और सुरक्षित भंडारण के साथ रक्त के विभिन्न अवयवों की उपलब्धता का रास्ता साफ हो गया है। ब्लड सेंटर शुरू होने के बाद गंभीर मरीजों, दुर्घटना में घायलों, प्रसूताओं और ऑपरेशन कराने वाले मरीजों को जरूरत के समय रक्त उपलब्ध कराने में सुविधा होगी। मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. आरबी कमल ने बताया कि ब्लड सेंटर को मान्यता मिल चुकी है और आवश्यक मशीनें तैयार हैं। यहां निर्धारित मानकों के अनुसार रक्त और उसके अवयवों का संग्रह व भंडारण किया जाएगा। इससे मरीजों को रक्त की व्यवस्था के लिए निजी केंद्रों या दूसरे शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा। जिला अस्पताल पर भी रक्त की मांग का दबाव कम होने की उम्मीद है।

मुरादाबाद में पिंजरे में कैद हुआ तेंदुआ, 27 दिन में 11वां रेस्क्यू

एजेंसी, मुरादाबाद। ठाकुरद्वारा रेंज के ग्राम लौंगी खुर्द में सोमवार सुबह वन विभाग की रेस्क्यू टीम ने पिंजरे में एक तेंदुए को सफलतापूर्वक पकड़ लिया। यह मुरादाबाद जनपद में पिंजरे के जरिए पकड़ा गया 11वां तेंदुआ है। बीते 27 दिनों में ठाकुरद्वारा क्षेत्र में तेंदुए तीन महिलाओं समेत चार लोगों की जान ले चुके हैं। जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया ने बताया कि संवेदनशील गांवों में निगरानी और जागरूकता अभियान जारी है। पकड़े गए तेंदुए का स्वास्थ्य परीक्षण कर उसे जंगल में छोड़ा जाएगा।

उप्र के प्रयागराज समेत कई जिलों में गरज चमक के साथ बारिश का अलर्ट

एजेंसी, प्रयागराज। मानसून के फिर सक्रिय होने से उत्तर प्रदेश के कई जिलों में अगले 12 घंटे के दौरान गरज-चमक के साथ मध्यम से तेज बारिश की संभावना जताई गई है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग, लखनऊ ने प्रयागराज समेत सोनभद्र, मीरजापुर, जौनपुर, प्रतापगढ़, चित्रकूट, बांदा, कौशांबी, फतेहपुर, कानपुर, रायबरेली, अमेठी और उन्नाव समेत कई क्षेत्रों के लिए चेतावनी जारी की है। कुछ स्थानों पर आकाशीय बिजली गिरने की आशंका भी है। मौसम वैज्ञानिक डॉ. एसएन सुनील पांडेय के अनुसार पर्याप्त नमी और मानसून की सक्रियता से स्थानीय स्तर पर गरज वाले बादल बन रहे हैं। उन्होंने लोगों को खुले स्थान और पेड़ों के नीचे खड़े होने से बचने की सलाह दी है।

बसपा प्रमुख मायावती ने साधा विरोधियों पर निशाना, चुनावी रेवड़ियों से किया सावधान

बैठक में पार्टी संगठन सम्बंधी मण्डलवार प्रगति रिपोर्ट लेकर दिए आवश्यक निर्देश

एजेंसी, लखनऊ

बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर सोमवार को पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक कर संगठन और चुनावी तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से विरोधी दलों के लुभावने चुनावी वादों और कथित रेवड़ियों से सावधान रहने की अपील की। साथ ही जनता से स्वतंत्र और निष्पक्ष होकर अपने विवेक के अनुसार मतदान करने का आह्वान किया।

लखनऊ के माल एवेन्यू स्थित बसपा के राज्य मुख्यालय में हुई बैठक में उत्तर प्रदेश स्टेट, मंडल इकाइयों और सभी 75 जिलों के जिलाध्यक्षों सहित वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों के चयन की प्रगति पर चर्चा की गई। इसके अलावा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के बाद बूथ स्तर तक पार्टी की कमेटियों के पुनर्गठन की स्थिति की भी समीक्षा हुई। मायावती ने संगठन की कमियों को समयबद्ध तरीके से दूर करने के निर्देश दिए।

चुनावी वादों पर साधा निशाना:

बैठक को संबोधित करते हुए मायावती ने कहा कि चुनाव से पहले विभिन्न राजनीतिक दल मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए तरह-तरह के वादे और घोषणाएं करते हैं। महिलाओं और अन्य वर्गों को निजी लाभ देने वाली योजनाओं को उन्होंने चुनावी रेवड़ियों की संज्ञा देते हुए इनसे सावधान रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि चुनाव के बाद कई राज्यों में जनता से किए गए वादों को पूरा नहीं किया जाता।

मायावती ने कहा कि महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी और पिछड़ेपन के कारण उत्तर प्रदेश की जनता परेशान है। रोजगार के अभाव में बड़ी संख्या में लोगों को मजबूरी में पलायन करना पड़ता है। उन्होंने सरकारों की ओर से की जा रही घोषणाओं को अपर्याप्त बताते हुए कहा कि जनकल्याण केवल चुनाव के समय नहीं, बल्कि लगातार सरकार की जिम्मेदारी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि बसपा ने अपने शासनकाल में चुनावी समय का इंतजार किए बिना जनहित से जुड़े कार्यों और सहायता को प्राथमिकता दी थी।

9 अक्टूबर को लखनऊ में कांशीराम पुण्यतिथि कार्यक्रम:

मायावती ने पार्टी संस्थापक मान्यवर कांशीराम की पुण्यतिथि को लेकर भी पदाधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि इस वर्ष 9 अक्टूबर को कांशीराम की पुण्यतिथि का मुख्य कार्यक्रम लखनऊ स्थित कांशीराम स्मारक स्थल पर आयोजित किया जाएगा। इसमें पश्चिमी उत्तर प्रदेश सहित प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से कार्यकर्ता और समर्थक पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे।उन्होंने कहा कि यूपी-दिल्ली सीमा पर स्थित बहुजन प्रेरणा केंद्र में रखरखाव का कार्य चल रहा है। ऐसे में वहां अधिक भीड़ जुटने से किसी तरह की दुर्घटना की आशंका को देखते हुए इस वर्ष सभी क्षेत्रों के लोग लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे।

नोएडा में बढ़ा मानसिक तनाव, तीन दिन में नौ लोगों ने की आत्महत्या

एजेंसी, नोएडा

औद्योगिक नगरी नोएडा में मानसिक तनाव और पारिवारिक व सामाजिक परिस्थितियों से जुड़ी परेशानियों के बीच तीन दिनों में छह महिलाओं समेत नौ लोगों की आत्महत्या के मामले सामने आए हैं। पुलिस के अनुसार, अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हुई इन घटनाओं में बेरोजगारी, पढ़ाई का तनाव, प्रेम संबंध और मानसिक दबाव जैसी वजहें सामने आई हैं। पुलिस के मीडिया प्रभारी उमेश नैथानी ने बताया कि सेक्टर-126 क्षेत्र में एक विश्वविद्यालय में वार्ड कर्मचारी के रूप में काम करने वाले 46 वर्षीय राजकुमार का शव परिसर में मिला।

बेरोजगारी और तनाव से बढ़ी आत्महत्या की घटनाएं।

वहीं नॉलेज पार्क क्षेत्र में 23 वर्षीय नर्सिंग छात्रा निशिका ने आत्महत्या कर ली। जांच में उसके एक युवक से शादी करने की इच्छा और परिवार की ओर से पढ़ाई पूरी करने के बाद विवाह की बात सामने आई। ईकोटेक-3 क्षेत्र में 19 वर्षीय संजना के हिंडन बैराज में छलांग लगाने की सूचना है। पुलिस और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल उसकी तलाश में जुटे हैं। फेस-3 क्षेत्र में 30 वर्षीय ज्योति पांडा और 19 वर्षीय अंकिता की मौत के मामले भी सामने आए। सेक्टर-63 क्षेत्र में 19 वर्षीय तनु ने भी आत्महत्या कर ली। इसके अलावा दादरी में 29 वर्षीय विनय, सेक्टर-113 क्षेत्र में 31 वर्षीय रोहित और दनकौर क्षेत्र में 35 वर्षीय खुशबू की मौत हुई।

पुलिस ने सभी मामलों में शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है। वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. एनके शर्मा ने कहा कि आधुनिक जीवनशैली, अकेलापन, बेरोजगारी, पढ़ाई का दबाव और प्रेम में असफलता युवाओं में मानसिक तनाव बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को अपनी परेशानियां परिवार और करीबी लोगों से साझा करनी चाहिए तथा जरूरत पड़ने पर विशेषज्ञ की मदद लेनी चाहिए। मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता बढ़ाना जरूरी, समय पर बातचीत और विशेषज्ञ की मदद से तनावपूर्ण परिस्थितियों को संभाला जा सकता है।

सात साल की समरा ने जिलाधिकारी से स्कूल मार्ग बनवाने की लगाई गुहार

एजेंसी, मऊ

उत्तर प्रदेश के मऊ जिले के वार्ड संख्या 17 में सड़क की बदहाली से परेशान सात वर्षीय छात्रा समरा नाज़ सोमवार को जिलाधिकारी आनंद वर्धन के पास अपनी फरियाद लेकर पहुंची। कक्षा एक में पढ़ने वाली बच्ची ने जिलाधिकारी से स्कूल जाने वाले खराब रास्ते की मरम्मत कराने की गुहार लगाई।

मासूम बच्ची ने डीएम से कहा, खराब सड़क के कारण स्कूल जाना होता है मुश्किल।

समरा नाज़ ने बताया कि वह डोंबासो स्कूल में पढ़ती है और रोजाना ऑटो से स्कूल जाती है। रास्ता बेहद खराब होने के कारण आने-जाने में परेशानी होती है। कई बार रास्ते में गिरने से चोट भी लग जाती है और स्कूल की पोशाक गंदी हो जाती है। इसके कारण उसे स्कूल में डांट भी सुननी पड़ती है।

बच्ची की बात जिलाधिकारी ने गंभीरता से सुनी और उसे जल्द समाधान का भरोसा दिया। जिलाधिकारी ने बताया कि वार्ड में करीब 25 मीटर का कच्चा और खराब मार्ग है, जिसकी जांच कराई जाएगी।

लखनऊ में युवक पर चाकू से हमला, अस्पताल में मौत

एजेंसी, लखनऊ। राजधानी लखनऊ के महिगवां थाना क्षेत्र में रविवार देर रात निर्माणाधीन मकान की छत पर सो रहे युवक पर अज्ञात लोगों ने चाकू से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल युवक की सोमवार सुबह अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस उपायुक्त (उत्तरी) अमित कुमार ने बताया कि गणेशपुर गांव निवासी सतीश यादव (25) गांव के बाहर एक निर्माणाधीन मकान की छत पर सो रहा था। इसी दौरान कुछ अज्ञात लोगों ने उस पर चाकू से कई प्रहार कर दिए। हमले में सतीश गंभीर रूप से घायल हो गया। जान बचाने के लिए वह कुछ दूरी तक भागा और शोर मचाया। उसकी आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक हमलावर फरार हो चुके थे।

अमेठी में दूध टैंकर और बच्चों से भरी स्कूल बस की भिड़ंत, 24 बच्चे घायल

एजेंसी, अमेठी

उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले में सोमवार को भाले सुल्तान शहीद स्मारक थाना क्षेत्र के थौरी के पास तेज रफ्तार दूध टैंकर और बच्चों से भरी स्कूल बस की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में करीब 24 बच्चे घायल हो गए। राहत की बात यह रही कि सभी बच्चे खतरे से बाहर बताए गए हैं।

जानकारी के अनुसार, आरपीएस अकैडमी की स्कूल बस बच्चों को स्कूल से घर छोड़ने जा रही थी। अलीनगर और थौरी के बीच सामने से आ रहे तेज रफ्तार अनियंत्रित दूध टैंकर ने बस को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद बस में चीख-पुकार मच गई। राहगीरों और स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने घायल बच्चों को निजी नर्सिंग होम और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जगदीशपुर पहुंचाया।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, 16 बच्चों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जिनमें दो को जिला अस्पताल रेफर किया गया। अन्य बच्चों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। कुछ बच्चों को मामूली चोटें आईं, जबकि दो बच्चों के फ्रैक्चर की जानकारी सामने आई है। जिले के मुख्य चिकित्सा अधिकारी अंशुमान सिंह ने अस्पताल पहुंचकर घायल बच्चों का हाल जाना और चिकित्सकों को बेहतर उपचार के निर्देश दिए।

महिला की मौत पर कानपुर में बवाल हाईवे जाम के बाद पुलिस पर पथराव

एजेंसी, कानपुर

महाराजपुर थाना क्षेत्र के लालूखेड़ा गांव में महिला का शव फंदे पर लटका मिलने के बाद रविवार को परिजनों और ग्रामीणों ने जमकर हंगामा किया। महिला के मायके पक्ष के लोगों ने पति और ससुरालियों पर कार्रवाई की मांग को लेकर प्रयागराज हाईवे पर शव रखकर जाम लगा दिया। पुलिस ने जाम खुलवाने का प्रयास किया तो आक्रोशित लोगों ने पुलिस टीम पर पथराव शुरू कर दिया।

इस दौरान तीन पुलिस अधिकारियों के सिर में चोट आई। पुलिस ने पांच उपद्रवियों को हिरासत में लिया है। जानकारी के अनुसार, लालूखेड़ा गांव में महिला का शव संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे पर लटका मिला था। घटना की जानकारी मिलने के बाद मायके पक्ष के लोग मौके पर पहुंचे और महिला की मौत के लिए उसके पति तथा ससुरालियों को जिम्मेदार ठहराते हुए कार्रवाई की मांग की। आक्रोशित परिजनों ने शव को प्रयागराज हाईवे पर रखकर रास्ता रोक दिया। इससे हाईवे पर यातायात प्रभावित हो गया और दोनों ओर वाहनों की कतार लग गई।

पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर प्रदर्शन कर रहे लोगों को समझाने और जाम खुलवाने का प्रयास किया। इसी दौरान भीड़ उग्र हो गई और पुलिसकर्मियों पर पथराव शुरू कर दिया। पथराव में चकेरी थाना प्रभारी अजय प्रकाश मिश्रा, महाराजपुर थाना प्रभारी जनार्दन सिंह और अहिरवां चौकी प्रभारी जयवीर सिंह के सिर पर चोट आई। सड़क किनारे खड़े कुछ वाहनों में भी तोड़फोड़ किए जाने की सूचना है। स्थिति बिगड़ने पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पांच उपद्रवियों को हिरासत में लिया।

एक राष्ट्र, एक समान कानून और समान अधिकार की मांग, सवर्ण आर्मी ने सौंपा ज्ञापन

एजेंसी, जौनपुर

उत्तर प्रदेश के जौनपुर में सोमवार को सवर्ण आर्मी के कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट परिसर में राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट माहिपाल सिंह यादव को सौंपा। प्रदेश उपाध्यक्ष प्रवीण तिवारी के नेतृत्व में पहुंचे कार्यकर्ताओं ने देश में 'एक राष्ट्र, एक समान कानून' लागू करने और सभी नागरिकों के लिए समान अधिकार सुनिश्चित करने की मांग की।

समान अधिकार, आरक्षण समीक्षा और सवर्ण आयोग गठन की मांग को लेकर कार्यकर्ताओं ने ज्ञापन दिया।

प्रवीण तिवारी ने कहा कि संविधान प्रत्येक नागरिक को समानता और मौलिक अधिकार प्रदान करता है। कानून के शासन, समानता और न्याय के संवैधानिक सिद्धांतों को और मजबूत किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने आरक्षण व्यवस्था की समीक्षा कर आर्थिक स्थिति तथा वास्तविक सामाजिक-शैक्षिक पिछड़ेपन जैसे पारदर्शी मानकों को आधार बनाने का सुझाव दिया। ज्ञापन में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की ओर से वर्ष 2026 में बनाए गए नए नियमों की पुनः समीक्षा करने तथा जनहित के अनुरूप नहीं पाए जाने वाले प्रावधानों को वापस लेने पर विचार करने की मांग भी की गई।

कार्यकर्ताओं ने अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अधिनियम के तहत दर्ज मामलों के अधिकृत और सत्यापित आंकड़े सार्वजनिक करने की मांग की। उन्होंने कानून के दुरुपयोग की आशंका रोकने के लिए उचित सुरक्षा प्रावधान और निष्पक्ष जांच व्यवस्था सुनिश्चित करने पर जोर दिया। सवर्ण आर्मी ने सभी जाति और धर्म के नागरिकों को समान अधिकार, सम्मान और न्याय देने की मांग की। साथ ही सवर्ण समाज की सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक समस्याओं के अध्ययन व समाधान के लिए वैधानिक सवर्ण आयोग के गठन की मांग भी रखी।

केजीएमयू के प्रोफेसर डॉ. फहद मंसूर को मिली ग्लासगो फेलोशिप

एजेंसी, लखनऊ। किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) के ओरल पैथोलॉजी विभाग के प्रोफेसर डॉ. फहद मंसूर समदी को दंत चिकित्सा के क्षेत्र की प्रतिष्ठित रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियंस एंड सर्जन्स ऑफ ग्लासगो की फेलोशिप से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान दंत चिकित्सा क्षेत्र में व्यावसायिक उत्कृष्टता, विशेषज्ञता और उपलब्धियों के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। डॉ. समदी उत्तर भारत के प्रथम ओरल पैथोलॉजिस्ट हैं, जिन्हें यह प्रतिष्ठित फेलोशिप प्राप्त हुई है। इसके साथ ही वे भारत के चुनिंदा ओरल पैथोलॉजिस्टों में शामिल हो गए हैं, जिन्हें यह सम्मान मिला है।

केजीएमयू के फैकल्टी ऑफ डेंटल साइंसेज से यह फेलोशिप प्राप्त करने वाले वे तीसरे दंत चिकित्सक हैं। उनसे पहले यह सम्मान पद्म श्री से सम्मानित प्रो. शादाब मोहम्मद और स्वर्गीय प्रो. दिव्या मेहरोत्रा को मिल चुका है। डॉ. समदी की उपलब्धि को केजीएमयू और फैकल्टी ऑफ डेंटल साइंसेज के लिए गौरवपूर्ण माना जा रहा है। रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियंस एंड सर्जन्स ऑफ ग्लासगो विश्व के ऐतिहासिक चिकित्सा संस्थानों में शामिल है। इसकी स्थापना वर्ष 1599 में हुई थी। संस्थान ने चिकित्सा और शल्य चिकित्सा के क्षेत्र में 425 वर्षों से अधिक समय की गौरवशाली परंपरा कायम की है। इसकी फेलोशिप अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिकित्सा एवं दंत चिकित्सा क्षेत्र में पेशेवर दक्षता और विशेषज्ञता का प्रतीक मानी जाती है। डॉ. समदी की इस उपलब्धि से केजीएमयू के ओरल पैथोलॉजी विभाग की प्रतिष्ठा बढ़ी है। यह सम्मान दंत चिकित्सा शिक्षा, शोध और अकादमिक उत्कृष्टता के क्षेत्र में संस्थान के योगदान को भी रेखांकित करता है।

कजरी तीज पर फिर जीवंत हुई गांवों की जरई परंपरा, बुजुर्गों से मिला आशीर्वाद

एजेंसी, मीरजापुर

आधुनिकता और बदलती जीवनशैली के बीच मीरजापुर के ग्रामीण क्षेत्रों में सोमवार को कजरी तीज के अवसर पर सदियों पुरानी 'जरई' परंपरा की खूबसूरत झलक देखने को मिली। बालिकाएं हाथों में जौ के छोटे-छोटे पौधे लेकर परिचितों और बुजुर्गों के घर पहुंचीं। उन्होंने बुजुर्गों के कान में जरई खोंसी और उनका आशीर्वाद लिया। इसके बदले बुजुर्गों ने उन्हें नेग के रूप में रुपये दिए तथा सुख-समृद्धि की कामना की।

कजरी तीज पर सुबह से ही गांवों में बालिकाओं में जरई लगाने को लेकर उत्साह नजर आया। जरई की रस्म के दौरान घर-घर अपनापन और उल्लास का माहौल बना रहा। नेग मिलने पर बालिकाओं के चेहरे भी खुशी से खिल उठे। कोटार निवासी दुष्यंत सिंह और बुजुर्ग गुलाब सिंह ने बताया कि पहले कजरी तीज पर जरई की परंपरा गांवों में काफी लोकप्रिय थी। बालिकाएं घर-घर जाकर जरई लगाती थीं और बुजुर्ग उन्हें स्नेहपूर्वक नेग देते थे। यह रस्म केवल धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि नई पीढ़ी को लोकसंस्कृति, रिश्तों और सामाजिक जुड़ाव से जोड़ने का माध्यम भी थी।

हालांकि बदलती जीवनशैली और आधुनिक फैशन के कारण यह परंपरा धीरे-धीरे सिमट रही है। बुजुर्गों का कहना है कि ऐसी लोकपरंपराएं समाज की पहचान हैं और इन्हें अगली पीढ़ी तक पहुंचाना जरूरी है। सोमवार को गांवों में निभाई गई जरई की रस्म ने साबित किया कि आधुनिक दौर में भी लोक संस्कृति की खुशबू कायम है।इस परंपरा में केवल रस्म नहीं, बल्कि पारिवारिक स्नेह, सामाजिक संबंध और लोकसंस्कृति की गहरी भावना जुड़ी है। बुजुर्गों के आशीर्वाद और बालिकाओं के उत्साह ने गांवों में पुरानी यादों को फिर ताजा कर दिया।

संस्कृति

विजिट माय स्टेट' के तहत 'जेन-जी' बनेंगे कल्चरल एम्बेसडर, उत्तर प्रदेश पर्यटन की अनूठी पहल

युवा कहानीकार अपनी आवाज से दुनिया तक पहुंचाएं उत्तर प्रदेश की संस्कृति: जयवीर सिंह

एजेंसी, लखनऊ

डिजिटल दौर में युवाओं की पसंद और उनकी रचनात्मक अभिव्यक्ति पर्यटन के नए रुझानों को प्रभावित कर रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने युवाओं को अपने-अपने शहरों की संस्कृति, विरासत और स्थानीय पहचान का प्रतिनिधि बनाने की पहल शुरू की है। 'विजिट माय स्टेट उत्तर प्रदेश' अभियान के तहत उत्तर प्रदेश पर्यटन ने युवाओं से अपने शहर की अनकही कहानियां, स्थानीय परंपराएं, खान-पान और कम चर्चित पर्यटन स्थलों को अधिकतम 60 सेकंड की रील के माध्यम से दुनिया के सामने प्रस्तुत करने का आह्वान किया है।

इस अभियान के जरिए प्रदेश को स्थानीय लोगों की नजर से दिखाने की तैयारी है। युवा अपने शहर की उन खासियतों को सामने ला सकेंगे, जिनसे वे व्यक्तिगत रूप से जुड़े हैं। शहर की ऐतिहासिक विरासत, पुराने मोहल्ले, स्थानीय व्यंजन, हस्तशिल्प, त्योहार, रीति-रिवाज और पर्यटकों की नजरों से दूर रहे स्थल रील का हिस्सा बन सकते हैं। आज के समय में युवा किसी पर्यटन स्थल की जानकारी हासिल करने के लिए छोटे वीडियो और स्थानीय लोगों के अनुभवों को काफी महत्व देते हैं। यात्रा की योजना बनाने से पहले इंटरनेट पर उपलब्ध वीडियो सामग्री उनके निर्णय को प्रभावित करती है। इसी बदलती प्रवृत्ति को देखते हुए

उत्तर प्रदेश पर्यटन ने रील्स के माध्यम से प्रदेश की पर्यटन संपदा को प्रचारित करने की योजना बनाई है।

इस पहल के माध्यम से प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों को नए नजरिए से प्रस्तुत करने के साथ-साथ कम चर्चित स्थानों को भी पहचान दिलाने का प्रयास किया जाएगा। स्थानीय लोगों की आवाज और उनके व्यक्तिगत अनुभव किसी स्थान की कहानी को अधिक सहज और प्रभावी तरीके से दर्शा सकते हैं। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान केवल प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों तक सीमित नहीं है।

प्रदेश के हर जिले, शहर और गांव की अपनी अलग कहानी और विशेष पहचान है। स्थानीय खान-पान, हस्तशिल्प, त्योहार, परंपराएं और लोगों से जुड़ी कहानियां प्रदेश की समृद्ध विरासत को जीवंत बनाती हैं। उन्होंने कहा कि 'विजिट माय स्टेट उत्तर प्रदेश' अभियान के जरिए जेन-जी सहित अन्य युवाओं को अपने शहरों का सांस्कृतिक दूत बनाने का प्रयास किया जा रहा है। युवा अपनी भाषा, आवाज और अंदाज में शहर की विशेषताओं को दुनिया के सामने रखेंगे। इससे पर्यटकों को उत्तर प्रदेश को नए और अधिक रोचक नजरिए से जानने का अवसर मिलेगा।

अभियान में भाग लेने की प्रक्रिया सरल रखी गई है। प्रतिभागियों को अधिकतम 60 सेकंड की रील बनानी होगी। वीडियो में प्रतिभागी का स्वयं कैमरे के सामने आना जरूरी होगा। चेहरा स्पष्ट दिखाई देने के साथ आवाज भी साफ सुनाई देनी चाहिए। रील खुले स्थान पर तैयार करनी होगी और उसके पीछे शहर का कोई प्रमुख पर्यटन स्थल या पहचान से जुड़ा स्थान दिखाई देना चाहिए। प्रतिभागी हिंदी या अंग्रेजी में अपनी कहानी प्रस्तुत कर सकते हैं। किसी निर्धारित पटकथा की अनिवार्यता नहीं है। युवा अपने शब्दों और अपने अंदाज में कहानी सुनाएंगे। प्रत्येक वीडियो के अंत में 'विजिट माय स्टेट उत्तर प्रदेश' कहना अनिवार्य होगा।

कौशांबी में पटाखा फैक्टरी में भीषण धमाके मलबे में कई लोगों के दबे होने की आशंका

एजेंसी, कौशांबी

उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले में सोमवार को मनौरी गांव के पास एक पटाखा फैक्टरी में कई जोरदार धमाकों के बाद भीषण आग लग गई। धमाके इतने शक्तिशाली थे कि पूरी फैक्टरी जमींदोज हो गई। हादसे में आसपास स्थित पांच से सात मकानों के क्षतिग्रस्त होने की भी जानकारी सामने आई है। फैक्टरी के मलबे में कई लोगों के दबे होने की आशंका जताई जा रही है। फिलहाल हादसे में हुई मौतों की संख्या स्पष्ट नहीं हो सकी है।

कौशांबी में पटाखा फैक्टरी में धमाकों से मची भारी तबाही।

धमाकों के बाद फैक्टरी जमींदोज, मलबे में दबे लोगों की तलाश।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मनौरी गांव से कुछ दूरी पर आदिल नामक व्यक्ति की पटाखा फैक्टरी संचालित है। सोमवार दोपहर फैक्टरी में अचानक धमाका हुआ और इसके बाद आग लग गई। देखते ही देखते एक के बाद एक कई तेज धमाके होने लगे। इससे फैक्टरी का ढांचा भरभराकर गिर गया। हादसे के समय फैक्टरी में करीब 20 मजदूर काम कर रहे थे। धमाकों के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

धमाकों की आवाज करीब दो किलोमीटर दूर तक सुनाई देने की बात कही जा रही है। फैक्टरी से उठे धुएं का घना गुबार आसपास के इलाके में फैल गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और जिला प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंचीं और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। फायर ब्रिगेड की टीम आग बुझाने में जुटी है। लगातार हो रहे धमाकों के कारण बचाव दल को फैक्टरी के मलबे तक पहुंचने में काफी सावधानी बरतनी पड़ रही है। पुलिस और वायुसेना की टीमें भी राहत कार्य में सहयोग कर रही हैं। घटना से जुड़े सामने आए वीडियो में स्थानीय लोग झुलसे हुए लोगों को चारपाई पर ले जाते दिखाई दे रहे हैं।

कुछ घायल जमीन पर पड़े नजर आए। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल और पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण प्रजापत मौके पर मौजूद रहकर राहत कार्य की निगरानी कर रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि आग पूरी तरह बुझने और बचाव अभियान पूरा होने के बाद ही मृतकों, घायलों तथा संपत्ति के नुकसान की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल प्रशासन की प्राथमिकता मलबे में फंसे लोगों की तलाश और घायलों को तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है।

बेटे की मौत के मामले में माफीनामा बना विवाद की वजह, समाज प्रधान पर उठे सवाल

भारतेन्दु संवाददाता, करनाल

बीरू वाल्मीकि हत्याकांड से जुड़े हर्ष एनकाउंटर मामले में भाजपा विधायक जगमोहन आनंद की ओर से रोड समाज से माफी मांगने के बाद अब नया विवाद खड़ा हो गया है। विधायक की माफी स्वीकार किए जाने को लेकर सोशल मीडिया पर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। रोड समाज के प्रधान बलकार सिंह की भूमिका पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं।

जानकारी के अनुसार करनाल रेस्ट हाउस में हुई बैठक में विधायक जगमोहन आनंद, विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण और रोड समाज के अन्य पदाधिकारी व नेता मौजूद रहे। बैठक के दौरान विधायक की ओर से समाज से माफी मांगने की बात सामने आई। इसके बाद सोशल मीडिया पर कुछ लोगों ने समाज के प्रधान के फैसले पर सवाल उठाना शुरू कर दिया। एक सोशल मीडिया पोस्ट में इस मामले को लेकर तीखी टिप्पणी करते हुए लिखा गया कि 'बेटे की जान का सौदा-एक माफीनामा'। इस पोस्ट के बाद मामला और चर्चा में आ गया। हालांकि, सोशल मीडिया पर सामने आ रही टिप्पणियों और आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

हर्ष एनकाउंटर मामले को लेकर पहले से ही विवाद बना हुआ है। बीरू वाल्मीकि हत्याकांड के बाद हर्ष की पुलिस मुठभेड़ में मौत हुई थी। इस मामले को लेकर अलग-अलग पक्षों की ओर से सवाल उठते रहे हैं। अब भाजपा विधायक की ओर से रोड समाज से माफी मांगने और उसे स्वीकार किए जाने के बाद समाज के भीतर भी बहस तेज हो गई है। समाज से जुड़े कुछ लोगों का कहना है कि इतने गंभीर मामले में किसी भी निर्णय से पहले सभी पक्षों की भावनाओं और परिवार की स्थिति को ध्यान में रखना जरूरी था। वहीं, बैठक में शामिल नेताओं की ओर से मामले को शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाने का प्रयास किए जाने की बात सामने आई है। फिलहाल सोशल मीडिया पर चल रही बहस के बीच रोड समाज के प्रधान बलकार सिंह की भूमिका चर्चा में है।

विधानसभा के बाहर धक्का-मुक्की का मामला राजभवन पहुंचा, हुड्डा ने राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन

कांग्रेस विधायकों ने 27 अगस्त की घटना की निष्पक्ष जांच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

हरियाणा विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान शुरू हुआ राजनीतिक विवाद अब राजभवन तक पहुंच गया है। सोमवार को पूर्व मुख्यमंत्री एवं विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व में कांग्रेस विधायकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल प्रोफेसर असीम कुमार घोष से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को तीन पन्नों का ज्ञापन सौंपकर 27 अगस्त को विधानसभा परिसर के बाहर विधायकों के साथ हुई कथित धक्का-मुक्की और दुर्व्यवहार की शिकायत की।

कांग्रेस विधायकों ने ज्ञापन में कहा कि विधानसभा परिसर के बाहर जिस तरह का घटनाक्रम हुआ, वह लोकतांत्रिक व्यवस्था और निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के अधिकारों से जुड़ा गंभीर विषय है। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की।

कांग्रेस का आरोप है कि विधायकों के साथ दुर्व्यवहार किया गया और उनके लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन हुआ। प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से आग्रह किया कि घटना की निष्पक्ष और स्वतंत्र तरीके से जांच कराई जाए, ताकि पूरे घटनाक्रम की वास्तविक स्थिति सामने आ सके। साथ ही कांग्रेस ने दोषी पाए जाने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग भी की है।

कांग्रेस विधायकों ने केवल मौजूदा घटना की जांच की मांग ही नहीं की, बल्कि भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा न बने, इसके लिए विधानसभा परिसर में स्पष्ट और संस्थागत सुरक्षा प्रोटोकॉल तय करने की मांग भी रखी। उनका कहना है कि विधानसभा लोकतांत्रिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण केंद्र है और यहां आने वाले निर्वाचित प्रतिनिधियों की सुरक्षा तथा सम्मान सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है।

हुड्डा के नेतृत्व में राज्यपाल से हुई इस मुलाकात को कांग्रेस की ओर से सरकार पर दबाव बनाने की रणनीति के रूप में भी देखा जा रहा है। मानसून सत्र के पहले दिन से ही विभिन्न मुद्दों को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली है। अब 27 अगस्त की घटना को लेकर कांग्रेस ने राजभवन का रुख किया है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि विधानसभा में विपक्ष की भूमिका लोकतांत्रिक व्यवस्था का अहम हिस्सा है। ऐसे में विपक्षी विधायकों को अपनी बात रखने और अपने लोकतांत्रिक अधिकारों का इस्तेमाल करने के लिए उचित माहौल मिलना चाहिए।

खेत में बिजली का तार ठीक करते वार्ड अटेंडेंट की करंट से मौत

भारतेन्दु संवाददाता, कुरुक्षेत्र

गांव बारना में खेत में बिजली का तार ठीक करते समय करंट लगने से एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान बारना निवासी अंकित के रूप में हुई है। अंकित पिछले कई वर्षों से लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल में वार्ड अटेंडेंट के पद पर कार्यरत था। हादसे के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है। जानकारी के अनुसार अंकित खेत में किसी कार्य के सिलसिले में गया था। इसी दौरान वह बिजली के तार को ठीक करने लगा।

तार ठीक करते समय अचानक उसे करंट लग गया और वह बेसुध होकर जमीन पर गिर पड़ा। आसपास मौजूद लोगों और स्वजन को घटना की जानकारी मिलने पर उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया। स्वजन बेसुध हालत में अंकित को लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल लेकर पहुंचे। चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पुलिस को दी गई, जिसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी जुटाई। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव का पोस्टमार्टम करवाया।

पोस्टमार्टम के बाद शव स्वजनों को सौंप दिया गया। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि अंकित परिवार का आर्थिक सहारा था और उसकी शादी की तैयारियां भी चल रही थीं। अचानक हुए इस हादसे से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में भी घटना के बाद शोक का माहौल बना हुआ है। स्थानीय लोगों ने बिजली के तारों और खेतों में विद्युत व्यवस्था की नियमित जांच कराने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह के हादसों को रोका जा सके।

जुगाड़ू वाहनों की बढ़ती संख्या से वैध चालकों में रोष, हादसों का भी खतरा

भारतेन्दु संवाददाता, यमुनानगर

छछरौली-प्रतापनगर क्षेत्र में जुगाड़ू लोडिंग वाहनों की बढ़ती संख्या से वैध रूप से वाहन चलाकर रोजी-रोटी कमाने वाले चालकों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। टेंपो और पिकअप चालकों का दावा है कि क्षेत्र में 150 से अधिक जुगाड़ू मोटरसाइकिल लोडिंग वाहन सक्रिय हैं। इन वाहनों के कारण उन्हें काम और आमदनी दोनों में नुकसान उठाना पड़ रहा है।

चालकों के अनुसार, कई जुगाड़ू वाहन करीब 30 हजार रुपये की लागत से तैयार किए जा रहे हैं। मोटरसाइकिल में बदलाव कर उसके पीछे सामान ढोने के लिए ढांचा लगाया जाता है। इसके बाद इनका इस्तेमाल विभिन्न सामान की ढुलाई में किया जा रहा है। चालकों का आरोप है कि कुछ वाहन बिना नंबर, लाइसेंस और जरूरी कागजात के सड़कों पर दौड़ रहे हैं।

जुगाड़ू वाहनों की बढ़ती संख्या से वैध चालकों की रोजी-रोटी प्रभावित।

वैध वाहन चालकों का कहना है कि उन्होंने वाहन खरीदने के साथ पंजीकरण, बीमा और अन्य जरूरी औपचारिकताएं पूरी की हैं। इसके अलावा उन्हें नियमित रूप से विभिन्न खर्च भी उठाने पड़ते हैं। दूसरी ओर, जुगाड़ू वाहन कम लागत में तैयार होने के कारण कम किराये पर सामान ढो रहे हैं। इससे वैध टेंपो और पिकअप चालकों के सामने प्रतिस्पर्धा की स्थिति पैदा हो गई है और उनकी आय प्रभावित हो रही है।

आगरा नहर किनारे जंगल में मिला पुजारी का शव पुलिस जांच में जुटी

भारतेन्दु संवाददाता, फरीदाबाद। सेक्टर-31 थाना क्षेत्र में मंदिर के पीछे आगरा नहर किनारे जंगल में सोमवार सुबह पुजारी का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर बीके अस्पताल के शवगृह में पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। मृतक की पहचान करीब 55 वर्षीय ओम प्रकाश यादव के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, ओम प्रकाश पिछले करीब एक वर्ष से मंदिर में रहकर पूजा-पाठ करते थे। सोमवार सुबह पुलिस को सूचना मिली कि मंदिर के पीछे जंगल में पुजारी का शव पड़ा हुआ है। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू की। पुलिस को पुजारी के सिर पर चोट के निशान मिले हैं। ऐसे में मौत को लेकर हत्या की आशंका भी जताई जा रही है। हालांकि, पुलिस ने अभी मौत के कारणों की पुष्टि नहीं की है और सभी पहलुओं से मामले की जांच की जा रही है।

साइबर अपराधियों पर कसेगा शिकंजा हरियाणा पुलिस में बनेगी एआई टास्क फोर्स

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

बदलते अपराध के स्वरूप और तेजी से बढ़ती डिजिटल चुनौतियों के बीच हरियाणा पुलिस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को पुलिसिंग का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाने की तैयारी कर रही है। इसी दिशा में हरियाणा पुलिस में एआई टास्क फोर्स का गठन किया जा रहा है। टास्क फोर्स का नेतृत्व आईपीएस रैंक के अधिकारी को सौंपा जाएगा, जिन्हें हरियाणा पुलिस का एआई अफसर नामित किया गया है।

हरियाणा के पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल ने सोमवार को चंडीगढ़ में जारी जानकारी में बताया कि टास्क फोर्स का उद्देश्य पुलिसिंग में एआई के व्यावहारिक और सुरक्षित इस्तेमाल को बढ़ावा देना है। इसके माध्यम से जांच प्रक्रिया और नागरिक सेवाओं को अधिक तेज, प्रभावी और व्यवस्थित बनाने पर काम किया जाएगा।

पुलिस द्वारा शिकायतों और न्यायालयों से संबंधित सूचनाओं के प्रबंधन, आंकड़ों के प्रसंस्करण तथा आवश्यक कार्रवाई में भी एआई आधारित प्रणालियों का उपयोग किया जा रहा है। अजय सिंघल ने कहा कि अपराधी जिस तेजी से तकनीक का इस्तेमाल कर रहे हैं, पुलिस को उससे एक कदम आगे रहकर अपनी तकनीकी क्षमता विकसित करनी होगी। एआई पुलिसिंग को अधिक आंकड़ा आधारित, तेज और सटीक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

प्रस्तावित टास्क फोर्स पुलिसिंग में एआई के संभावित उपयोगों की पहचान करेगी और मौजूदा प्रणालियों में एआई आधारित समाधान लागू करने के साथ अधिकारियों की तकनीकी क्षमता बढ़ाने पर भी काम करेगी। भविष्य में इसका इस्तेमाल आंकड़ा विश्लेषण, साइबर अपराध जांच, डिजिटल साक्ष्यों के विश्लेषण, दस्तावेजों की प्रक्रिया और अपराध के पैटर्न की पहचान में किया जा सकता है। पुलिस अधीक्षक साइबर मयंक गुप्ता ने बताया कि साइबर अपराधों की जांच में बड़ी मात्रा में डिजिटल डेटा, बैंकिंग लेन-देन, मोबाइल और ऑनलाइन गतिविधियों से जुड़ी सूचनाओं का विश्लेषण करना पड़ता है।

न्यूज ब्रीफ

कालाआम्ब मार्ग पर हादसा, अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, यमुनानगर। यमुनानगर के साढ़ौरा में कालाआम्ब मार्ग पर बाबा बंदा सिंह बहादुर चौक के पास सोमवार सुबह दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान गांव कपूरी कलां निवासी सुशील (32) के रूप में हुई है। वह नाइट ड्यूटी पूरी कर बाइक से अपने घर लौट रहा था। जानकारी के अनुसार पोल्ट्री फार्म के सामने पहुंचते ही किसी अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में सुशील गंभीर रूप से घायल हो गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया। हादसे की जानकारी मिलने पर परिजन घटनास्थल पर पहुंचे और उनका रो-रोकर बुरा हाल हो गया। सुशील दो बच्चों का पिता था। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक की तलाश शुरू कर दी है। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

कुरुक्षेत्र हत्याकांड में विमला की मानसिक स्थिति की मेडिकल बोर्ड करेगा जांच

भारतेन्दु संवाददाता, कुरुक्षेत्र। पति राजेश की हत्या के मामले में आरोपी विमला की मानसिक स्थिति की अब मेडिकल बोर्ड जांच करेगा। आरोप है कि पति की हत्या के बाद उसने उसके शरीर से आंतें, किडनी और लीवर का हिस्सा निकाल दिया था। घटना के बाद विमला ने छत से कूदकर आत्महत्या का प्रयास किया था, जिसके बाद उसका अस्पताल में उपचार चल रहा है। जानकारी के अनुसार 27 अगस्त को विमला को बेहतर उपचार के लिए चंडीगढ़ पीजीआई रेफर किया गया था। हालांकि, उसने वहां इलाज कराने से इनकार कर दिया। इसके बाद उसकी मानसिक स्थिति को लेकर चिकित्सकों और जांच अधिकारियों के सामने सवाल खड़े हुए हैं। अब मेडिकल बोर्ड गठित कर उसकी मानसिक स्थिति का परीक्षण कराया जाएगा। बोर्ड की रिपोर्ट मामले की जांच और आगे की कानूनी प्रक्रिया में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है और चिकित्सकीय रिपोर्ट का इंतजार है।

रिटायरमेंट के दिन आईएएस डी. सुरेश को हाईकोर्ट से राहत, गिरफ्तारी पर मिली सुरक्षा

भारतेन्दु संवाददाता, पंचकूला। हरियाणा कैडर के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी डॉ. डी. सुरेश कुमार को सोमवार को रिटायरमेंट के दिन भ्रष्टाचार के मामले में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट से राहत मिली। गुरुग्राम एंटी करप्शन ब्यूरो ने प्लॉट आवंटन से जुड़े मामले में उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। मामले की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने निर्देश दिया कि यदि जांच एजेंसी को डी. सुरेश की हिरासत की आवश्यकता पड़ती है तो उन्हें सात दिन पहले नोटिस देना होगा। इससे अधिकारी को तत्काल हिरासत से राहत मिली है। प्लॉट आवंटन मामले में एफआईआर दर्ज होने के बाद यह मामला चर्चा में आया था। डी. सुरेश कुमार की सोमवार को सेवानिवृत्ति भी निर्धारित थी। हाईकोर्ट के निर्देश के बाद अब जांच एजेंसी को आगे की कार्रवाई निर्धारित प्रक्रिया के तहत करनी होगी। मामले में जांच जारी है और आगे की कार्रवाई अदालत के निर्देशों के अनुरूप होगी।

करनाल नहर की झाल में फंसा मिला युवक का शव, रस्सियों से निकाला बाहर

भारतेन्दु संवाददाता, करनाल। करनाल जिले के इंद्री क्षेत्र में पश्चिमी यमुना नहर की झाल में सोमवार को एक युवक का शव फंसा मिला। शव दिखाई देने पर स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। जानकारी मिलते ही पुलिस टीम गोताखोरों के साथ मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकालने का प्रयास शुरू किया। गोताखोरों ने काफी मशक्कत के बाद रस्सियों की मदद से शव को झाल से बाहर निकाला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पहचान के प्रयास शुरू कर दिए हैं। अभी तक मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। प्राथमिक जानकारी के अनुसार युवक ने यमुनानगर क्षेत्र में नहर में छलांग लगाई थी। इसके बाद पानी के बहाव में शव बहकर इंद्री तक पहुंचने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस आसपास के थानों से भी संपर्क कर युवक की पहचान करने में जुटी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

वन विभाग पर 70 गायों को भूखा-प्यासा रखने का आरोप, किसानों ने किया विरोध

भारतेन्दु संवाददाता, साढौरा

साढौरा में वन विभाग कार्यालय के बाहर रविवार देर शाम भारतीय किसान यूनियन चढ़ूनी ग्रुप के नेतृत्व में किसानों ने धरना देकर विरोध प्रदर्शन किया। किसानों ने वन विभाग के कर्मचारियों पर चरवाहों की करीब 70 गायों को कई घंटे तक कार्यालय परिसर में बंधक बनाकर रखने का आरोप लगाया। किसानों का कहना था कि गायों को दोपहर करीब दो बजे से परिसर में रखा गया था और उन्हें भूखा-प्यासा रखने से उनकी परेशानी बढ़ गई थी।

गायों को भूखा-प्यासा रखने का आरोप लगाकर किसानों ने वन विभाग के खिलाफ जताया विरोध।

भाकियू चढ़ूनी ग्रुप के प्रदेश उपाध्यक्ष संजीव सैनी के नेतृत्व में किसान वन विभाग कार्यालय के गेट पर दरी बिछाकर धरने पर बैठ गए। उन्होंने विभाग के कर्मचारियों से गायों को तुरंत बाहर निकालने की मांग की। किसानों के धरने की सूचना मिलने पर मौके पर गौरक्षा दल के सदस्य और साढौरा पुलिस भी पहुंच गई। इस दौरान किसानों ने वन विभाग की कार्रवाई पर नाराजगी जताते हुए कहा कि चरवाहों की गायों को इस तरह लंबे समय तक बंधक बनाकर रखना उचित नहीं है।

संजीव सैनी ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि वन विभाग के कर्मचारियों ने करीब 70 गायों को दोपहर दो बजे से वन विभाग कार्यालय परिसर में रोक रखा है। सूचना मिलने के बाद उन्होंने किसानों के साथ मौके पर पहुंचकर विरोध जताया। किसानों ने अधिकारियों से गायों को जल्द मुक्त करने की मांग की और धरना शुरू कर दिया। करीब साढ़े तीन घंटे तक चले धरने और विरोध के बाद रात लगभग साढ़े 10 बजे गायों को वन विभाग परिसर से बाहर निकाल दिया गया। इसके बाद किसानों ने राहत की सांस ली। मौके पर पुलिस और गौरक्षा दल की मौजूदगी में स्थिति पर नजर रखी गई। किसानों ने कहा कि भविष्य में चरवाहों और पशुपालकों से संबंधित किसी भी कार्रवाई में नियमों का पालन किया जाना चाहिए।

साथ ही उन्होंने मांग की कि पशुओं को रखने की स्थिति में उनके चारे और पानी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। घटना को लेकर क्षेत्र में किसानों और वन विभाग के बीच विवाद चर्चा का विषय बना हुआ है। वन विभाग की ओर से मामले में अपना पक्ष स्पष्ट नहीं किया गया। किसानों ने चेतावनी दी कि यदि भविष्य में ऐसी कार्रवाई दोहराई गई तो वे विभाग के खिलाफ फिर आंदोलन करेंगे और अधिकारियों से उचित समाधान की मांग करेंगे।

यमुनानगर में सफाई व्यवस्था का प्लान तैयार, 6.46 करोड़ के टेंडर को मंजूरी

भारतेन्दु संवाददाता, यमुनानगर

फुटपाथ और साइकिल ट्रैक के साथ विकसित होगी नई सड़क।

यमुनानगर-जगाधरी शहर की सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नगर निगम ने बड़ा फैसला लिया है। डोर-टू-डोर कचरा उठान और निपटान का काम कर रही एजेंसी का कार्यकाल 31 अगस्त को समाप्त हो गया। नए बड़े टेंडर को अभी मंजूरी नहीं मिलने के कारण नगर निगम ने फिलहाल चार माह के लिए छोटा टेंडर फाइनल किया है। इसके लिए करीब 6 करोड़ 46 लाख रुपये की स्वीकृति मिली है।

नगर निगम प्रशासन का कहना है कि नई व्यवस्था के तहत जल्द ही संबंधित एजेंसी को काम सौंप दिया जाएगा, ताकि शहर में घर-घर से कचरा उठाने की व्यवस्था प्रभावित न हो। इसके साथ ही सफाई व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए करीब 350 नए सफाई कर्मचारियों की नियुक्ति की जाएगी। इससे शहर के विभिन्न वार्डों में सफाई कार्य को गति मिलने की उम्मीद है। वर्तमान में डोर-टू-डोर कचरा उठान और उसके निपटान का काम एक ही एजेंसी के माध्यम से कराया जा रहा है। शहर में दिन के साथ-साथ रात के समय भी कचरा उठाने की व्यवस्था है।

यमुनानगर-जगाधरी नगर निगम के अंतर्गत कुल 22 वार्ड हैं। इन वार्डों से प्रतिदिन लगभग 250 से 300 टन कचरा निकलता है। शहर से एकत्रित किए जाने वाले कचरे का निपटान कैल गांव में स्थापित प्लांट में किया जाता है। बड़ी मात्रा में प्रतिदिन कचरा निकलने के कारण नगर निगम के सामने इसके नियमित उठान और उचित निपटान की चुनौती बनी रहती है। ऐसे में 350 नए सफाई कर्मचारियों की नियुक्ति से सफाई कार्य में अतिरिक्त मानव संसाधन उपलब्ध होगा।

नगर निगम प्रशासन की ओर से चार माह के लिए किए गए अस्थायी प्रबंध का उद्देश्य नई स्थायी व्यवस्था लागू होने तक सफाई और कचरा उठान का काम निर्बाध रूप से जारी रखना है। अधिकारियों को उम्मीद है कि नई व्यवस्था से शहर में सफाई व्यवस्था में सुधार आएगा और लोगों को कचरे की समस्या से राहत मिलेगी। नई व्यवस्था लागू होने के बाद नियमित कचरा उठान, बेहतर सफाई और शहर की स्वच्छता व्यवस्था को और प्रभावी बनाने की उम्मीद है।

सिरसा में मतदाता सूची संशोधन की समय सीमा बढ़ी

भारतेन्दु संवाददाता, सिरसा। भारत निर्वाचन आयोग ने एक जुलाई 2026 को अर्हता तिथि मानते हुए मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण की संशोधित समय-सारिणी जारी की है। इसके तहत सिरसा जिले में मतदाता सूची से संबंधित दावे और आपत्तियां दाखिल करने की समय-सीमा बढ़ा दी गई है। हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय ने 29 अगस्त को सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को संशोधित कार्यक्रम के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। चुनाव तहसीलदार हनुमान दास ने बताया कि संशोधित कार्यक्रम के अनुसार अब मतदाता सूची को लेकर दावे एवं आपत्तियां 30 सितंबर तक दाखिल की जा सकेंगी। इसके बाद दावे और आपत्तियों से संबंधित नोटिस जारी करने तथा उनके निपटारे की प्रक्रिया 28 अक्टूबर तक चलेगी। प्रशासन की ओर से मतदाता सूची के पुनरीक्षण की प्रक्रिया निर्धारित नियमों के अनुसार पूरी की जाएगी।

25 दिन से सफाई ठप, कचरे के ढेर से बीमारियों का बढ़ा खतरा

कचरा नहीं उठने से तलाई बाजार के दुकानदारों ने तीन घंटे बाजार बंद कर जताया विरोध

भारतेन्दु संवाददाता, कैथल

कैथल जिले में सफाई कर्मियों की मांगों को लेकर पिछले 25 दिनों से जारी हड़ताल के कारण शहर की सफाई व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हो गई है। बाजारों, कालोनियों और मुख्य सड़कों पर जगह-जगह कचरे के ढेर लगे हैं। लगातार जमा हो रहे कचरे से दुर्गंध फैलने के साथ ही लोगों में बीमारियां फैलने का खतरा भी बढ़ गया है। समस्या का समाधान नहीं होने से दुकानदारों में भी रोष बढ़ता जा रहा है।

सोमवार को तलाई बाजार के दुकानदारों ने सफाई व्यवस्था की बदहाली के विरोध में सुबह नौ बजे से दोपहर 12 बजे तक बाजार बंद रखा। दुकानदारों ने कहा कि लंबे समय से कचरा नहीं उठाए जाने के कारण बाजार में दो से तीन स्थानों पर बड़े-बड़े ढेर लग गए हैं। इससे दुकानदारों के साथ-साथ बाजार में खरीदारी करने आने वाले लोगों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दुकानदारों का कहना है कि बाजार में कचरा जमा होने से ग्राहकों की आवाजाही भी प्रभावित हो रही है। कई ग्राहक गंदगी देखकर दुकानों तक आने से कतरा रहे हैं।

दुकानदारों ने आरोप लगाया कि सफाई व्यवस्था प्रभावित होने के कारण आसपास का वातावरण भी खराब हो रहा है। उनका कहना है कि कई दुकानदारों की तबीयत भी खराब हुई है और यदि जल्द कचरा नहीं उठाया गया तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। तलाई बाजार के दुकानदारों ने प्रशासन से तत्काल सफाई व्यवस्था बहाल करने और जमा कचरे का उठान कराने की मांग की है।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि अगले एक-दो दिनों में समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे नियमित रूप से बाजार बंद करने के लिए मजबूर होंगे। दुकानदारों का कहना है कि उनका उद्देश्य केवल विरोध करना नहीं, बल्कि शहर की सफाई व्यवस्था को जल्द सामान्य कराना है। सफाई कर्मियों की हड़ताल के कारण केवल तलाई बाजार ही नहीं, बल्कि शहर के कई अन्य हिस्सों में भी सफाई व्यवस्था प्रभावित होने की बात सामने आ रही है। कचरा समय पर नहीं उठने से सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी बढ़ती जा रही है। इससे आम लोगों को परेशानी हो रही है और संक्रमण फैलने की आशंका भी बनी हुई है।

दुकानदारों और स्थानीय लोगों ने प्रशासन से सफाई कर्मियों की मांगों को लेकर जल्द समाधान निकालने की अपील की है, ताकि शहर में सफाई व्यवस्था दोबारा पटरी पर लौट सके। वहीं, दुकानदारों का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो विरोध को और तेज किया जा सकता है। इसके अलावा दुकानदारों ने कहा कि बाजार में कचरा जमा होने से दुर्गंध और गंदगी बढ़ रही है। इससे दुकानदारों के कारोबार पर असर पड़ने के साथ ग्राहकों की संख्या भी कम हो रही है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से सफाई कर्मियों की मांगों का जल्द समाधान कर हड़ताल समाप्त कराने की अपील की है।

सेवानिवृत्ति के दिन अधीक्षण अभियंता गीतू राम की जहरीला पदार्थ निगलने से मौत

भारतेन्दु संवाददाता, करनाल

बिजली निगम के अधीक्षण अभियंता गीतू राम की सोमवार को सेवानिवृत्ति के दिन जहरीला पदार्थ निगलने से मौत हो गई। गीतू राम अपने विवादित 'जाट और झोटे' वाले बयान को लेकर पहले सुर्खियों में आ चुके थे। घटना के बाद उनकी बेटियों ने व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाते हुए न्याय की मांग की है। जानकारी के अनुसार करनाल के सेक्टर-9 निवासी गीतू राम की सोमवार को विभाग से सेवानिवृत्ति थी। वह सुबह करीब सात बजे घर से निकले थे। इसके बाद उनकी गाड़ी डीएवी स्कूल के पास खड़ी मिली। गाड़ी के अंदर गीतू राम संदिग्ध अवस्था में बेसुध पड़े थे। बताया गया कि उन्होंने जहरीला पदार्थ निगल लिया था।

आसपास के लोगों और अन्य व्यक्तियों की मदद से उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाने का प्रयास किया गया। उनकी हालत गंभीर थी और अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी। गीतू राम के निधन की सूचना मिलते ही परिवार में शोक की लहर दौड़ गई। उनकी बेटियों ने घटना को लेकर कई गंभीर सवाल उठाए और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि उनके पिता किन परिस्थितियों से गुजर रहे थे, इसकी जानकारी सामने आनी चाहिए। अधीक्षण अभियंता गीतू राम कुछ समय पहले अपने एक विवादित बयान को लेकर चर्चा में आए थे।

उनके बयान को लेकर काफी विवाद हुआ था और मामला सार्वजनिक रूप से भी सुर्खियों में रहा। अब सेवानिवृत्ति के दिन उनकी मौत के बाद यह पुराना मामला फिर चर्चा में आ गया है। पुलिस फिलहाल घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है। गीतू राम ने जहरीला पदार्थ क्यों निगला और इसके पीछे क्या कारण रहे, इसका स्पष्ट पता जांच पूरी होने के बाद ही चल सकेगा। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है और परिवार के सदस्यों से भी जानकारी जुटाई जा रही है।

कचरे और अतिक्रमण से मुक्त होंगी सड़कें हरियाली और रोशनी से निखरेगी दिल्ली

एजेंसी, नई दिल्ली

रेखा गुप्ता सरकार ने राजधानी की सड़कों और फ्लाईओवरों के आसपास के उपेक्षित इलाकों को बेहतर बनाने की दिशा में नई पहल शुरू की है। इसके तहत सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल के माध्यम से दो निजी कंपनियों के साथ समझौता किया गया है। समझौते का उद्देश्य सड़कों और फ्लाईओवरों के नीचे की जगहों को स्वच्छ, हरित, सुरक्षित और नागरिकों के लिए उपयोगी बनाना है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और लोक निर्माण विभाग मंत्री प्रवेश साहिब सिंह की मौजूदगी में हुए इस करार के तहत विभिन्न स्थानों पर फेंसिंग, पौधारोपण, हरित क्षेत्र विकास, लैंडस्केपिंग और प्रकाश व्यवस्था जैसे कार्य किए जाएंगे। सरकार का मानना है कि इससे लंबे समय से उपेक्षित पड़ी जगहों का बेहतर उपयोग हो सकेगा और शहर की सुंदरता भी बढ़ेगी। इस परियोजना के लिए कंपनियां अपने सामाजिक उत्तरदायित्व कोष के माध्यम से काम करेंगी।

दीपाली से मंगोलपुरी बाजार तक करीब ढाई किलोमीटर लंबे फ्लाईओवर के निचले हिस्से को विकसित करने की योजना है। यहां फेंसिंग के साथ हरियाली और बेहतर रोशनी की व्यवस्था की जाएगी। इसके अलावा मथुरा रोड से एमपी मार्ग के आसपास स्थित हरित पट्टी के विकास और रखरखाव का काम भी सामाजिक उत्तरदायित्व पहल के तहत कराया जाएगा। इन क्षेत्रों में कचरा डंपिंग, अवैध झुग्गियां, सड़क किनारे अतिक्रमण और अनियोजित उपयोग जैसी समस्याओं को दूर करने पर जोर रहेगा।

यूसीसी और वंदेमातरम् पर आमने-सामने मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने छेड़ा अभियान

केंद्र के 'एक राष्ट्र, एक कानून' के रुख के विरोध में मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने आंदोलन का किया एलान

एजेंसी, नई दिल्ली

समान नागरिक संहिता (यूसीसी) और वंदेमातरम् को लेकर देश में बहस के बीच ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने विरोध तेज करने का फैसला किया है। बोर्ड ने केंद्र सरकार के 'एक राष्ट्र, एक कानून' के रुख के खिलाफ 'भारत बचाओ, शरिया बचाओ अभियान' शुरू करने की घोषणा की है। यह अभियान 17 सितंबर से शुरू होगा।

देश के कई राज्यों में समान नागरिक संहिता लागू करने की तैयारियों के बीच मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने यूसीसी को लेकर अपनी आपत्ति स्पष्ट की है। बोर्ड का कहना है कि समान नागरिक संहिता के जरिए व्यक्तिगत कानूनों में बदलाव से धार्मिक स्वतंत्रता और समुदाय से जुड़े अधिकार प्रभावित हो सकते हैं। इसी मुद्दे को लेकर बोर्ड लोगों के बीच जागरूकता अभियान चलाने की तैयारी में है।

बोर्ड के अनुसार, अभियान के दौरान यूसीसी से जुड़े प्रावधानों और उनके संभावित प्रभावों के बारे में लोगों को जानकारी दी जाएगी। साथ ही धार्मिक और व्यक्तिगत कानूनों की सुरक्षा को लेकर अपनी बात सार्वजनिक मंचों पर रखी जाएगी। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि वह इस मुद्दे को लेकर पीछे हटने के बजाय लगातार विरोध दर्ज कराएगा। यूसीसी के अलावा वंदेमातरम् को लेकर सामने आए प्रस्तावों ने भी विवाद को बढ़ा दिया है। खबर के अनुसार, वंदेमातरम् के सभी छह छंद गाने और इसके गायन के दौरान सावधान मुद्रा

में खड़े होने संबंधी कानून बनाने की चर्चा के बीच बोर्ड ने इस मुद्दे को भी अपने अभियान से जोड़ लिया है।

बोर्ड का मानना है कि धार्मिक मान्यताओं और व्यक्तिगत स्वतंत्रता से जुड़े विषयों पर किसी तरह की बाध्यता नहीं होनी चाहिए।

इसी कारण उसने वंदेमातरम् से संबंधित प्रस्तावों पर भी आपत्ति जताई है। केंद्र सरकार के 'एक राष्ट्र, एक कानून' के विचार के तहत समान नागरिक संहिता को लेकर आगे बढ़ने की कोशिशों के बीच बोर्ड ने अपना विरोध दर्ज कराया है।

किताब भूलना पड़ा भारी, धूप में खड़ी 10 वर्षीय छात्रा की मौत

एजेंसी, नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली के पूर्वी विनोद नगर इलाके से एक बेहद दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां स्थित सर्वोदय कन्या विद्यालय की 10 वर्षीय छात्रा की इलाज के दौरान मौत हो गई। बच्ची के परिजनों ने स्कूल प्रशासन पर अमानवीय व्यवहार का गंभीर आरोप लगाया है। उनका कहना है कि किताब स्कूल लाना भूलने पर छात्रा को सजा के तौर पर तेज धूप में खड़ा किया गया, जिसके बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई और आखिरकार उसकी जान चली गई।

बताया जा रहा है कि बच्ची स्कूल गई थी, लेकिन वह अपनी किताब साथ लाना भूल गई। आरोप है कि इसके बाद शिक्षक ने उसे दंड दिया और धूप में खड़ा रहने के लिए कहा। कुछ समय बाद उसकी तबीयत खराब हो गई। हालत बिगड़ने पर उसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी सामने आने के बाद इलाके में शोक और आक्रोश का माहौल है।

बच्ची के परिजनों ने मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। उनका आरोप है कि यदि समय रहते बच्ची की स्थिति पर ध्यान दिया जाता तो शायद उसकी जान बचाई जा सकती थी। वहीं, इस घटना ने स्कूलों में बच्चों को दिए जाने वाले दंड और उनकी सुरक्षा को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। परिजनों और स्थानीय लोगों ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि बच्ची की मौत किन परिस्थितियों में हुई और इसके लिए कौन जिम्मेदार है। प्रशासन की ओर से भी मामले को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक कार्रवाई की उम्मीद है।

सुकेश की याचिका पर दिल्ली पुलिस का विरोध, दोषसिद्धि के बाद चुनौती पर उठे सवाल

एजेंसी, नई दिल्ली

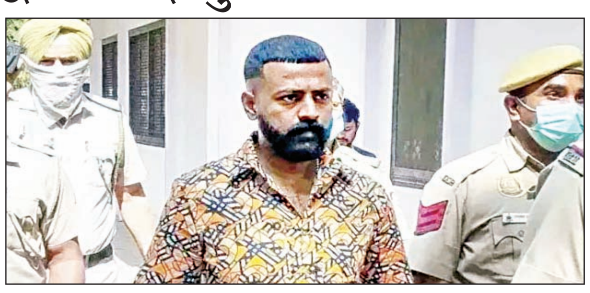

2017 के भ्रष्टाचार मामले में दोषी ठहराए गए ठग सुकेश चंद्रशेखर की याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट में सोमवार को सुनवाई हुई। दिल्ली पुलिस ने उसकी याचिका का विरोध करते हुए कहा कि दोषी ठहराए जाने के बाद इस तरह की चुनौती का औचित्य क्या है। पुलिस ने अदालत के समक्ष सुकेश की मांगों पर सवाल उठाए।

मामला उस प्रकरण से जुड़ा है, जिसमें सुकेश चंद्रशेखर पर खुद को सुप्रीम कोर्ट का न्यायाधीश बताकर एक विशेष न्यायाधीश को प्रभावित करने और जमानत प्रक्रिया को प्रभावित करने का प्रयास करने का आरोप था। इस मामले में निचली अदालत ने उसे दोषी करार दिया था। अब सुकेश ने दोषसिद्धि के फैसले को चुनौती देते हुए हाई कोर्ट का रुख किया है। सुनवाई के दौरान सुकेश की ओर से अदालत में यह मांग रखी गई कि दोषी ठहराते समय निचली अदालत की ओर से की गई कुछ टिप्पणियों को हटाया जाए। उसका आरोप है कि इन टिप्पणियों में न्यायिक पक्षपात दिखाई देता है।

सुकेश का कहना है कि फैसले में की गई टिप्पणियां उसके खिलाफ प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती हैं। दिल्ली हाई कोर्ट ने सुकेश से उसकी याचिका की योग्यता साबित करने को कहा। अदालत ने संकेत दिया कि याचिका में उठाए गए मुद्दों को कानूनी आधार पर स्पष्ट करना होगा। इसके बाद ही अदालत आगे की कार्रवाई पर विचार करेगी। दिल्ली पुलिस ने सुकेश की दलीलों का विरोध करते हुए कहा कि दोषसिद्धि के बाद अदालत की टिप्पणियों को चुनौती देने का सवाल उठाना उचित नहीं है।

पुलिस ने मामले में निचली अदालत के फैसले और कार्यवाही का हवाला देते हुए याचिका को स्वीकार किए जाने का विरोध किया। सुनवाई के दौरान अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनीं। फिलहाल हाई कोर्ट ने सुकेश को अपनी याचिका की योग्यता स्पष्ट करने के लिए कहा है। मामले की अगली कार्रवाई अदालत के निर्देशों के अनुसार आगे बढ़ेगी। यह मामला सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े उन मामलों में शामिल है, जिनमें उस पर न्यायिक प्रक्रिया को प्रभावित करने की कोशिश करने के गंभीर आरोप लगे हैं।

कनावनी में किसानों की महापंचायत, मुआवजे की मांग पर आंदोलन तेज करने का एलान

एजेंसी, नई दिल्ली

गाजियाबाद के कनावनी गांव में मुआवजे की मांग को लेकर किसानों का धरना लगातार 17वें दिन भी जारी रहा। रविवार को धरनास्थल पर किसानों ने महापंचायत आयोजित की, जिसमें आसपास के नौ गांवों के किसानों ने भाग लिया। महापंचायत में किसानों ने अपनी मांगों को लेकर आंदोलन को और तेज करने का निर्णय लिया।

महापंचायत में दुजाना, अच्छेजा, बड़पुरा, खैरपुर गुर्जर, कूड़ी खेड़ा, तिलपता, अकूदपुर, मोहियापुर और रसूलपुर नवादा गांवों से किसान पहुंचे। किसानों ने कहा कि लंबे समय से मुआवजे की मांग को लेकर संघर्ष किया जा रहा है, लेकिन अब तक उनकी समस्या का अपेक्षित समाधान नहीं हुआ है। इसके चलते आंदोलन को व्यापक रूप देने की जरूरत महसूस हो रही है। कनावनी गांव में किसान पिछले 17 दिनों से धरने पर बैठे हैं। किसानों का कहना है कि

नौ गांवों के किसान जुटे, महापंचायत में आंदोलन की अगली रणनीति पर बनी सहमति।

उनकी जमीन और उससे जुड़े मुआवजे के मामले में उचित कार्रवाई की जानी चाहिए।

महापंचायत के दौरान किसानों ने एकजुटता दिखाते हुए कहा कि मांग पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा। किसानों ने कहा कि महापंचायत का उद्देश्य आंदोलन की आगामी रणनीति तैयार करना और अधिक से अधिक किसानों को संघर्ष से जोड़ना है। नौ गांवों से किसानों की भागीदारी के बाद आंदोलन को मजबूती मिलने की बात कही गई।

महापंचायत में किसानों ने सर्वसम्मति से आंदोलन को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया। किसानों का कहना है कि यदि उनकी मांगों पर जल्द सकारात्मक कार्रवाई नहीं होती है तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। इसके लिए आने वाले दिनों में अलग-अलग स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए जाने की संभावना है। महापंचायत में किसानों ने अपनी एकजुटता बनाए रखने पर जोर दिया।

न्यूज ब्रीफ

भुगतान में देरी से आयुष्मान योजना से बाहर हुए 150 निजी अस्पताल

एजेंसी, नई दिल्ली। हरियाणा में आयुष्मान भारत योजना के तहत इलाज कराने वाले मरीजों की परेशानी बढ़ सकती है। भुगतान में देरी से नाराज प्रदेश के कई निजी अस्पतालों ने योजना से दूरी बनानी शुरू कर दी है। पिछले कुछ महीनों में करीब 150 निजी अस्पतालों ने आयुष्मान योजना के तहत सेवाएं देने से हाथ खींच लिए हैं। अस्पताल संचालकों का कहना है कि सरकार की ओर से इलाज के बदले समय पर भुगतान नहीं किया जा रहा है। इसके चलते अस्पतालों पर आर्थिक दबाव बढ़ रहा है। इस समस्या को लेकर इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की ओर से भी सरकार के समक्ष चिंता जताई गई है। इसी के चलते एक सितंबर को पैनल में शामिल निजी अस्पतालों ने आयुष्मान कार्डधारकों का इलाज नहीं करने का निर्णय लिया है। इससे योजना के लाभार्थियों को निजी अस्पतालों में उपचार कराने में परेशानी हो सकती है। अस्पतालों के अनुसार सरकार पर करीब 1200 करोड़ रुपये का भुगतान बकाया है। निजी अस्पतालों का कहना है कि यदि लंबित भुगतान जल्द जारी नहीं किया गया तो योजना के तहत सेवाएं प्रभावित होती रहेंगी। स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े लोगों का मानना है कि आयुष्मान योजना का लाभ लेने वाले मरीजों की सुविधा को देखते हुए सरकार और निजी अस्पतालों के बीच जल्द समाधान निकालना जरूरी है।

जंतर-मंतर विवाद के बाद फिर चर्चा में नाबालिग, नए वीडियो में लगाए गंभीर आरोप

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ अभद्र टिप्पणी को लेकर चर्चा में आई नोएडा की नाबालिग का एक और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में वह प्रधानमंत्री के लिए फिर आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल करती नजर आ रही है। वीडियो में नाबालिग अपनी स्थिति को लेकर बात करती दिखाई दे रही है। उसका कहना है कि उसकी जिंदगी नर्क बन गई है और उसे हर जगह परेशान किया जा रहा है। वीडियो सामने आने के बाद मामला एक बार फिर चर्चा में आ गया है। इससे पहले भी नाबालिग का एक वीडियो सामने आया था, जिसमें उसने प्रधानमंत्री के खिलाफ अपशब्द कहे थे। उस मामले को लेकर सोशल मीडिया पर काफी प्रतिक्रियाएं सामने आई थीं। हालांकि, वायरल हो रहे नए वीडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। वीडियो कब और कहां बनाया गया, इसकी भी स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है।

मंदिर दर्शन के बाद खदान में नहाना पड़ा भारी भाई समेत चार लोगों की डूबने से मौत

एजेंसी, नई दिल्ली। धौलपुर के आंगई थाना क्षेत्र के बिरजा गांव में रविवार सुबह पत्थर की खदान में भरे पानी में नहाते समय बड़ा हादसा हो गया। हादसे में आठ लोग डूब गए, जिनमें तीन सगी बहनों समेत चार की मौत हो गई, जबकि चार लोगों को ग्रामीणों ने बचा लिया। सभी का उपचार बाड़ी अस्पताल में चल रहा है। ग्रामीणों के अनुसार धौलपुर के नथुआ पुरा और मोरोली गांव के करीब 30 लोग शनिवार शाम ट्रैक्टर-ट्रॉली से हीरामन बाबा मंदिर में दर्शन करने पहुंचे थे। रात में मंदिर परिसर में रुकने के बाद रविवार सुबह कुछ लोग पास की खदान में नहाने चले गए। इसी दौरान एक युवक पानी में डूबने लगा। उसे बचाने के प्रयास में तीन बहनें भी गहरे पानी में चली गईं और डूब गईं। हादसे के बाद गांव में शोक की लहर है।

नशे में युवक ने पत्नी-बच्चों को पटरी पर लिटाया, पुलिस ने बचाई चार जानें

एजेंसी, नई दिल्ली। आगरा के अछनेरा क्षेत्र में घरेलू विवाद और शराब के नशे में एक युवक ने पत्नी और दो मासूम बच्चों की जान खतरे में डाल दी। रायभा रेलवे स्टेशन पर युवक पत्नी ममता और बच्चों संध्या (ढाई वर्ष) व प्रिंस (छह वर्ष) को लेकर पहुंचा। आरोप है कि विवाद के दौरान उसने पत्नी से मारपीट की और बाद में तीनों को रेलवे पटरी पर लिटाकर ट्रेन का इंतजार करने लगा। ग्रामीणों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और समय रहते युवक, उसकी पत्नी और दोनों बच्चों को रेलवे ट्रैक से हटा लिया। पुलिस के हटाने के करीब पांच मिनट बाद उसी पटरी से तेज रफ्तार ट्रेन गुजर गई। पुलिस की तत्परता से चारों की जान बच गई। मामले में पुलिस युवक से पूछताछ कर रही है। पुलिस ने परिवार को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाकर युवक को समझाया। घटना के बाद ग्रामीणों में भी अफरा-तफरी मच गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

मेट्रो स्टेशन तैयार, प्रवेश-निकास द्वार के लिए जमीन का इंतजार

एजेंसी, नई दिल्ली। ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो के तीन स्टेशनों के निर्माण में जमीन की कमी बड़ी बाधा बन गई है। इन स्टेशनों के प्रवेश और निकास द्वार बनाने के लिए गुरुग्राम मेट्रो रेल लिमिटेड (जीएमआरएल) को अब तक जमीन नहीं मिली है। इससे निर्माण कार्य प्रभावित होने की आशंका है। स्टेशन का डिजाइन और निर्माण प्रक्रिया आगे बढ़ाने के बाद जीएमआरएल ने हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) से प्रवेश और निकास द्वार के लिए आवश्यक जमीन उपलब्ध कराने का आग्रह किया है। अधिकारियों के अनुसार, जमीन मिलने के बाद ही इन हिस्सों का निर्माण शुरू किया जा सकेगा। तीनों स्टेशनों पर यात्रियों की आवाजाही के लिए प्रवेश और निकास द्वार बेहद महत्वपूर्ण हैं। ऐसे में जमीन की उपलब्धता परियोजना की गति के लिए जरूरी है। जीएमआरएल और एचएसवीपी के बीच समन्वय से समस्या का जल्द समाधान होने की उम्मीद है। अधिकारियों का ध्यान अब जमीन आवंटन की प्रक्रिया पर केंद्रित है।

महिलाओं के लिए राहत की उम्मीद, पिंक सहेली कार्ड की समयसीमा बढ़ने के आसार

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली की महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा की सुविधा को लेकर सोमवार को महत्वपूर्ण फैसला होने की संभावना है। दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) और क्लस्टर बसों में मुफ्त सफर के लिए पिंक सहेली स्मार्ट कार्ड बनवाने की समयसीमा एक बार फिर बढ़ाई जा सकती है। पहले बढ़ाई गई समयसीमा के अनुसार सोमवार को कार्ड बनवाने और कागजी पिंक टिकट के जरिए मुफ्त यात्रा की सुविधा का अंतिम दिन निर्धारित किया गया था।

डीटीसी से जुड़े सूत्रों के अनुसार, समयसीमा समाप्त होने के बावजूद बड़ी संख्या में महिलाएं पिंक सहेली स्मार्ट कार्ड बनवाने के लिए पहुंच रही हैं। महिलाओं की लगातार मांग और कार्ड बनवाने की प्रक्रिया में जारी रुचि को देखते हुए विभाग समयसीमा आगे बढ़ाने पर विचार कर रहा है। इस संबंध में सोमवार शाम तक स्थिति स्पष्ट होने की उम्मीद है।

पिंक सहेली स्मार्ट कार्ड योजना का उद्देश्य महिलाओं को बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा उपलब्ध कराना है। इसके तहत पात्र महिलाओं को यात्रा के दौरान अलग से किराया नहीं देना पड़ता। पहले मुफ्त यात्रा के लिए कागजी पिंक टिकट की व्यवस्था भी लागू थी, लेकिन अब स्मार्ट कार्ड व्यवस्था को बढ़ावा दिया जा रहा है। समयसीमा बढ़ने की स्थिति में उन महिलाओं को राहत मिलेगी, जो किसी कारण से निर्धारित अवधि में कार्ड नहीं बनवा सकीं।

वहीं, परिवहन विभाग के लिए भी यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि अधिक से अधिक पात्र महिलाएं योजना का लाभ उठा सकें। फिलहाल महिलाओं की मुफ्त बस यात्रा को लेकर अंतिम निर्णय का इंतजार है। यदि समयसीमा बढ़ाई जाती है तो इसकी नई तारीख और कार्ड बनवाने की प्रक्रिया के संबंध में जल्द जानकारी जारी की जाएगी।

गुरुग्राम में लेन बदलने वालों पर शिकंजा, पुराने वाहनों की भी होगी जांच

एजेंसी, नई दिल्ली। सड़क सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए गुरुग्राम यातायात पुलिस ने नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों के खिलाफ सख्ती की तैयारी शुरू कर दी है। पुलिस निर्धारित लेन में वाहन नहीं चलाने और बार-बार अनावश्यक रूप से लेन बदलने वालों पर विशेष नजर रखेगी। सोमवार को आयोजित जनरल परेड में यातायात पुलिस के करीब 202 अधिकारियों और कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। पुलिस उपायुक्त यातायात प्रतीक गहलोत ने परेड का निरीक्षण कर अधिकारियों को यातायात प्रबंधन और सड़क सुरक्षा संबंधी दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बार-बार लेन बदलने से यातायात प्रभावित होने के साथ हादसों का खतरा बढ़ता है। ऐसे चालकों को निर्धारित लेन में चलने के लिए जागरूक करने के साथ नियम तोड़ने पर कार्रवाई की जाएगी। अभियान में पुराने बीएस-3 वाहनों तथा 10 से 15 वर्ष से अधिक पुराने वाहनों की जांच होगी।

10 करोड़ से ज्यादा की धोखाधड़ी गाजियाबाद में जीएसटी मामलों की जांच तेज

एजेंसी, नई दिल्ली

गाजियाबाद में जीएसटी से जुड़े फर्जीवाड़े के मामलों में कार्रवाई तेज करने के लिए पुलिस ने थानास्तर पर विशेष जांच टीमें (एसआइटी) गठित की हैं। नगर जोन के कोतवाली और ट्रांस हिंडन जोन के इंदिरापुरम थाने में अलग-अलग एसआइटी बनाई गई हैं। दोनों टीमों को करीब 10-10 मुकदमों की जांच सौंपी गई है।

पुलिस के अनुसार, जीएसटी फर्जीवाड़े से जुड़े मामलों की जांच में अपेक्षित प्रगति नहीं होने के कारण यह कदम उठाया गया है। नई गठित टीमें मामलों की निगरानी के साथ आरोपितों की पहचान, दस्तावेजों की जांच और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई करेंगी। जीएसटी फर्जीवाड़े की जांच के लिए क्राइम ब्रांच में पहले से एक विशेष जांच टीम गठित है। यह टीम अलग से 15 मामलों की विवेचना कर रही है। इस तरह अब जिले में जीएसटी से जुड़े मामलों की जांच के लिए कुल तीन विशेष टीमें सक्रिय हो गई हैं। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, पिछले एक वर्ष में जिले में जीएसटी फर्जीवाड़े से संबंधित 30 से अधिक मुकदमे दर्ज किए गए हैं।

इनमें से अधिकांश मामलों में अभी तक आरोपितों की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। पुलिस अब लंबित मामलों की जांच में तेजी लाने पर जोर दे रही है। जांच में सामने आया है कि इन मामलों में करीब 10 करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी की गई है। पुलिस अब फर्जी कंपनियों, दस्तावेजों और लेनदेन से जुड़े तथ्यों की भी पड़ताल कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि विशेष टीमों के गठन से जांच की निगरानी बेहतर होगी और आरोपितों तक पहुंचने में मदद मिलेगी। अधिकारियों ने बताया कि जांच के दौरान फर्जी कंपनियों के नेटवर्क, संदिग्ध बैंक खातों और लेनदेन की भी पड़ताल की जाएगी।

1.45 करोड़ मतदाताओं में 47 लाख बाहर, सितंबर तक नाम शामिल कराने का अवसर

दिल्ली की ड्राफ्ट मतदाता सूची से 47.7 लाख नाम बाहर, 30 सितंबर तक दावा

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण के बाद सोमवार को प्रारूप मतदाता सूची जारी कर दी गई। इस सूची में करीब 1.45 करोड़ मतदाताओं में से 47.7 लाख नाम शामिल नहीं किए गए हैं। निर्वाचन विभाग के अनुसार, जिन लोगों के नाम प्रारूप सूची में नहीं हैं, वे निर्धारित प्रक्रिया के तहत अपने नाम दोबारा शामिल कराने के लिए दावा दाखिल कर सकते हैं।

दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के अनुसार, बाहर किए गए मतदाताओं को 30 सितंबर तक दावा दाखिल करने का अवसर दिया गया है। इसके लिए संबंधित मतदाता फॉर्म-6 और जरूरी दस्तावेजों के साथ अपना दावा प्रस्तुत कर सकते हैं। इसके बाद प्राप्त दावों और आपत्तियों की जांच की जाएगी। संशोधित कार्यक्रम के मुताबिक नोटिस और दावों के निपटारे की प्रक्रिया 29 अक्टूबर तक चलेगी। इसके बाद अंतिम मतदाता सूची तैयार की जाएगी। विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत दिल्ली में घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन और गणना की गई थी। यह प्रक्रिया 30 जून से शुरू होकर 17 अगस्त तक चली। इस दौरान मतदाताओं से संबंधित प्रपत्र प्राप्त किए गए और उनका डिजिटलीकरण किया गया। जिन मतदाताओं के प्रपत्र प्राप्त हुए, उन्हें प्रारूप मतदाता सूची में शामिल किया गया है।

आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में कुल 1,45,10,299 पंजीकृत मतदाता थे। इनमें से करीब 67.18 प्रतिशत मतदाताओं के प्रपत्रों का डिजिटलीकरण किया गया। लगभग 97.5 लाख मतदाताओं के नाम प्रारूप सूची में शामिल किए गए हैं। वहीं, करीब 47.7 लाख मतदाताओं को अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत, दोहरे नाम या अन्य कारणों के आधार पर ऐसी श्रेणी में रखा गया, जिनके प्रपत्र उपलब्ध नहीं हो सके। दिल्ली के सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में प्रपत्रों के डिजिटलीकरण की स्थिति एक जैसी नहीं रही। रोहिणी विधानसभा क्षेत्र में डिजिटलीकरण की दर सबसे अधिक 83.43 प्रतिशत रही।

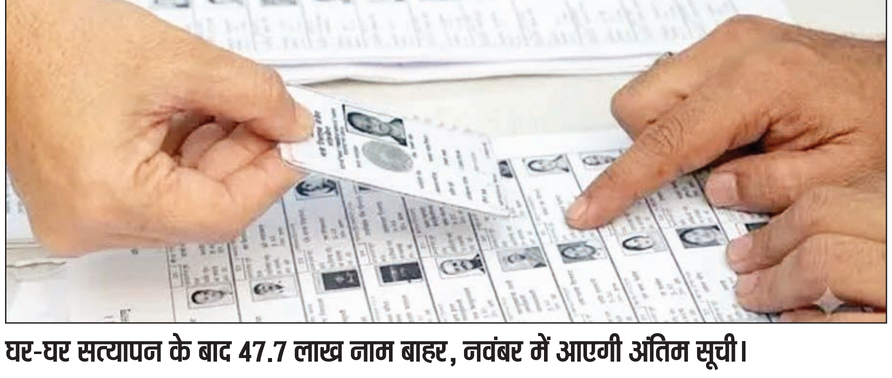

घर-घर सत्यापन के बाद 47.7 लाख नाम बाहर, नवंबर में आएगी अंतिम सूची।

इसके विपरीत तुगलकाबाद में यह दर 52.15 प्रतिशत रही। निर्वाचन विभाग का कहना है कि जिन लोगों के नाम प्रारूप सूची में नहीं हैं, उन्हें दावा और आपत्ति की प्रक्रिया के माध्यम से अपना नाम शामिल कराने का अवसर दिया गया है। मतदाता सूची से नाम बाहर होने के बाद लोगों के लिए यह जरूरी होगा कि वे समयसीमा के भीतर अपना दावा दाखिल करें और संबंधित दस्तावेज उपलब्ध कराएं।

दावा प्राप्त होने के बाद निर्वाचन अधिकारियों की ओर से दस्तावेजों और संबंधित जानकारी की जांच की जाएगी। पात्र पाए जाने वाले मतदाताओं के नाम अंतिम सूची में शामिल किए जा सकेंगे। पुनरीक्षण की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अंतिम मतदाता सूची जारी की जाएगी। उपलब्ध कार्यक्रम के अनुसार अंतिम सूची 4 नवंबर को तैयार की जानी है।

निर्वाचन प्रक्रिया के तहत प्रारूप सूची जारी होने के बाद दावा और आपत्ति दाखिल करने का चरण महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दौरान छूटे हुए पात्र मतदाता अपने नाम को लेकर आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। इस बीच दिल्ली की प्रारूप मतदाता सूची में बड़ी संख्या में नाम बाहर होने को लेकर राजनीतिक प्रतिक्रिया भी सामने आई है।

युवराज मेहता मौत मामले में न्याय का इंतजार

एजेंसी, नई दिल्ली। सॉफ्टवेयर इंजीनियर युवराज मेहता की मौत के मामले में करीब कई महीने बाद भी न्याय की प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी है। 16 जनवरी को सेक्टर-150 स्थित एससी-2 भूखंड के बेसमेंट के लिए खोदे गए गड्ढे में कार गिरने और डूबने से उनकी मौत हो गई थी। घटना के बाद मामला काफी चर्चा में आया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए शासन ने एडीजी मेरठ और मंडलायुक्त के नेतृत्व में विशेष जांच दल गठित कर जांच कराई थी। जांच के बाद प्राधिकरण की ओर से तैयार रिपोर्ट शासन को भेजी गई, लेकिन शासन ने रिपोर्ट पर असंतोष जताते हुए उसे स्वीकार नहीं किया। शासन ने अब प्राधिकरण से विस्तृत जवाब मांगा है। साथ ही जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ की गई कार्रवाई का ब्योरा भी तलब किया गया है। परिजनों और लोगों की नजर अब शासन की अगली कार्रवाई पर टिकी है। मामला लंबे समय से लंबित रहने के कारण जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। शासन ने अब जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका स्पष्ट करने और मामले में ठोस कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं, जिससे परिजनों को न्याय की उम्मीद जगी है।

न्यूज ब्रीफ

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के सर्वेक्षणों में करें सहयोग

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के उप क्षेत्रीय कार्यालय, हमीरपुर के सहायक निदेशक रूपेश जालवाल ने बताया कि जनहित एवं नीति-निर्माण के लिए एनएसओ की ओर से समय-समय पर सर्वेक्षण किए जाते हैं। इसी कड़ी में सितंबर माह में विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण सांख्यिकीय सर्वेक्षण किए जाएंगे। ये सर्वेक्षण जन-कल्याण व नीति निर्माण के लिए बहुत जरूरी है। इन सर्वेक्षणों के माध्यम से मुख्य रूप से आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण, राष्ट्रीय परिवार आय सर्वेक्षण, प्रवासन सर्वेक्षण, ऋण व निवेश सर्वेक्षण, स्थिति आकलन सर्वेक्षण, अनिगमित क्षेत्र के प्रतिष्ठानों का वार्षिक सर्वेक्षण तथा अन्य निर्धारित विषयों से संबंधित सूचनाएं एकत्रित की जाएंगी। सर्वेक्षण कार्य के लिए राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय के अधिकृत कनिष्ठ सांख्यिकीय अधिकारी, सर्वे प्रगणक व सर्वे पर्यवेक्षक हमीरपुर, ऊना व बिलासपुर जिले के विभिन्न ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों का भ्रमण करेंगे तथा वैज्ञानिक प्रतिदर्श पद्धति के आधार पर चयनित परिवारों से निर्धारित प्रश्नावली के माध्यम से जानकारी प्राप्त करेंगे। सहायक निदेशक ने बताया कि सितंबर माह में हमीरपुर जिले के गांव उखली, कंज्याण और कक्कड़ोहल में, ऊना जिले के गांव रायपुर, चरडू, सोहारला उपरला, जलग्रां, गलूआ और गोंदपुर तर्फ बुहला में तथा बिलासपुर जिले के गांव उप मुहाल खैरियां लुहणू, टिहरी और हटवाड़ में सर्वेक्षण कार्य किया जाएगा। सहायक निदेशक ने आम नागरिकों एवं प्रतिष्ठानों से आग्रह किया है कि वे सर्वेक्षण दल को सही, पूर्ण एवं तथ्यात्मक जानकारी उपलब्ध कराकर सहयोग प्रदान करें। नागरिकों एवं प्रतिष्ठानों द्वारा दी गई समस्त जानकारी पूर्णतः गोपनीय रखी जाएगी तथा उसका उपयोग केवल सांख्यिकीय उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।

राज्यपाल कविंद्र गुप्ता आज बिलासपुर के दौरे पर

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। राज्यपाल कविंद्र गुप्ता एक सितंबर को बिलासपुर जिले के एक दिवसीय प्रवास पर रहेंगे। यह जानकारी उपायुक्त राहुल कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि राज्यपाल एक सितंबर को सुबह 11 बजे भाषा एवं संस्कृति विभाग के बहुउद्देशीय कला एवं सांस्कृतिक परिसर, बिलासपुर में आयोजित 'एक से श्रेष्ठ' कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि शिरकत करेंगे। कार्यक्रम में शामिल होने के बाद राज्यपाल दोपहर करीब दो बजे बिलासपुर से हमीरपुर के लिए रवाना होंगे।

एलआईसी के सेवानिवृत्त वरिष्ठ विकास अधिकारी एमएस चंदेल का निधन, शाखा में शोक सभा

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) बिलासपुर शाखा के सेवानिवृत्त वरिष्ठ विकास अधिकारी मान सिंह चंदेल के निधन से एलआईसी परिवार में शोक की लहर है। सोमवार को बिलासपुर शाखा में चीफ मैनेजर राजेंद्र शर्मा की अध्यक्षता में अधिकारियों, कर्मचारियों व अभिकर्ताओं ने शोक सभा आयोजित कर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा। चांदपुर निवासी एमएस चंदेल ने 31 मई 1982 को एलआईसी की रामपुर शाखा से विकास अधिकारी के रूप में सेवाएं शुरू की थीं। वर्ष 1995 में उनका स्थानांतरण बिलासपुर शाखा में हुआ, जहां उन्होंने लंबे समय तक सेवाएं देने के बाद 28 फरवरी 2009 को सेवानिवृत्ति ली। एलआईसी में उनके कार्यकाल के दौरान किए गए उल्लेखनीय कार्य आज भी कर्मचारियों व अभिकर्ताओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं। सरल स्वभाव, सेवाभाव, कर्मठता और मिलनसार व्यवहार के कारण वे हमेशा याद किए जाएंगे। उनके बड़े बेटे विवेक चंदेल हिमाचल सरकार में आईएएस अधिकारी हैं, जबकि छोटे बेटे भूवैज्ञानिक हैं। उनका अंतिम संस्कार मंगलवार सुबह नौ बजे पैतृक स्थान कुंगरहाड़ी, शिवपुरी मोक्षधाम चांदपुर में किया जाएगा। एलआईसी परिवार ने शोकाकुल परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

नाग मंदिर करियाड़ा में विश्व शांति और जनकल्याण के लिए शतचंडी पाठ शुरू

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। विश्व शांति, जनकल्याण और क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना को लेकर ऐतिहासिक नाग मंदिर करियाड़ा में सोमवार को विधि-विधान के साथ शतचंडी पाठ का शुभारंभ किया गया। मंदिर परिसर में चार सितंबर तक पांच पंडितों द्वारा पाठ का जाप किया जाएगा। मंदिर के प्रबंधक एवं पुजारी कुलदीप गुलेरिया ने बताया कि सोमवार को कलश स्थापना के साथ शतचंडी पाठ का शुभारंभ हुआ। इस धार्मिक आयोजन में शामिल होने के लिए हरियाणा से राजू, जम्मू से बप्पा जैन सहित अन्य यजमान मंदिर पहुंच चुके हैं। आयोजन को लेकर मंदिर परिसर को रंग-बिरंगे फूलों और आकर्षक रोशनी से सजाया गया है। उन्होंने बताया कि चार सितंबर को जन्माष्टमी पर्व के अवसर पर सुबह 11 बजे मंदिर परिसर में हवन-यज्ञ का आयोजन किया जाएगा, जिसमें पूर्णाहुति डाली जाएगी। इसके बाद शाम को प्रसिद्ध भजन गायक अभिषेक सोनी, सपना गुप्ता और लक्ष्मण दास श्रीकृष्ण की महिमा का गुणगान करेंगे। अमन त्रिवेदी ग्रुप की ओर से भव्य झांकियां भी प्रस्तुत की जाएंगी। कुलदीप गुलेरिया ने बताया कि श्रद्धालुओं के लिए दिन में फलाहार और शाम को कांगड़ी धाम के लंगर की व्यवस्था की गई है। सोमवार को कलश पूजा के अवसर पर राजू, मोनू, राहुल, पप्पू गुलेरिया, सविता, शिखा, कंचन, शम्मी सहित अन्य श्रद्धालु मौजूद रहे।

बिलासपुर पुलिस ने सड़क अवरोध, जहरीला स्प्रे मारपीट के मामलों में तीन एफआईआर दर्ज कीं

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिला पुलिस बिलासपुर ने विभिन्न थाना क्षेत्रों में गैर-जिम्मेदाराना हरकत, जहरीला स्प्रे छिड़कने और मारपीट के मामलों में तीन अलग-अलग एफआईआर दर्ज की हैं। पुलिस थाना सदर की टीम ने मलाघाट में सड़क पर कबाड़ का ढेर लगाकर सार्वजनिक यातायात बाधित करने के आरोप में अनिल कुमार निवासी बागी, बिनौला के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 285 के तहत मामला दर्ज किया है। वहीं, थाना स्वारघाट के तहत भटेड़ (जगतखाना) निवासी पूनम देवी की शिकायत पर मनसा राम के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि आरोपी ने उसके ऊपर जहरीली दवाई का स्प्रे छिड़क दिया। पुलिस ने बीएनएस की धारा 286 के तहत कार्रवाई की है। इसी तरह थाना तलाई में झबोला निवासी रशीदा की शिकायत पर उसके बेटे बैसाखी मोहम्मद के खिलाफ मारपीट और गाली-गलौच का मामला दर्ज किया गया। शिकायत के अनुसार आरोपी ने शराब के नशे में रास्ता रोककर उसके साथ मारपीट की। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगामी जांच शुरू कर दी है।

श्री नयना देवी मंदिर में दिव्यांगों व वरिष्ठ नागरिकों के लिए रैंप-लिफ्ट की सुविधा

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। श्री नयना देवी जी मंदिर परिसर में दिव्यांगजनों, वरिष्ठ नागरिकों, गर्भवती महिलाओं और बच्चों को सुगम दर्शन सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए रैंप और लिफ्ट की व्यवस्था विकसित की जा रही है। इस संबंध में उपायुक्त एवं आयुक्त मंदिर राहुल कुमार की अध्यक्षता में बचत भवन बिलासपुर में विकास कार्यों की समीक्षा बैठक हुई। उपायुक्त ने बताया कि गुफा पार्किंग से मुख्य मंदिर तक एंड-टू-एंड सुगम दर्शन सुविधा विकसित की जा रही है। गुफा पार्किंग से कृपाली कुंड तक रैंप का निर्माण पूरा कर श्रद्धालुओं के लिए सुविधा शुरू कर दी गई है। कृपाली कुंड से लंगर भवन तक फ्लाईओवर के निर्माण के लिए करीब 1.20 करोड़ रुपए स्वीकृत हुए हैं। उन्होंने बताया कि मंदिर परिसर को 31 मार्च 2027 तक पूर्णतः सुलभ और बाधारहित बनाने का लक्ष्य रखा गया है। 28 अप्रैल 2025 से 27 अगस्त 2026 तक करीब तीन करोड़ रुपये के विकास कार्य स्वीकृत किए गए, जिनमें अधिकांश पूरे हो चुके हैं। बैठक में एसडीएम धर्मपाल सहित मंदिर न्यास के अधिकारी मौजूद रहे।

डीसी ने 36 पशु मित्रों को नियोजन पत्र किए वितरित

भारतेन्दु संवाददाता, नाहन। डीसी सिरमौर प्रियंका वर्मा ने उपायुक्त कार्यालय सभागार में पशु पालन विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए चयनित 36 पशु मित्रों को नियोजन पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर उपायुक्त ने नव नियुक्त पशु मित्रों को बधाई देते हुए कहा कि पशुपालन ग्रामीण अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण आधार है। उन्होंने अपेक्षा व्यक्त करते हुए कहा कि सभी पशु मित्र अपने दायित्वों का निष्ठा एवं पूर्ण ईमानदारी से निर्वहन करते हुए विभागीय गतिविधियों एवं पशुपालकों के हित में बेहतर कार्य करेंगे। उन्होंने पशु मित्रों से नव चयनित बीपीएल परिवारों को विभिन्न विभागीय योजनाओं जानकारी प्रदान करने तथा उन्हें प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं से जोड़ने के लिए कहा।

विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों के लिए 'थेरेपी ऑन व्हील्स' शुरू

सीएम सुक्खू ने दिखाई हरी झंडी, मंडी, शिमला और कांगड़ा में मिलेगी विशेषज्ञ सेवाएं

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों को थेरेपी, विशेष शिक्षा, पुनर्वास और अन्य विशेषज्ञ सेवाएं उनके घर-द्वार के समीप उपलब्ध करवाने की दिशा में समग्र शिक्षा ने महत्वपूर्ण पहल की है।

इसके तहत 'मोबाइल रिसोर्स सेंटर-थेरेपी ऑन व्हील्स' परियोजना शुरू की गई है। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर की उपस्थिति में समग्र शिक्षा के तीन मोबाइल रिसोर्स सेंटर वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर समग्र शिक्षा के स्टेट प्रोजेक्ट डायरेक्टर राजेश शर्मा, अधिकारी एवं कोऑर्डिनेटर तथा सांफिया फाउंडेशन की संस्थापक एवं निदेशक डॉ. श्रुति भारद्वाज भी मौजूद रहीं। 'थेरेपी ऑन व्हील्स' के माध्यम से विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों की

व्यक्तिगत जरूरतों के अनुसार फिजियोथेरेपी, व्यावसायिक चिकित्सा, वाणी एवं भाषा चिकित्सा, विशेष शिक्षा, स्क्रीनिंग और आवश्यकता आधारित आकलन जैसी सेवाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी। इसके साथ ही बहु-विषयक थेरेपी एवं पुनर्वास, परामर्श और अभिभावक मार्गदर्शन की सुविधा भी प्रदान की जाएगी। बच्चों को रोजमर्रा के कार्यों में अधिक आत्मनिर्भर बनाने के लिए आवश्यक प्रशिक्षण दिया जाएगा तथा जरूरत पड़ने पर उन्हें आगे की विशेषज्ञ सेवाओं के लिए रेफर किया जाएगा। परियोजना के तहत शिक्षकों और विशेष शिक्षकों का ओरिएंटेशन एवं प्रशिक्षण, अभिभावकों की काउंसलिंग तथा दिव्यांगता और उपलब्ध सहायता सेवाओं के संबंध में जागरूकता गतिविधियों पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। समग्र शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों को पहचान से लेकर फॉलो-अप तक निरंतर सहयोग उपलब्ध करवाने का प्रयास किया जाएगा। इसका उद्देश्य उनकी शैक्षणिक भागीदारी, शारीरिक एवं कार्यात्मक क्षमताओं, संचार कौशल, आत्मनिर्भरता और सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देना है। अभिभावकों और शिक्षकों को भी आवश्यक मार्गदर्शन दिया जाएगा, ताकि बच्चों को विद्यालय और घर दोनों स्तरों पर बेहतर सहयोग मिल सके। प्रारंभिक चरण में तीनों मोबाइल रिसोर्स सेंटर मंडी, शिमला और कांगड़ा जिलों में संचालित किए जाएंगे। विशेष रूप से ग्रामीण, दूरदराज और भौगोलिक रूप से कठिन क्षेत्रों में रहने वाले विद्यार्थियों तक विशेषज्ञ सेवाएं पहुंचाने पर जोर रहेगा। स्टेट प्रोजेक्ट डायरेक्टर राजेश शर्मा ने कहा कि परियोजना का मुख्य उद्देश्य विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों को उनके निकट आवश्यक विशेषज्ञ सेवाएं उपलब्ध करवाना है। उन्होंने कहा कि यह पहल समावेशी शिक्षा को अधिक सुलभ और विद्यार्थी-केंद्रित बनाने तथा विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के बेहतर विकास एवं सहभागिता को सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

सरकारी स्कूलों में जेबीटी-टीजीटी के 5,209 पद खाली, अकेले जेबीटी के 4,019 पद रिक्त

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश के सरकारी स्कूलों में जेबीटी और टीजीटी के कुल 5,209 पद खाली हैं। इनमें सबसे अधिक 4,019 रिक्तियां जेबीटी की हैं। टीजीटी कला के 646, टीजीटी नॉन मेडिकल के 318 और टीजीटी मेडिकल के 226 पद खाली हैं।

शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने सोमवार को विधानसभा में विधायक पवन कुमार काजल, हंस राज, जीत राम कटवाल और दलीप ठाकुर के सवाल के लिखित जवाब में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जेबीटी के 20,116 स्वीकृत पदों में से 14,132 पद भरे हुए हैं। टीजीटी कला के 8,486 स्वीकृत पदों में 7,582, टीजीटी नॉन मेडिकल के 5,165 में 4,613 और टीजीटी मेडिकल के 3,068 स्वीकृत पदों में 2,828 पद भरे हुए हैं। इस तरह इन चारों श्रेणियों में कुल 36,835 स्वीकृत पद हैं, जिनमें से 29,155 भरे हुए और 5,209 पद खाली हैं। शिक्षा मंत्री ने बताया कि 31 जुलाई 2026 तक टीजीटी के कुल 1,190 पद रिक्त थे। इनमें से 764 पदों को भरने की प्रक्रिया जारी है। इनमें 13 पद बैचवाइज भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से भरे जा रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि वर्तमान में टीजीटी के इन 13 पदों के अलावा किसी अन्य पद के लिए बैचवाइज भर्ती प्रक्रिया जारी नहीं है। बैचवाइज भर्ती के लिए अलग से वार्षिक या समयबद्ध भर्ती कैलेंडर जारी करने का प्रस्ताव भी अभी विचाराधीन नहीं है। शिक्षा मंत्री के अनुसार स्वीकृत पदों में बैचवाइज कोटे के तहत निर्धारित पदों में से वर्ष 2024 में जेबीटी के 1,161 और टीजीटी के 1,042 पद भरे जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि रिक्त पदों को निर्धारित भर्ती प्रक्रिया के तहत चरणबद्ध तरीके से भरने की प्रक्रिया जारी है।

3,214 प्राथमिक और 101 माध्यमिक स्कूल एक शिक्षक के सहारे

शिक्षा मंत्री ने विधानसभा में बताया कि प्रदेश में 3,214 राजकीय प्राथमिक विद्यालय और 101 राजकीय माध्यमिक विद्यालय एकल शिक्षक के सहारे चल रहे हैं। इसके अलावा 393 राजकीय प्राथमिक स्कूल और तीन राजकीय माध्यमिक स्कूल प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत शिक्षकों के माध्यम से संचालित किए जा रहे हैं।

न्यू कांगड़ा स्कूल में अंडर-14 खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ, 462 खिलाड़ी ले रहे हिस्सा

खेलों से तन-मन स्वस्थ व नशे से दूर रहते हैं युवा: अजय

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। प्रदेश सरकार स्कूलों में विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ खेलकूद के लिए आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध करवाने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है।

यह बात हिमाचल प्रदेश पथ परिवहन निगम के उपाध्यक्ष अजय वर्मा ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला न्यू कांगड़ा में कांगड़ा जोन की खंड स्तरीय अंडर-14 (लड़के-लड़कियां) खेल प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर कही। विद्यालय पहुंचने पर मुख्यातिथि का अध्यापकों और विभिन्न स्कूलों से आए विद्यार्थियों ने पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। स्कूल के प्रधानाचार्य ललित मोहन ने प्रतियोगिता के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि कांगड़ा जोन के विभिन्न स्कूलों के अंडर-14 वर्ग के लड़के और लड़कियां प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं। चार दिवसीय इस प्रतियोगिता में

44 स्कूलों के 462 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं।

प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर विभिन्न स्कूलों से आए खिलाड़ियों ने मार्च पास्ट किया। मुख्यातिथि ने खिलाड़ियों को खेल भावना से प्रतियोगिता में भाग लेने की शपथ दिलाई और सभी खिलाड़ियों, प्रधानाचार्यों, अध्यापकों तथा खेल शिक्षकों को शुभकामनाएं दीं। अजय वर्मा ने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी को अपने जीवन में कम से कम एक खेल जरूर अपनाना चाहिए। खेलों से तन और मन स्वस्थ रहता है तथा अनुशासन की भावना विकसित होती है। उन्होंने कहा कि युवाओं को खेलों से जोड़ने से उन्हें नशे जैसी बुराइयों से दूर रखने में भी मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश सरकार स्कूलों में शिक्षा और खेल सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार नए कदम उठा रही है। इसका लाभ विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर खेल ढांचे के रूप में मिलेगा। इस अवसर पर उपाध्यक्ष राजकुमारी, वेद प्रकाश, नरेश कुमार, विजय सहगल, विनय, अंबिका गुप्ता, एसएमसी अध्यक्ष अवतार सिंह सहित अध्यापक और खिलाड़ी मौजूद रहे।

बीएससी प्रथम वर्ष के परीक्षा परिणाम में डीएवी कॉलेज कांगड़ा का शानदार प्रदर्शन

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला की ओर से घोषित बीएससी प्रथम वर्ष के परीक्षा परिणाम में डीएवी कॉलेज कांगड़ा के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। कॉलेज का कुल परीक्षा परिणाम 90 प्रतिशत रहा। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि ने महाविद्यालय की शैक्षणिक उत्कृष्टता की परंपरा को आगे बढ़ाया है।

कॉलेज की ओर से जारी मेरिट सूची के अनुसार जान्हवी ठाकुर ने 91.88 प्रतिशत अंक हासिल कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। सेजल शर्मा ने 89.75 प्रतिशत अंक लेकर द्वितीय स्थान हासिल किया, जबकि दीपाली 88.38 प्रतिशत अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। विद्यार्थियों के शानदार प्रदर्शन पर कॉलेज में खुशी का माहौल है। कॉलेज प्रशासन ने कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, निरंतर लगन और अनुशासन के साथ-साथ प्राध्यापकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। महाविद्यालय विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करवाने के साथ उनके सर्वांगीण विकास के लिए भी निरंतर प्रयासरत है। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. बलजीत सिंह पटियाल ने सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की यह उपलब्धि पूरे महाविद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय है। कॉलेज प्रबंधन, प्राध्यापकों और स्टाफ ने विद्यार्थियों के साथ उनके अभिभावकों को भी इस सफलता के लिए बधाई दी और भविष्य में बेहतर प्रदर्शन की शुभकामनाएं दीं।

तीन वर्षों में हिमाचल में 67 बार भूकंप के झटके 7.05 लाख का नुकसान

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में बीते तीन वर्षों के दौरान एक अगस्त 2026 तक 67 बार भूकंप के झटके महसूस किए गए। इनसे निजी संपत्ति को करीब 7.05 लाख रुपए का नुकसान हुआ। यह जानकारी राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी ने सोमवार को विधानसभा में विधायक विपिन सिंह परमार के सवाल के लिखित जवाब में दी। उन्होंने बताया कि चंबा में 26, लाहौल-स्पीति में 14, किन्नौर में सात, कांगड़ा में चार और शिमला में दो बार भूकंप महसूस किए गए। सबसे तेज भूकंप चार अप्रैल 2024 को चंबा में आया, जिसकी तीव्रता 5.3 रही। चंबा में 4.55 लाख और लाहौल-स्पीति में 2.50 लाख रुपये का नुकसान हुआ। मंत्री ने बताया कि भूकंप निगरानी के लिए नेशनल इंस्ट्रूमेंटेशन नेटवर्क प्रोजेक्ट के तहत करीब 100 उपकरण प्रस्तावित हैं। पहले चरण में सात जिलों में 10 उपकरण लगाए जा रहे हैं।

650 गांवों में शिक्षा की नई रोशनी: 'एक से श्रेष्ठ' अभियान के पांच वर्ष पूरे होने पर हमीरपुर में कार्यक्रम

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और उनके सर्वांगीण विकास से जोड़ने वाली पहल 'एक से श्रेष्ठ' ने अपने पांच वर्ष के सफर में 650 केंद्रों तक पहुंचकर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

इस अवसर पर 1 सितंबर 2026 को दोपहर 2 बजे राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, हमीरपुर में अभियान की पांच वर्ष की उपलब्धियों पर आधारित एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल कविंद्र गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होंगे, और पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद अनुराग सिंह ठाकुर विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। 'एक से श्रेष्ठ' अभियान की शुरुआत 5 अक्टूबर 2021 को ग्रामीण क्षेत्रों के 7 से 12 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को स्कूल के बाद निःशुल्क शिक्षा उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से की गई थी। आज यह पहल 650 केंद्रों के माध्यम से हजारों बच्चों तक शिक्षा, संस्कार और सर्वांगीण विकास के अवसर पहुंचा रही है। इन केंद्रों में बच्चों

को नियमित पढ़ाई के साथ बुनियादी साक्षरता, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, सामान्य ज्ञान, सांस्कृतिक और नैतिक मूल्यों से भी जोड़ा जाता है। बच्चों को अध्ययन सामग्री उपलब्ध करवाने के साथ-साथ डिजिटल शिक्षा के लिए शिक्षकों को लैपटॉप भी प्रदान किए गए हैं। पेंटिंग, योग, गणित और अन्य सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों के माध्यम से बच्चों में रचनात्मकता, आत्मविश्वास और अनुशासन का विकास किया जा रहा है। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद अनुराग सिंह ठाकुर के मार्गदर्शन में चल रहे इस अभियान के क्रियान्वयन में एक्ट टू ट्रांसफॉर्म फाउंडेशन महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। अभियान ने ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा को पंचायत और गांव स्तर तक पहुंचाने के साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित किए हैं।

बिलासपुर में 9.30 ग्राम चिट्टे के साथ दो युवक गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। बिलासपुर पुलिस ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत 9.30 ग्राम चिट्टा (हेरोइन) बरामद कर दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल की जा रही मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली है। पुलिस थाना सदर की टीम ने 29 अगस्त को ढलियार फोरलेन पर नाकाबंदी के दौरान पंजाब नंबर की मोटरसाइकिल को जांच के लिए रोका। तलाशी लेने पर बाइक सवार दोनों युवकों के कब्जे से 9.30 ग्राम चिट्टा बरामद हुआ। पुलिस ने नशे की खेप और बाइक को कब्जे में ले लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान धीरज शर्मा पुत्र रामस्वरूप, निवासी पंजगाईं तथा सूरज पुत्र बाबू राम गौतम, निवासी पंजगाईं, तहसील सदर, जिला बिलासपुर के रूप में हुई है। पुलिस थाना सदर में दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर आगामी जांच शुरू कर दी गई है।

अप्रैल से जून तक 1.17 लाख राशन कार्ड धारकों को 9,331 मीट्रिक टन खाद्यान्न वितरित

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिला स्तरीय सार्वजनिक वितरण समिति की बैठक सोमवार को उपायुक्त बिलासपुर राहुल कुमार की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में जिले में आवश्यक वस्तुओं और पेट्रोलियम पदार्थों की उपलब्धता, सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत संचालित विभिन्न योजनाओं तथा विभागीय स्तर पर की गई कार्रवाई की समीक्षा की गई।

उपायुक्त ने आवश्यक वस्तुओं और खाद्यान्न की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए नियमित निरीक्षण करने तथा खाद्यान्न के नमूने लेकर प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को विभागीय मापदंडों और आदेशों के अनुरूप निरीक्षण करने तथा अनियमितता पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में बताया गया कि अप्रैल से जून 2026 तक जिले में

विभिन्न श्रेणियों के 1,17,230 राशन कार्ड धारकों के 4,17,230 उपभोक्ताओं को 253 उचित मूल्य की दुकानों के माध्यम से 9,331.84 मीट्रिक टन खाद्यान्न और 1,35,444 लीटर खाद्य तेल वितरित किया गया। इस अवधि में खाद्यान्न के 27 नमूने लिए गए। विभागीय आदेशों के तहत 1,052 निरीक्षण किए गए और अनियमितताएं पाए जाने पर दोषियों से 3,34,646 रुपये जुर्माना वसूलकर सरकारी कोष में जमा करवाया गया। बैठक में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 के तहत मिड-डे मील, प्रारंभिक शिक्षा विभाग तथा आईसीडीएस के आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए खाद्यान्न वितरण की भी समीक्षा की गई। समिति ने दो उचित मूल्य की दुकानों के आवंटन से संबंधित मामलों पर चर्चा करते हुए आवश्यक दस्तावेज और औपचारिकताएं पूरी होने के बाद आवंटन करने का निर्णय लिया। इसके अलावा जिले में एक नई उचित मूल्य की दुकान खोलने का भी निर्णय लिया गया।

बैठक का संचालन जिला नियंत्रक, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले, बिलासपुर शीतल शर्मा ने किया। इस अवसर पर जिला परिषद अध्यक्ष लेख राम ठाकुर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

बधाई आशीष शर्मा ने कहा - पंचायत समिति चुनाव में भाजपा की जीत ने सरकार को दिखाया आईना

वासुदेव अध्यक्ष और रानी देवी चुनी गईं उपाध्यक्ष

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। हमीरपुर पंचायत समिति के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद के लिए हुए चुनाव में भाजपा समर्थित उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की है। अध्यक्ष पद के चुनाव में भाजपा समर्थित वासुदेव को कुल 17 में से 10 मत प्राप्त हुए, जबकि उपाध्यक्ष पद पर रानी देवी को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। परिणाम सामने आने के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों में खुशी का माहौल है।

जिला भाजपा अध्यक्ष राकेश ठाकुर और सदर विधायक आशीष शर्मा ने नवनिर्वाचित पंचायत समिति अध्यक्ष वासुदेव और उपाध्यक्ष रानी देवी को बधाई दी। उन्होंने दोनों जनप्रतिनिधियों के सफल कार्यकाल की कामना करते हुए उम्मीद जताई कि वे सभी सदस्यों को साथ लेकर पंचायत समिति क्षेत्र के विकास को गति देंगे। सदर विधायक आशीष शर्मा ने चुनाव परिणाम को भाजपा के पक्ष में जनसमर्थन का संकेत

बताया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की मंशा शुरू से ही पंचायत राज संस्थाओं के चुनावों को लेकर स्पष्ट नहीं रही।

सरकार ने पंचायत राज चुनावों को लंबे समय तक टालने का प्रयास किया, लेकिन न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद चुनाव करवाने पड़े। उन्होंने कहा कि पंचायत राज चुनावों में भाजपा ने प्रदेशभर में बेहतर प्रदर्शन कर जनता का विश्वास हासिल किया। इसके बावजूद पंचायत समितियों के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद के चुनाव करवाने में भी देरी की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि यह देरी सरकार की राजनीतिक मंशा और लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति उसके दृष्टिकोण पर सवाल खड़े करती है। आशीष शर्मा ने कहा कि हमीरपुर मुख्यमंत्री का गृह जिला है और यहां पंचायत राज चुनावों के बाद अब पंचायत समिति के चुनाव में भी भाजपा समर्थित उम्मीदवारों की जीत जनता के रुख को स्पष्ट करती है। उन्होंने कहा कि निर्वाचित सदस्यों ने अपने फैसले के माध्यम से सरकार को आईना दिखाया है। जनता अब सरकार की नाकामियों और जनविरोधी नीतियों को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है।

उन्होंने कहा कि पंचायत स्तर से लेकर पंचायत समिति तक भाजपा को मिल रहा समर्थन इस बात का संकेत है कि लोगों का भरोसा भाजपा की नीतियों और नेतृत्व पर कायम है। उन्होंने नवनिर्वाचित अध्यक्ष वासुदेव और उपाध्यक्ष रानी देवी से उम्मीद जताई कि वे सभी सदस्यों को साथ लेकर विकास और जनहित के कार्यों को प्राथमिकता देंगे। भाजपा नेताओं ने कहा कि पंचायत समिति के नए नेतृत्व के सामने क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं के समाधान और विकास कार्यों को गति देने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

अपनी 'लापता' गारंटियों की चौथी बरसी पर जनता से माफी मांगे सुक्खू सरकार: राणा

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। प्रदेश भाजपा के वरिष्ठ प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक राजेंद्र राणा ने सुक्खू सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि 31 अगस्त, 2022 को मंडी में कांग्रेस द्वारा हिमाचल की जनता के सामने रखी गई 10 गारंटियों को आज चार साल पूरे हो गए हैं, लेकिन इन 48 महीनों में अधिकांश गारंटियां धरातल पर उतरने का इंतजार कर रही हैं।

उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अपनी इन्हीं 'लापता गारंटियों' की चौथी बरसी पर सरकार को श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर जनता से अपने अधूरे वादों के लिए माफी मांगनी चाहिए। गारंटियों की याद दिलाते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने 18 से 60 वर्ष तक की महिलाओं को हर माह 1500 रुपए देने, युवाओं को हर साल एक लाख रोजगार देने, 300 यूनिट मुफ्त बिजली देने, कर्मचारियों-पेंशनरों के बकाया भुगतान, किसानों से दूध खरीदने और गोबर खरीदने सहित बड़े-बड़े वादे कर हर वर्ग को अपनी बातों में लपेटकर सत्ता हथियाई, लेकिन अब यही गारंटियां सरकार के लिए गले की फांस बन गई हैं। उन्होंने कहा कि चार साल बाद भी अगर सरकार इन गारंटियों को पूरा करने के बजाय बहाने बना रही है, तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या महिलाओं और अन्य सभी वर्गों से किए गए ये वादे केवल चुनाव जीतने का राजनीतिक हथकंडा थे। उन्होंने सवाल किया कि अगर कांग्रेस को पहले से पता था कि प्रदेश की आर्थिक स्थिति खराब है और खजाना खाली है, तो चुनाव से पहले इन गारंटियों की घोषणा किस वित्तीय आधार पर की गई थी? क्या गारंटियां देने से पहले उन्हें पूरा करने के लिए धन का इंतजाम किया गया था? उन्होंने कहा कि सरकार को अब यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि 10 में से कितनी गारंटियां पूरी हुईं, कितनी अधूरी हैं और प्रदेश में कितनी महिलाओं को वास्तव में 1500 रुपये प्रतिमाह मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि हालात यह हैं कि कांग्रेस के कार्यकर्ता भी जनता के बीच सरकार की उपलब्धियां गिनाने से कतरा रहे हैं और सोच रहे हैं कि किस मुंह से जनता के बीच जाएं।

प्रदेश में फिर सक्रिय हुआ मानसून, भूस्खलन से 98 सड़कें अवरुद्ध

शिमला में तेज बारिश से पेड़ गिरे, मलबा वाहनों पर गिरा; जनहानि नहीं, 107 बिजली ट्रांसफार्मर ठप

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है और मौसम विभाग ने अगले चार दिन तक लगातार अलग-अलग हिस्सों में भारी बारिश की चेतावनी दी है।

राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार सोमवार सुबह तक भूस्खलन से प्रदेश में 98 सड़कें बंद थीं। इसके साथ 107 बिजली ट्रांसफार्मर और 37 पेयजल योजनाएं प्रभावित हुई हैं। मौसम विभाग के अनुसार चार दिन तक बारिश का दौर जारी रह सकता है और छह सितंबर तक प्रदेश में मौसम पूरी तरह साफ होने की संभावना नहीं है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार एक सितंबर को बिलासपुर, चंबा, कांगड़ा, मंडी, शिमला, सोलन और सिरमौर में भारी बारिश की संभावना है। दो सितंबर को बिलासपुर, कांगड़ा, सोलन और सिरमौर में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। तीन सितंबर को सिरमौर में भी भारी बारिश हो सकती है। चार सितंबर को भारी बारिश की कोई चेतावनी नहीं है। पांच और छह सितंबर को भी भारी बारिश का अलर्ट नहीं है, हालांकि इन दिनों कुछ हिस्सों में बारिश का दौर बना रह सकता है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार सोमवार को मंडी में सबसे ज्यादा 43 सड़कें बंद थीं।

कुल्लू में 16, चंबा में 15 और कांगड़ा में सात सड़कें अवरुद्ध हैं। अन्य जिलों में भी कुछ सड़कें भूस्खलन और बारिश के कारण बंद हुई हैं। मंडी जिले में 89 बिजली ट्रांसफार्मर बंद हैं, जिससे बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई है। हमीरपुर जिले में 37 पेयजल योजनाएं प्रभावित हुई हैं। बीते 24 घंटे में प्रदेश के कई हिस्सों में अच्छी बारिश दर्ज की गई। कांगड़ा में 70.4 मिलीमीटर बारिश हुई। बिलासपुर के मलराओं में 70.0 मिलीमीटर और मंडी के जोगिंदरनगर में भी 70.0 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। सिरमौर के धौलाकुआं एडब्ल्यूएस में 66.0 मिलीमीटर, बिलासपुर के ब्राह्मणी में 62.2 मिलीमीटर और मंडी के मुरारी देवी में 61.4 मिलीमीटर बारिश हुई। बिलासपुर की नैना देवी में 60.8 मिलीमीटर, शिमला में 59.8 मिलीमीटर, ऊना के रायपुर मैदान में 48.4 मिलीमीटर, सिरमौर के पांवटा साहिब में 45.4 मिलीमीटर, शिमला के शिलारू में 45.2 मिलीमीटर और सिरमौर के नाहन में 40.4 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। राजधानी शिमला में रविवार शाम हुई तेज़ बारिश के कारण पेड़ों के गिरने व गाड़ियों पर मलबा गिरने की घटनाएं सामने आई हैं। लेकिन कोई जनहानि नहीं हुई।

कालका-शिमला रेल लाइन पर दूसरे दिन भी रेल सेवा ठप

बारिश के कारण कालका-शिमला हेरिटेज रेल लाइन पर रेल यातायात लगातार दूसरे दिन भी प्रभावित रहा। सोमवार को भी इस मार्ग पर ट्रेनों की आवाजाही नहीं हुई। सोलन जिले में रेल ट्रैक के एक पुल के नीचे से मिट्टी धंसने के बाद रेलवे ने आगामी आदेश तक रेल सेवा बंद रखी है। इससे इस ऐतिहासिक रेल मार्ग पर सफर करने वाले यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस मानसून सीजन में अब तक बारिश और इससे जुड़ी घटनाओं में प्रदेश में 253 लोगों की मौत हो चुकी है और 462 लोग घायल हुए हैं। एक व्यक्ति अभी लापता है। मृतकों में 149 लोगों की मौत सड़क हादसों में हुई, जबकि 104 लोगों की जान भूस्खलन, अचानक आई बाढ़, बहने, फिसलने, पहाड़ी से गिरने और बारिश से जुड़ी अन्य घटनाओं में गई है। प्राकृतिक आपदाओं और बारिश से 451 मवेशियों की भी मौत हुई है।

हिमाचल को 1,184 करोड़ का नुकसान

बारिश और प्राकृतिक आपदाओं से प्रदेश में 102 मकान पूरी तरह और 434 मकान आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं। सरकार के आकलन के अनुसार मानसून से अब तक करीब 1,184 करोड़ रुपये की संपत्ति को नुकसान पहुंचा है। इसमें लोक निर्माण विभाग का करीब 897 करोड़ रुपये का नुकसान शामिल है। मौसम विभाग के अनुसार इस मानसून सीजन में अब तक हिमाचल में सामान्य से 10 फीसदी कम बारिश हुई है। इसके बावजूद मानसून के दोबारा सक्रिय होने से अगले कुछ दिनों में भूस्खलन और सड़क यातायात प्रभावित होने का खतरा बना हुआ है।

घुमारवीं में 'अपना परिवार सुखी परिवार' योजना के लाभार्थियों से मंत्री राजेश धर्माणी ने किया जनसंवाद

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। नगर व ग्राम नियोजन, आवास, तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक एवं औद्योगिक प्रशिक्षण मंत्री राजेश धर्माणी ने सोमवार को लोक निर्माण विभाग विश्राम गृह घुमारवीं में मुख्यमंत्री 'अपना परिवार सुखी परिवार' योजना के तहत ग्राम पंचायत पट्टा, सेऊ और बाड़ी मझेड़वां के पात्र परिवारों से जनसंवाद किया।

इस अवसर पर राजेश धर्माणी ने कहा कि प्राकृतिक आपदा से हुए भारी नुकसान के बाद केंद्र सरकार ने हिमाचल के आपदा प्रभावित क्षेत्रों के लिए 1,500 करोड़ रुपए की विशेष वित्तीय सहायता की घोषणा की थी, लेकिन अभी तक यह राशि प्रदेश को प्राप्त नहीं हुई है। सितंबर 2025 में घोषित इस सहायता राशि को लेकर प्रदेश सरकार लगातार केंद्र के समक्ष अपना पक्ष रख रही है। उन्होंने कहा कि यह राजनीति का विषय नहीं, बल्कि हिमाचल के अधिकार और आपदा प्रभावित परिवारों के दर्द से जुड़ा मामला है। उन्होंने कहा कि 'अपना परिवार सुखी परिवार' योजना प्रदेश सरकार की महत्वपूर्ण पहल है। इसका उद्देश्य अति निर्धन परिवारों को सरकारी योजनाओं से जोड़ना है।

◆सरकार का लक्ष्य अंतिम छोर तक पात्र परिवारों को योजनाओं का लाभ पहुंचाना

दो अक्तूबर से पात्र लाभार्थियों को प्रतिमाह 1,500 रुपए की आर्थिक सहायता के साथ 300 यूनिट तक निशुल्क बिजली उपलब्ध करवाने की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों से आह्वान किया कि 20 सितंबर से पहले सभी पात्र परिवारों का पंजीकरण सुनिश्चित करें। तकनीकी शिक्षा मंत्री ने कहा कि सरकार शिक्षा और स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री सुख-आश्रय योजना के तहत करीब 6,000 अनाथ बच्चों की शिक्षा, आवास और अन्य आवश्यकताओं का खर्च सरकार उठा रही है तथा 27 वर्ष की आयु तक प्रतिमाह 4,000 रुपए की सहायता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी सुख शिक्षा योजना के तहत विधवा और तलाकशुदा महिलाओं के बच्चों की शिक्षा तथा डॉ. वाईएस परमार विद्यार्थी ऋण योजना के तहत उच्च शिक्षा के लिए 20 लाख रुपए तक का ऋण एक प्रतिशत ब्याज पर उपलब्ध करवाया जा रहा है। किसानों के हित में भैंस के दूध का खरीद मूल्य 71 रुपए और गाय के दूध का 61 रुपए प्रति लीटर निर्धारित किया गया है। इस अवसर पर बीडीओ घुमारवीं अभिषेक शर्मा, पट्टा पंचायत के उपप्रधान रवि ठाकुर, बीडीसी सदस्य कुलदीप सिंह सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

निहारिका गुलेरिया ने नीट में हासिल की सफलता

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। उपमंडल बल्ह की ग्राम पंचायत मांडल के गांव टिकरी की होनहार बेटी निहारिका गुलेरिया ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) में सफलता हासिल कर परिवार और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। निहारिका पुत्री मनोहर गुलेरिया का चयन डॉ. वाईएस परमार राजकीय आयुर्विज्ञान महाविद्यालय, नाहन में एमबीबीएस पाठ्यक्रम के लिए हुआ है। निहारिका ने अपनी कड़ी मेहनत, लगन व दृढ़ संकल्प के बल पर यह उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने जमा दो तक की शिक्षा सनोर वैली पब्लिक स्कूल, बजौरा से पूरी की। उनकी सफलता से परिजनों, रिश्तेदारों और क्षेत्रवासियों में खुशी का माहौल है। सेवानिवृत्त जिला लोक संपर्क अधिकारी कुलदीप गुलेरिया और सेवानिवृत्त एसडीओ वीरेंद्र ठाकुर ने निहारिका को बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने अपनी प्रतिभा और मेहनत से माता-पिता व परिवार के साथ ग्राम पंचायत मांडल और पूरे क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि निहारिका की सफलता क्षेत्र की अन्य बेटियों और युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी।

भारी बारिश के बीच नाली में गिरने से व्यक्ति की मौत, पुलिस जांच में जुटी

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। कुल्लू नेशनल हाईवे पर पंडोह में थर्ड आईआरबीएन गेट से करीब 50 मीटर आगे रास्ते में एक व्यक्ति की नाली में गिरने से मौत हो गई। हादसा रविवार रात करीब का बताया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पंडोह निवासी ताराचंद पुत्र जिंदू शाम के समय पंडोह बाजार से अपने घर की तरफ जा रहे थे। इसी दौरान क्षेत्र में भारी बारिश हो रही थी। आशंका जताई जा रही है कि बारिश के कारण घर को जाने वाले रास्ते पर फिसलन होने से उनका अचानक पैर फिसल गया और वह सड़क किनारे बनी नाली में करीब पचास फुट ऊचाई से गिर गया। नाली में पानी अधिक होने के कारण उनका चेहरा पानी में डूब गया। रात को भारी व बारिश व बादल होने से रात का अधेरा था। घटना की सूचना मिलने पर पंडोह पुलिस चौकी प्रभारी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू की। प्रारंभिक जांच में पुलिस भी पैर फिसलने के कारण हादसा होने की आशंका जता रही है। मृतक के पुत्र देवेंद्र कुमार ने बताया कि उनके पिता शाम के समय पंडोह बाजार की ओर आए थे, लेकिन इसके बाद उनका कोई पता नहीं चला। वहीं, घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज में रात करीब 10 बजे एक व्यक्ति सड़क पर गिरता हुआ दिखाई दे रहा है। फिलहाल पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और अन्य पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच शुरू कर दी है। पुलिस जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल पाएगा। लाश को पोस्टमार्टम के लिए मडी जोनल अस्पताल ले जाया गया जहा पोस्टमार्टम के वाव लाश को परिजनो को सौंप दी।

छात्र की संदिग्ध मृत्यु के मामले में सीडब्लयूसी कांगड़ा ने तलब की स्टेटस रिपोर्ट

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। कांगड़ा जिला के जयसिंहपुर क्षेत्र में 16 वर्षीय छात्र अभिलाष पुत्र संजय चौधरी की संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु के मामले को डिस्ट्रिक्ट चाइल्ड वेलफेयर कमेटी (सीडब्लयूसी), कांगड़ा स्थित धर्मशाला ने गंभीरता से लेते हुए संबंधित पुलिस थाना लम्बागांव से स्टेटस रिपोर्ट तलब की है। इस सम्बन्ध में सोमवार को आयोजित बैठक की अध्यक्षता चेयरमैन जिला बाल कल्याण समिति कांगड़ा विक्रमजीत शर्मा ने की। बैठक में सदस्य विजय कुमार तथा सदस्य नरेशठा कुमारी भी मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि प्राप्त जानकारी के अनुसार छात्र 27 अगस्त की शाम घर से अपर लंबागांव में ट्यूशन के लिए निकला था, जिसके बाद वह लापता हो गया। अगले दिन छात्र घर के पास सड़क किनारे गंभीर अवस्था में मिला। उपचार के दौरान उसकी स्थिति नाजुक होने पर उसे टांडा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, जहां उसकी मृत्यु हो गई। मामले में पुलिस द्वारा प्राथमिकी दर्ज कर जांच की जा रही है। इस प्रकरण में सीडब्लयूसी कांगड़ा ने बाल संरक्षण एवं बाल अधिकारों के दृष्टिकोण से मामले का संज्ञान लेते हुए संबंधित पुलिस थाना से जांच की वर्तमान स्थिति, बच्चे के लापता होने से लेकर अस्पताल पहुंचने तक की परिस्थितियों तथा जांच में अब तक सामने आए तथ्यों की स्टेटस रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

गुरु से ही संभव है आत्मा का परमात्मा से मिलन: साध्वी

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान के द्वारा शाहपुर के अभिनंदन मैरिज पैलेस में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के सप्तम दिवस में कथा व्यास साध्वी भाग्यश्री भारती ने भगवान श्री कृष्ण और रुकमणी जी का विवाह प्रसंग सुनाया।

उन्होंने बताया यह विवाह कोई साधारण विवाह नहीं था। रुकमणी जी प्रतीक हैं जीवात्मा की और भगवान श्री कृष्ण प्रतीक हैं परमात्मा का। यह विवाह आत्मा व परमात्मा के मिलन का संकेत है। लेकिन यह मिलन कब संभव हो पाया? जब मध्य में ब्राह्मणदेव रूपी गुरु आए। क्योंकि एक गुरु ही है जो हमारे अंत: करण में उस ईश्वर का साक्षात्कार करवा कर हमारी आत्मा का मिलन उस परमात्मा के साथ करवा सकते हैं। आगे कथा में साध्वी ने बताया कि भगवान श्री कृष्ण ने रुकमणी की प्रार्थना सुनी और उसे पूर्ण भी किया, क्योंकि भगवान श्री कृष्ण नारी उद्धारक हैं। वह किसी नारी पर होते हुए अत्याचार को नहीं देख सकते। आज हम भगवान श्री कृष्ण के भक्त तो कहलाते हैं, लेकिन उनसे प्रेरणा नहीं ले पाते। आज समाज में नारी की स्थिति देखी जाए तो अत्यंत दयनीय है। कहीं नारी का शोषण हो रहा है तो कहीं शीलभंग, कहीं उसका अपहरण तो कहीं वह दहेज की वेदी पर चढ़ा दी जाती है, कहीं उसे केवल भोग्या वस्तु समझा जाता है तो कहीं पैर का पायदान।

आज आवश्यकता है नारी के प्रति समाज में जाग्रति पैदा की जाए। साध्वी ने बताया कि जब श्रीगुरु आशुतोष महाराज जी ने समाज में नारी की ऐसी दयनीय दशा देखी तो संस्थान की ओर से महिलाओं के लिए एक प्रकल्प चलाया गया। 'संतुलन'। संस्थान का यह प्रकल्प महिलाओं के साथ होने वाले उत्पीड़न व हिंसा के खिलाफ एक बुलंद आवाज है। इसके अंतर्गत समय-समय पर संस्थान के द्वारा अनेकों कार्यक्रमों के माध्यम से समाज के लोगों को जाग्रत करने का भरसक प्रयास किया जा रहा है। साथ ही साथ नारियों को ब्रह्म ज्ञान के द्वारा आंतरिक रुप से सशक्त किया जा रहा है। क्योंकि जब एक नारी भीतर से जागेगी तो स्वयं ही अपनी स्थिति को सुधार पाएगी। केवल नारी ही नहीं जाग्रति हेतु संपूर्ण समाज को ब्रह्म ज्ञान की महती आवश्यकता है और कथा के दौरान यजमान पुजन भी किया जाता है।और ज्योति जलाने की रस्म भी निभाई जाती है। कथा के उपरांत ज्योति जलाने कि रस्म में केवल पठानिया एम.एल.ए शाहपुर, राजीव पटियाल, वीपी शर्मा, भरत शर्मा, रमेश धीमान, कंठ, डॉ. श्रीकांत लगवाल, जितेंद्र सोंधी, गोकुल सोंधी ने ज्योति प्रज्वलित की और सभी भक्तों ने आरती कि और प्रसाद को ग्रहण किया।

घुमारवीं पुलिस ने स्कूलों व आंगनबाड़ी केंद्रों में चोरी की गुत्थी सुलझाई, 2 काबू

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। घुमारवीं पुलिस ने सरकारी स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्र में चोरी की वारदातों को सुलझाते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से तीन गैस सिलेंडर, एक गैस रेगुलेटर और वारदात में इस्तेमाल की गई ऑल्टो कार बरामद की है।

पुलिस के अनुसार 27 और 28 अगस्त की दरमियानी रात चोरों ने आंगनबाड़ी केंद्र जरलू (रोहिण) के दो दरवाजे तोड़कर चोरी का प्रयास किया था। इसके बाद प्राथमिक विद्यालय नैन गुजरां की रसोई का ताला तोड़कर एक गैस सिलेंडर और रेगुलेटर चोरी किया गया। वहीं, प्राथमिक विद्यालय खिला रा डोहरा की रसोई से दो गैस सिलेंडर चोरी किए गए। घटनाओं की शिकायत मिलने के बाद पुलिस थाना घुमारवीं में 30 अगस्त को भारतीय न्याय संहिता की धारा 305, 331(4) और 3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने जांच तेज करते हुए विभिन्न सुराग जुटाए और दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान लखवीर सिंह उर्फ लक्की, निवासी गांव बगथेड़ू, डाकघर भगेड़, तहसील घुमारवीं, और जितेंद्र सिंह उर्फ शिशु, निवासी गांव घुमाणी, डाकघर कंदरौर, तहसील घुमारवीं के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी के तीन गैस सिलेंडर व एक रेगुलेटर बरामद करने के साथ वारदात में प्रयुक्त ऑल्टो भी जब्त कर ली है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है तथा क्षेत्र में हुई अन्य चोरी की घटनाओं में उनकी संलिप्तता की भी जांच की जा रही है।

भाजपा हमीरपुर ने पूर्व विधायक राम रतन शर्मा के निधन पर जताया गहरा शोक

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। भाजपा जिला हमीरपुर ने नादौन विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक व वरिष्ठ जननेता राम रतन शर्मा के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। भाजपा जिला कार्यालय में पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने दिवंगत नेता की स्मृति में दो मिनट का मौन रखकर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने राम रतन शर्मा के निधन को पार्टी संगठन और क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति बताया। उन्होंने कहा कि वर्ष 1935 में जन्मे राम रतन शर्मा लंबे समय तक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े रहे व जनसंघ तथा भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं में उनकी विशेष पहचान थी। उनका जीवन राष्ट्रवादी विचारधारा और संगठन के प्रति समर्पण का प्रतीक रहा। राकेश ने कहा कि राम रतन शर्मा पतंजलि के साथ भी लंबे समय तक जुड़े रहे और सामाजिक एवं संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे।

टांडा अस्पताल में सीनियर सिटीजन डिस्पेंसरी पर नहीं मिला कर्मचारी, मरीजों को हुई परेशानी

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। डॉ. राजेंद्र प्रसाद राजकीय आयुर्विज्ञान महाविद्यालय व अस्पताल टांडा में सोमवार को वरिष्ठ नागरिकों को दवाइयां उपलब्ध करवाने के लिए बनाई गई डिस्पेंसरी में कर्मचारी के मौजूद न होने से बुजुर्ग मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ा। डिस्पेंसरी पर कर्मचारी न होने के कारण वरिष्ठ नागरिकों को आम मरीजों के साथ कतार में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार करना पड़ा।

अस्पताल में उपचार के लिए पहुंचे वरिष्ठ मरीजों ने बताया कि सीनियर सिटीजन के लिए अलग से डिस्पेंसरी की व्यवस्था की गई है, लेकिन वहां कर्मचारी उपलब्ध नहीं होने के कारण उन्हें काफी देर तक लाइन में खड़ा रहना पड़ा। मरीजों ने टांडा अस्पताल प्रशासन और प्रदेश सरकार से मांग की है कि वरिष्ठ नागरिकों के लिए बनाए गए दवा वितरण काउंटर पर नियमित रूप से कर्मचारी की तैनाती सुनिश्चित की जाए, ताकि बुजुर्ग मरीजों को दवाइयां लेने के लिए परेशानी न उठानी पड़े।

इस संबंध में अस्पताल के प्रिंसिपल डॉ. मिलाप शर्मा ने कहा कि मामला उनके ध्यान में आया है। उन्होंने कहा कि इस पर कड़ा संज्ञान लिया जाएगा और भविष्य में वरिष्ठ नागरिकों को किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

नेट में विद्यार्थियों की सफलता विश्वविद्यालय की शैक्षणिक उत्कृष्टता का प्रमाण: कुलपति

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। सरदार पटेल विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) में उल्लेखनीय सफलता हासिल कर विश्वविद्यालय एवं इतिहास विभाग का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित परीक्षा में इतिहास विभाग के रवींद्र कुमार (सत्र 2023-25), नेहा, गौरव और विक्रांत ने नेट व आकृति,अनन्या व दीपक दीपांशु ने पी एच डी (सत्र 2024-26) के लिए नेट परीक्षा उत्तीर्ण कर अपनी प्रतिभा, लगन, अनुशासन और निरंतर परिश्रम का परिचय दिया है। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने सफल विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा में विद्यार्थियों की सफलता विश्वविद्यालय के लिए गर्व का विषय है। डॉ. राकेश ने सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि नेट और जेआरएफ जैसी राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करना विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण अकादमिक उपलब्धि है।

टांडा अस्पताल की डिस्पेंसरी में दवाइयों की कमी से मरीज परेशान, दुर्व्यवहार के भी आरोप

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। प्रदेश के दूसरे बड़े अस्पताल डॉ. राजेंद्र प्रसाद राजकीय आयुर्विज्ञान महाविद्यालय एवं अस्पताल टांडा में रोजाना दूरदराज क्षेत्रों से हजारों मरीज उपचार के लिए पहुंचते हैं।

मरीजों को डॉक्टर से जांच करवाने के लिए घंटों इंतजार करना पड़ता है। इसके बाद डॉक्टर द्वारा लिखी गई दवाइयां लेने के लिए भी उन्हें अस्पताल की डिस्पेंसरी में लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ रहा है। मरीजों का आरोप है कि कई बार डिस्पेंसरी में दवाइयां उपलब्ध नहीं होतीं और इस बारे में पूछने पर कुछ कर्मचारियों का व्यवहार भी उचित नहीं रहता। सोमवार को दवाइयां लेने पहुंचे सुभाष चंद, रूमी देवी, विपन कुमार, सुलक्षण देवी, टेको चंद, कमलेश देवी, रमा देवी, सपना देवी और प्रीतम चंद सहित अन्य मरीजों ने सरकार और अस्पताल प्रशासन के प्रति नाराजगी जताई। मरीजों का कहना था कि सरकार अस्पतालों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने के दावे कर रही है, लेकिन जमीनी स्तर पर उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

मरीजों ने प्रदेश सरकार से मांग की है कि अस्पताल की डिस्पेंसरी में आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि मरीजों को बाहर से महंगी दवाइयां खरीदने के लिए मजबूर न होना पड़े। साथ ही डिस्पेंसरी में तैनात कर्मचारियों को मरीजों और तीमारदारों के साथ उचित व्यवहार करने के निर्देश दिए जाएं। इस संबंध में टांडा अस्पताल के प्रधानाचार्य डॉ. मिलाप शर्मा ने कहा कि जिन दवाइयों की उपलब्धता नहीं होने की जानकारी मिली है, उनकी तत्काल सूची मंगवाई जाएगी और उन्हें जल्द उपलब्ध करवाने के प्रयास किए जाएंगे।

कर्मचारियों के दुर्व्यवहार की शिकायत पर उन्होंने कहा कि संबंधित कर्मचारियों की जानकारी मंगवाकर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को अस्पताल आने वाले मरीजों के साथ अच्छा व्यवहार करने के निर्देश पहले ही दिए गए हैं।

परिणाम जल्द घोषित, मूल प्रमाण पत्र के लिए महीनों से इंतजार, विद्यार्थी परेशान

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की कार्यप्रणाली पर विद्यार्थियों और अभिभावकों ने सवाल उठाए हैं। परीक्षा परिणाम समय पर घोषित होने के बावजूद सैकड़ों विद्यार्थियों को कई महीने बीतने के बाद भी मूल प्रमाण पत्र और अंकतालिका नहीं मिल पाई है। इससे उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की परेशानी बढ़ गई है।

विद्यार्थियों का कहना है कि परीक्षा समाप्त होने के करीब एक माह बाद परिणाम घोषित कर दिया गया, लेकिन दस्तावेज उपलब्ध करवाने में देरी हो रही है। पहले जून माह तक विद्यार्थियों को अंकतालिकाएं मिल जाती थीं, जबकि इस वर्ष कई विद्यार्थियों को 15 अगस्त के बाद अंकतालिकाएं मिलीं। सबसे अधिक परेशानी उन विद्यार्थियों को हो रही है, जिन्होंने री-चेकिंग और पुनर्मूल्यांकन के लिए शुल्क जमा करवाया था। पुनर्मूल्यांकन के बाद करीब 20 विद्यार्थी मेरिट सूची में शामिल हुए हैं। यह उनके लिए उपलब्धि है,

◆मूल प्रमाण पत्र न मिलने से उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश प्रक्रिया प्रभावित

लेकिन मूल प्रमाण पत्र और संशोधित अंकतालिका न मिलने के कारण उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश प्रक्रिया प्रभावित हो रही है। विश्वविद्यालयों में प्रवेश के दौरान मूल दस्तावेज मांगे जा रहे हैं, जबकि विद्यार्थी इनके लिए बोर्ड कार्यालय के चक्कर काट रहे हैं। विद्यार्थियों और अभिभावकों का कहना है कि वे ई-मेल और फोन के माध्यम से बोर्ड से संपर्क कर रहे हैं, लेकिन दस्तावेज कब मिलेंगे, इसकी स्पष्ट जानकारी नहीं दी जा रही है। उन्हें आशंका है कि दस्तावेजों में देरी के कारण प्रवेश का अवसर प्रभावित न हो जाए। अभिभावकों ने बोर्ड से मांग की है कि री-चेकिंग और पुनर्मूल्यांकन वाले विद्यार्थियों की संशोधित अंकतालिका व मूल प्रमाण पत्र तत्काल जारी किए जाएं। उनका कहना है कि परिणाम जल्द घोषित करने का लाभ तभी है, जब आवश्यक दस्तावेज भी समय पर उपलब्ध करवाए जाएं।

लाभ | बेसहारा शुभम को मिला सरकारी संबल, दो लाख की सहायता से बना स्वरोजगार का सहारा

शुभम के लिए सहारा बनी सुख-आश्रय योजना

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। कभी सिर से माता-पिता का साया उठने के बाद दादा-दादी के सहारे जिंदगी गुजारने वाले ओयल गांव के शुभम आज अपने पैरों पर खड़े हैं। मुख्यमंत्री सुख-आश्रय योजना ने उनके लिए न केवल आर्थिक सहारा दिया, बल्कि उन्हें अपना रोजगार शुरू करने का मौका भी दिया। योजना के तहत मिली दो लाख रुपए की सहायता से शुभम ने बिलासपुर शहर में 'शुभ आर्टिस्टिक' नाम से हेयर सैलून शुरू किया है। आज वह मेहनत से अपना कारोबार चला रहे हैं और सम्मान के साथ जिंदगी आगे बढ़ा रहे हैं।

शुभम का जन्म वर्ष 2001 में बिलासपुर सदर तहसील के ओयल गांव में हुआ था। जन्म के कुछ समय बाद ही उनके माता-पिता का निधन हो गया। इसके बाद दादा-दादी ने उनका पालन-पोषण किया। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने शुभम को पढ़ाया और आगे बढ़ने के लिए हौसला दिया। हालांकि, कुछ समय बाद दादा का भी निधन हो गया। परिवार की आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर हो गई और घर में आमदनी का कोई साधन नहीं बचा। इन परिस्थितियों के बावजूद शुभम ने हिम्मत नहीं हारी और 12वीं कक्षा तक पढ़ाई पूरी की। इसके बाद उन्होंने रोजगार के लिए हेयर ड्रेसर का काम सीखा। हुनर तो उनके पास था, लेकिन अपना कारोबार शुरू करने के लिए पूंजी नहीं थी। इसी दौरान मुख्यमंत्री सुख-आश्रय योजना उनके लिए उम्मीद की किरण बनी। योजना के तहत उन्हें प्रतिमाह चार हजार रुपए की सहायता मिलने लगी। इसके अलावा स्वरोजगार शुरू करने के लिए दो लाख रुपए की आर्थिक मदद मिली। इसी सहायता से उन्होंने अपना सैलून स्थापित किया।

शुभम कहते हैं कि कभी उनके सामने दो वक्त की रोटी का संकट था, लेकिन आज वह खुद कमाकर अपने पैरों पर खड़े हैं। उनका कहना है कि सुख-आश्रय योजना ने उन्हें केवल आर्थिक मदद नहीं दी, बल्कि जिंदगी में आगे बढ़ने का आत्मविश्वास भी दिया। उन्होंने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू का आभार जताते हुए कहा कि योजना उनके जैसे बेसहारा बच्चों और युवाओं के लिए नई उम्मीद लेकर आई है। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला व बाल विकास विभाग बिलासपुर नरेंद्र कुमार ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में जिले में मुख्यमंत्री सुख-आश्रय योजना के तहत 154 पात्रों को विभिन्न घटकों में करीब 1.69 करोड़ रुपए की सहायता दी गई। इनमें सामाजिक सुरक्षा के तहत 154 बच्चों पर करीब 83 लाख, 15 लाभार्थियों को विवाह अनुदान के लिए 30 लाख, 16 पात्रों को गृह निर्माण के लिए 29 लाख और 12 बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए करीब 7.50 लाख रुपए शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि व्यावसायिक शिक्षा के पांच मामलों में करीब 88 हजार रुपये और स्टार्टअप शुरू करने के छह मामलों में 7.40 लाख रुपए खर्च किए गए। इसके अलावा 22 बच्चों को एक्सपोजर विजिट भी करवाई गई। डीसी बिलासपुर राहुल कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री सुख-आश्रय योजना का उद्देश्य बेसहारा और अनाथ बच्चों व युवाओं को आर्थिक संबल देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। जिला प्रशासन यह सुनिश्चित कर रहा है कि पात्र लाभार्थियों को योजना का लाभ समयबद्ध तरीके से मिल सके।

पनारसा कॉलेज में दस दिवसीय रचनात्मक लेखन कार्यशाला शुरू

भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। राजकीय महाविद्यालय पनारसा में स्टूडेंट-टीचर्स कोऑर्डिनेशन कमेटी के अंतर्गत रचनात्मक लेखन सेल द्वारा दस दिवसीय रचनात्मक लेखन कार्यशाला आयोजित की जा रही है। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों में रचनात्मक लेखन के प्रति रुचि विकसित करना तथा उन्हें अपने अनुभवों और संवेदनाओं को कहानी एवं कविता के माध्यम से अभिव्यक्त करने के लिए प्रेरित करना है।

कार्यशाला में विद्यार्थी अपने जीवन की यादगार, सुखद अथवा कठिन घटनाओं को आधार बनाकर कहानियां और कविताएं लिख रहे हैं। वे अपने व्यक्तिगत अनुभवों को साहित्यिक अभिव्यक्ति देने का प्रयास कर रहे हैं। प्रारंभिक लेखन के बाद विद्यार्थियों को अपनी रचनाओं में आवश्यक सुधार और संशोधन करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है, ताकि कई ड्राफ्ट के बाद रचनाएं अधिक प्रभावी और परिष्कृत रूप में सामने आ सकें। कार्यशाला के अगले चरण में हिंदी पखवाड़े के दौरान चयनित रचनाओं पर विशेष साहित्यिक कार्यशाला आयोजित करने की योजना है। इसमें हिंदी साहित्य से जुड़े प्रतिष्ठित प्राध्यापकों और लेखकों को आमंत्रित किया जाएगा, जो विद्यार्थियों की चयनित कहानियों एवं कविताओं पर मार्गदर्शन और सुझाव देंगे। महाविद्यालय की योजना विद्यार्थियों की श्रेष्ठ रचनाओं को पुस्तक के रूप में प्रकाशित करने की भी है। महाविद्यालय द्वारा किए गए एमओयू के तहत चयनित कहानियों और कविताओं के संकलन को पुस्तक के रूप में प्रकाशित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। कॉलेज प्रशासन के अनुसार ऐसी गतिविधियां विद्यार्थियों की रचनात्मकता, लेखन कौशल और आत्म-अभिव्यक्ति को बढ़ावा देती हैं। कार्यशाला हिंदी विभाग की प्रोफेसर अनीता, संस्कृत विभाग के प्रोफेसर विजय कुमार और लाइब्रेरियन बिंदु सूर्यवंशी के मार्गदर्शन में चल रही है।

अन्निमारी कोर्ते खूबसूरत अंदाज में

अन्निमारी कोर्ते फिनलैंड की प्रमुख 100 मीटर बाधा दौड़ एथलीट हैं। उन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी अलग पहचान बनाई है। उनकी तेज गति, तकनीक और बाधाओं को पार करने की क्षमता उन्हें एक प्रतिभाशाली धाविका बनाती है।

वैभव सूर्यवंशी ने दलीप ट्रॉफी में सबसे कम उम्र में जड़ा अर्धशतक

81 गेंदों में 92 रन की विस्फोटक पारी खेलकर रचा नया इतिहास, 57 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा

एजेंसी, नई दिल्ली

वैभव सूर्यवंशी ने सोमवार को दलीप ट्रॉफी के पहले सेमीफाइनल में 81 गेंदों पर 92 रन की पारी खेली। इसके साथ ही वे टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे कम उम्र में फिफ्टी लगाने वाले बैटर बन गए।

उन्होंने ईस्ट जोन के लिए खेलते हुए अपनी पारी में 7 छक्के और 7 चौके लगाए। दलीप ट्रॉफी का पहला सेमीफाइनल ईस्ट जोन और सेंट्रल जोन के बीच बेंगलुरु में खेला जा रहा है। मैच के पहले दिन सेंट्रल जोन की टीम 266 रन बनाकर आउट हो गई थी। मैच के दूसरे दिन ईस्ट जोन की टीम बैटिंग कर रही है।

सूर्यवंशी ने पारी की शुरुआत करते हुए 42 गेंद पर अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने हाल ही में भारत के लिए टेस्ट डेब्यू करने वाले सारांश जैन की गेंद पर छक्का लगाते हुए हाफ सेंचुरी पूरी की। वैभव ने अर्धशतक तक पहुंचने के लिए 38 रन बाउंड्री से बटोरे जिसमें 5 चौके और तीन छक्के शामिल थे। सूर्यवंशी को हर्ष दुबे ने आउट किया। वैभव ने यह पारी 15 साल और 157 दिन की उम्र में खेली है। इसके साथ ही उन्होंने कम उम्र में फिफ्टी लगाने का लक्ष्मण सिंह का 57 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। लक्ष्मण सिंह ने साल 1969 में 16 साल और 23 दिन की उम्र में अर्धशतक लगाया था।

क्वार्टर फाइनल में 11 रन देकर झटके थे 2 विकेट

वैभव टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में सिर्फ 8 रन बनाए पाए थे, लेकिन गेंदबाजी में 11 रन देकर दो विकेट उन्होंने झटके थे। ईस्ट जोन ने इस मुकाबले में नॉर्थ ईस्ट जोन को पारी और 210 रन से हराया था।

2026 में 100 प्लस छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बने

सूर्यवंशी ने 2026 में टी-20 के साथ वनडे और रेड-बॉल क्रिकेट में भी शानदार प्रदर्शन किया है। इस साल सभी फॉर्मेट और सभी मैचों को मिलाकर वे 100 से ज्यादा छक्के लगाने वाले इकलौते बल्लेबाज हैं। उन्होंने अब तक 161 छक्के लगाए हैं, जिसमें आईपीएल 2026 के 72 छक्के शामिल हैं।

रियान-फिन 99 छक्कों के साथ दूसरे स्थान पर

साउथ अफ्रीका के रियान रिकल्टन और फिन एलन के नाम 99-99 छक्के हैं। दोनों संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं। मिचेल मार्श 95 छक्कों के साथ चौथे और भारतीय बल्लेबाज इशान किशन 89 छक्कों के साथ पांचवें स्थान पर हैं। इस लिस्ट में रहमनुल्लाह गुरबाज, निकोलस पून, टिम सीफर्ट, करनबीर सिंह और जोस बटलर भी शामिल हैं।

फिनलैंड में भारतीय पैरा खिलाड़ियों का जलवा, 6 गोल्ड समेत 16 मेडल जीते

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत ने फिनलैंड में आयोजित आईटीटीएफ विश्व पैरा फ्यूचर लाहटी टूर्नामेंट से छह स्वर्ण, चार रजत और छह कांस्य सहित कुल 16 पदक जीतकर अपने अभियान का समापन किया। भारतीय खिलाड़ियों ने एकल स्पर्धाओं में 10 पदक जीते थे।

इसके बाद उन्होंने युगल में दो स्वर्ण, एक रजत और तीन कांस्य सहित छह पदक अपने नाम किए। रमेशभाई चौधरी और सुमित सहगल ने पुरुष युगल के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका के इब्राहिम अब्दुल्ला और रकन अब्दुल रहमान पर 3-0 की जीत के साथ स्वर्ण पदक जीता। सुमित ने दीपिका रानी रामनाथन के साथ जोड़ी बनाकर मिश्रित युगल का खिताब जीतकर दोहरी सफलता हासिल की। फाइनल में इस जोड़ी ने फिनलैंड के टिमो कालावेई और ऐनो तापोला को 3-0 से हराया।

सोनल पटेल और रमेशभाई ने मिश्रित युगल में रजत पदक जीता, जबकि तीन भारतीय जोड़ियों ने कांस्य पदक हासिल किए। शुभम वधवा और जेडी मदन ने पुरुष युगल में, प्राची पांडे और सविता अज्जनकट्टी ने महिला युगल में और शिवम पाल और नूरअली जमानी ने मिश्रित युगल में कांस्य पदक जीते।

स्पोर्ट्स विंडो

अंकुर ने जीता पहला डब्ल्यूटीटी खिताब, युगल में झटका स्वर्ण

एजेंसी, नई दिल्ली। भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी अंकुर भट्टाचार्य ने चेक गणराज्य में आयोजित डब्ल्यूटीटी फीडर ओलोमोक टूर्नामेंट में पुरुष एकल का अपना पहला डब्ल्यूटीटी खिताब जीतकर शानदार दोहरी सफलता हासिल की। विश्व रैंकिंग में 78वें स्थान पर काबिज अंकुर ने एकल फाइनल में स्लोवेनिया के तीसरी वरीयता प्राप्त डेनी कोजुल को 3-1 से हराया। कोजुल ने पहला गेम 11-9 से जीतकर बढ़त बनाई, लेकिन अंकुर ने शानदार वापसी करते हुए अगले तीनों गेम 11-4, 11-5, 11-6 से जीत लिए। इसके अलावा अंकुर ने आकाश पाल के साथ पुरुष युगल में भी स्वर्ण पदक जीता। भारतीय जोड़ी ने फाइनल में हंगरी के साबा एंड्रास सैंटोसी और पोलैंड के एलन कुलजिकी ज़ालेव्स्की को 3-1 से हराया। अंकुर और आकाश ने पहला गेम 11-8 से जीता, दूसरा 4-11 से गंवाया, लेकिन तीसरे गेम में 13-11 और चौथे में 11-9 से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया।

बेलिंगहैम की अगुवाई में मैड्रिड की एक और जीत, चेल्सी भी आसानी से जीता

एजेंसी, मैड्रिड। जूड बेलिंगहैम के शानदार प्रदर्शन की मदद से रियाल मैड्रिड ने स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में लगातार तीसरे मैच में जीत हासिल की, वहीं चेल्सी ने भी प्रीमियर लीग में जीत दर्ज की। बेलिंगहैम ने एक गोल किया और एक गोल में मदद की। उनके अलावा स्टार स्ट्राइकर किलियन एमबाप्पे और स्थानापन्न अर्दा गुलेर ने भी गोल किए, जिससे मैड्रिड ने आठ साल बाद ला लिगा में शीर्ष स्तर पर जगह बनाने वाली टीम मालागा के खिलाफ घरेलू मैदान पर 4-0 से आसान जीत हासिल की। प्रीमियर लीग में चेल्सी ने ब्राइटन को 4-3 से हराया जबकि ब्रूनो फर्नांडिस की हैट्रिक की मदद से मैनचेस्टर यूनाइटेड ने शुरू में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करके 5-2 से जीत दर्ज की।

शेफाली वर्मा बोलीं-बल्लेबाजी में कहां हुई गलती, करना होगा आकलन

एजेंसी, दुबई। भारतीय सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने थाईलैंड के खिलाफ महिला एशिया कप के पहले मुकाबले में 94 रन की जीत के बावजूद बल्लेबाजी में सुधार की जरूरत बताई। शेफाली ने 36 गेंदों में 64 रन की शानदार पारी खेली, जिसमें आठ चौके और तीन छक्के शामिल रहे। हालांकि, उनकी अच्छी शुरुआत के बाद भारतीय मध्यक्रम लड़खड़ा गया। एक विकेट पर 91 रन के बाद टीम छह विकेट पर 127 रन पर पहुंच गई और अंत में नौ विकेट पर 159 रन बनाए। जवाब में थाईलैंड की टीम 65 रन पर आउट हो गई। शेफाली ने कहा कि टीम को समीक्षा करनी होगी कि बल्लेबाजी में कहां गलतियां हुईं और किन क्षेत्रों में सुधार किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि नई गेंद बल्ले पर अच्छी तरह आ रही थी, लेकिन पुरानी गेंद के साथ पिच से टर्न मिलने लगा। उन्होंने कहा कि भारत को परिस्थितियों की जानकारी थी और बल्लेबाजों को पारी आगे बढ़ने के साथ बेहतर तालमेल बैठाने की जरूरत थी।

भारत-बांग्लादेश के बीच लंबित श्रृंखला को लेकर बातचीत जारी, तारीखों पर मंथन

एजेंसी, नई दिल्ली। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के अध्यक्ष तमीम इकबाल ने कहा कि भारत के खिलाफ लंबे समय से लंबित सीमित ओवरों की घरेलू श्रृंखला को लेकर दोनों देशों के क्रिकेट बोर्ड के बीच बातचीत जारी है। उन्होंने कहा कि बीसीसीआई और बीसीबी श्रृंखला के लिए उपयुक्त समय तलाश रहे हैं। तमीम ने स्पष्ट किया कि सितंबर में प्रस्तावित तीन वनडे और तीन टी20 मैच अब पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार नहीं होंगे। इसी अवधि में भारत को 13 सितंबर से अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 श्रृंखला खेलनी है। तमीम ने कहा कि भारत के खिलाफ श्रृंखला होगी या नहीं, इस पर अभी अंतिम फैसला नहीं हुआ है। हालांकि, दोनों बोर्ड इसके आयोजन को लेकर गंभीर और सकारात्मक हैं। उन्होंने बताया कि व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम के बीच तारीखों को लेकर लगातार चर्चा हो रही है। तमीम के मुताबिक, दोनों बोर्ड नियमित संपर्क में हैं और श्रृंखला के लिए नई तारीखों पर विचार-विमर्श जारी है।

वैश्विक चुनौतियों के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था ने दर्ज की 7.8 प्रतिशत वृद्धि

एजेंसी, मुंबई। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में भारत की अर्थव्यवस्था ने उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन करते हुए 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार अप्रैल-जून तिमाही में वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद 81.36 लाख करोड़ रुपये रहा, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 75.46 लाख करोड़ रुपये था। अर्थशास्त्रियों ने इस अवधि में 7.1 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान लगाया था। मजबूत घरेलू मांग ने आर्थिक गतिविधियों को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अमेरिका-ईरान संघर्ष, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों, व्यापारिक अनिश्चितता और वित्तीय बाजारों में उतार-चढ़ाव जैसी बाहरी चुनौतियों के बावजूद भारत की विकास दर मजबूत बनी रही। नाममात्र जीडीपी भी 10.3 प्रतिशत बढ़कर 88.27 लाख करोड़ रुपये हो गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मजबूत आर्थिक प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि निराशावादी गलत साबित हुए हैं।

नावेने का धमाका : यूएस ओपन के पहले दौर में जोकोविच को दी मात

एजेंसी, न्यूयॉर्क

सर्बिया के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को यूएस ओपन 2026 के पहले ही दौर में बड़ा उलटफेर झेलना पड़ा। 48वीं रैंकिंग वाले अर्जेंटीना के मारियानो नावेने ने रविवार को जोकोविच को 7-6(7/5), 5-7, 4-6, 6-2, 6-1 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। इस हार के साथ जोकोविच का रिकॉर्ड 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब का इंतजार और लंबा हो गया। वह 2023 के बाद से इस ऐतिहासिक उपलब्धि को हासिल करने की कोशिश कर रहे थे।

यह 2006 के ऑस्ट्रेलियन ओपन के बाद पहला मौका है, जब जोकोविच किसी ग्रैंड स्लैम के पहले दौर में हारकर बाहर हुए हैं। उस समय उन्हें पॉल गोल्डस्टीन ने हराया था। इसके बाद जोकोविच ने ग्रैंड स्लैम के पहले दौर में लगातार 78 मुकाबले जीते थे।

25 वर्षीय नावेने के लिए यह जीत बेहद खास रही। यह ग्रैंड स्लैम में उनकी पहली जीत है किसी शीर्ष-10 खिलाड़ी के खिलाफ। उन्होंने चार घंटे 36 मिनट तक चले मुकाबले में जोकोविच को शारीरिक रूप से परेशान किया और निर्णायक सेट में पूरी तरह दबदबा बनाया।

जोकोविच मैच के दौरान असहज नजर आए। उन्हें कोर्ट पर उल्टी करते देखा गया और बाद में वह ऐंठन से भी जूझते रहे। चौथे सेट में उन्होंने नावेने की सर्विस तोड़कर 2-1 की बढ़त बनाई, लेकिन अर्जेंटीना के खिलाड़ी ने लगातार पांच गेम जीतकर सेट अपने नाम किया और मुकाबले को निर्णायक सेट में पहुंचा दिया।

पेगुला ने दर्ज की जीत, रुसे को सीधे सेटों में हराया

एजेंसी, न्यूयॉर्क। अमेरिका की जेसिका पेगुला ने शुरुआती दबाव और घबराहट से उबरते हुए यूएस ओपन 2026 के महिला एकल के पहले दौर में जीत दर्ज की। 32 वर्षीय पेगुला ने रूस की एलिना रुसे को 6-3, 6-2 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई। उन्होंने यह मुकाबला 83 मिनट में अपने नाम किया। पेगुला को मैच की शुरुआत में ब्रेक हासिल करने के लिए लगातार संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने रुसे की सर्विस तोड़ने के पहले नौ मौके गंवाए, लेकिन इसके बाद अमेरिकी खिलाड़ी ने लय हासिल की और मुकाबले पर पूरी तरह नियंत्रण बना लिया। पेगुला ने अपनी पहली सर्विस पर शानदार प्रदर्शन करते हुए 92 प्रतिशत अंक जीते।

हिमाचल की बेटी पुष्पा राणा बनी भारतीय महिला कबड्डी टीम की कप्तान

एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीतना लक्ष्य : पुष्पा

एजेंसी, नई दिल्ली

हिमाचल की बेटी और भारतीय महिला कबड्डी खिलाड़ी पुष्पा राणा को भारतीय महिला कबड्डी टीम की कप्तानी की बड़ी जिम्मेदारी मिली है। कप्तान बनने पर पुष्पा ने भारतीय खेल प्राधिकरण के सभी पदाधिकारियों और सदस्यों का आभार जताते हुए इसे गर्व के साथ बड़ी जिम्मेदारी बताया। उन्होंने कहा कि टीम का लक्ष्य देश के लिए स्वर्ण पदक जीतना है। कप्तानी मिलने पर उनके गृह क्षेत्र और परिवार में खुशी का माहौल है। पुष्पा ने बताया कि उनके माता-पिता का सपना था कि वह भारतीय टीम की कप्तान बनें और यह सपना पूरा होने पर वे बेहद खुश हैं। पुष्पा राणा इससे पहले दक्षिण एशियाई खेलों, एशियाई खेलों, एशियाई चैंपियनशिप और विश्व कप जैसी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं।

वह लगातार पांचवीं बार एशियाई खेलों के लिए चयनित हुई हैं। टीम पिछले कई महीनों से प्रशिक्षण शिविर में कड़ी मेहनत कर रही है। सुबह फिटनेस और शाम को कौशल, तकनीक तथा मैच की परिस्थितियों से निपटने का अभ्यास कराया जा रहा है।

करीब छह माह से कर रहे हैं कड़ी मेहनत

पुष्पा राणा इससे पहले साउथ एशियन गेम्स, एशियन चैंपियनशिप, एशियन गेम्स और वर्ल्ड कप जैसे अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। उन्होंने बताया कि टीम करीब पांच-छह महीने से कैंप में कड़ी मेहनत कर रही है। सुबह फिटनेस और शाम को स्किल, तकनीक तथा मैच के दबाव से निपटने की तैयारी करवाई जा रही है।

सरकार से प्रोत्साहन की उम्मीद

पुष्पा राणा ने कहा कि उन्हें अभी तक हिमाचल सरकार या मुख्यमंत्री की ओर से बधाई के लिए कोई फोन या संदेश नहीं मिला है। उन्होंने उम्मीद जताई कि टीम के रवाना होने तक सरकार की ओर से भी उन्हें प्रोत्साहन और शुभकामनाएं मिलेंगी।

जोमैटो ने एनालॉग डेयरी वाले व्यंजनों पर लगाया पूर्ण प्रतिबंध

एजेंसी, नई दिल्ली

खाद्य गुणवत्ता और ग्राहकों की सुरक्षा को लेकर फूड डिलीवरी मंच जोमैटो ने बड़ा कदम उठाया है। कंपनी ने अपने मंच पर सूचीबद्ध रेस्तरां द्वारा एनालॉग डेयरी उत्पादों से तैयार व्यंजनों की बि,ी पर पूरी तरह रोक लगाने की घोषणा की है। जोमैटो ने इसके लिए शून्य-सहिष्णुता की नीति अपनाई है। नियमों का उल्लंघन करने वाले रेस्तरां को मंच से हटाया जा सकता है।

कंपनी ने बताया कि जिन व्यंजनों में एनालॉग डेयरी उत्पादों के इस्तेमाल की जानकारी उसके रेस्तरां साझेदारों ने दी है, उन्हें तत्काल प्रभाव से मंच से हटा दिया गया है। जोमैटो के अनुसार यह निर्णय ग्राहकों को बेहतर और पारदर्शी खाद्य विकल्प उपलब्ध कराने तथा खाद्य गुणवत्ता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करने के उद्देश्य से लिया गया है।

जोमैटो ने रेस्तरां साझेदारों को तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने की सलाह दी है। उनसे प्राकृतिक डेयरी उत्पादों का इस्तेमाल शुरू करने या एनालॉग डेयरी वाले व्यंजनों को अपने मेन्यू से हटाने को कहा गया है। साथ ही, रेस्तरां संचालकों को अपने आपूर्तिकर्ताओं से मिले उत्पादों के लेबल और सामग्री संबंधी घोषणाओं की समीक्षा कर इस्तेमाल की जा रही सामग्री का सत्यापन करने के निर्देश दिए गए हैं।

कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी आदित्य मंगला ने कहा कि बेहतर भोजन उपलब्ध कराने का अर्थ ग्राहकों के स्वास्थ्य की सुरक्षा और भोजन के संबंध में स्पष्ट मानक बनाए रखना भी है। उन्होंने कहा कि नई नीति इसी प्रतिबद्धता का हिस्सा है और इसे नियमों का पालन करने वाले रेस्तरां साझेदारों के साथ मिलकर लागू किया जा रहा है।

मुंबई में आज से दूध महंगा, थोक कीमत 93 से बढ़कर 102 रुपए हुई

एजेंसी, मुंबई। मुंबई और आसपास के महानगरीय क्षेत्रों में दूध की कीमतों में आज से बड़ा इजाफा होने जा रहा है। बॉम्बे मिल्क प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन ने दूध की थोक कीमत में नौ रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की घोषणा की है। इसके बाद दूध का थोक भाव 93 रुपये से बढ़कर 102 रुपये प्रति लीटर हो जाएगा। नई दरें 28 फरवरी 2027 तक लागू रहेंगी। दूध की कीमतों में बढ़ोतरी के पीछे पशुपालकों और डेयरी संचालकों की बढ़ती लागत को प्रमुख वजह बताया गया है। हरे चारे, चूनी और खली जैसे पशुआहार की कीमतों में तेजी आई है। इसके साथ ही परिवहन खर्च बढ़ने से दूध को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने की लागत भी बढ़ गई है। पशुओं के खान-पान, देखभाल और रखरखाव पर बढ़ते खर्च का सीधा असर दूध उत्पादन की लागत पर पड़ा है। इसी कारण अगले छह महीनों के लिए थोक कीमत बढ़ाने का फैसला लिया गया है। इस बढ़ोतरी का असर आगे चलकर खुदरा बाजार और आम उपभोक्ताओं की जेब पर भी पड़ सकता है। पहले से महंगाई की मार झेल रहे परिवारों के घरेलू बजट पर इसका अतिरिक्त दबाव बढ़ने की संभावना है।

पार्थ जिंदल बने जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के नए चेयरमैन

एजेंसी, नई दिल्ली

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के निदेशक मंडल ने पार्थ जिंदल को कंपनी का चेयरमैन नियुक्त किया है। कंपनी की ओर से सोमवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार उनकी नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है। पार्थ जिंदल संयुक्त उपक्रम के गठन के समय से ही इसके निदेशक मंडल का हिस्सा रहे हैं और कंपनी की रणनीतिक दिशा तय करने में सक्रिय भूमिका निभाते आए हैं।

पार्थ जिंदल कंपनी की उत्पाद रणनीति, विनिर्माण क्षमता के विस्तार और स्थानीयकरण कार्यक्रम को आकार देने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। उनके नेतृत्व में कंपनी के कारोबार को आगे बढ़ाने और भारतीय बाजार में अपनी स्थिति मजबूत करने पर जोर रहेगा। जेएसडब्ल्यू समूह की कई प्रमुख कंपनियों में भी पार्थ जिंदल महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभाल रहे हैं।

वह जेएसडब्ल्यू सीमेंट के प्रबंध निदेशक और जेएसडब्ल्यू ड्यूलक्स लिमिटेड के चेयरमैन हैं। इसके अलावा वह जेएसडब्ल्यू के प्रबंध निदेशक तथा जेएसडब्ल्यू एनर्जी के निदेशक मंडल में निदेशक के रूप में भी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। खेल जगत में भी उनकी सक्रिय भूमिका है। वह जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के संस्थापक हैं और इंडियन प्रीमियर लीग की टीम दिल्ली कैपिटल्स के चेयरमैन एवं सह-मालिक भी हैं। कंपनी को उम्मीद है कि उनके अनुभव से विकास और विस्तार की योजनाओं को गति मिलेगी।

सोना-चांदी के दामों में बड़ी गिरावट

सोना 2600 और चांदी 4200 रुपए तक टूटी

एजेंसी, नई दिल्ली। वैश्विक बाजारों में कमजोरी और ऊंचे स्तरों पर हुई मुनाफावसूली के कारण सोमवार को सोने और चांदी की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई। घरेलू वायदा बाजार एमसीएक्स पर अक्टूबर डिलीवरी वाला सोना 2,600 रुपये से अधिक टूटकर 1,53,640 रुपये प्रति दस ग्राम पर पहुंच गया। वहीं सितंबर डिलीवरी वाली चांदी करीब 4,200 रुपये गिरकर 2,32,501 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। अगस्त में सोने में करीब 10 प्रतिशत की तेजी के बाद निवेशकों ने ऊंचे भाव पर मुनाफा वसूला, जिससे बिकवाली बढ़ गई। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के सख्त रुख, बढ़ती बॉन्ड यील्ड और महंगाई की चिंता ने भी कीमती धातुओं पर दबाव बढ़ाया। विशेषज्ञों के मुताबिक आने वाले दिनों में फेड के फैसले और वैश्विक आर्थिक परिस्थितियां सोने-चांदी की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएंगी।

सेंसेक्स 307 अंक और निफ्टी 95 अंक गिरा

एजेंसी, मुंबई। भारतीय शेयर बाजार में सोमवार को गिरावट दर्ज की गई। सेंसेक्स 307.24 अंक टूटकर 76,957.27 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 95.25 अंक गिरकर 24,080.40 पर पहुंच गया। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों, पश्चिम एशिया में तनाव, अमेरिकी ब्याज दरों को लेकर बढ़ी चिंता और कमजोर वैश्विक संकेतों ने बाजार की धारणा प्रभावित की। इसके अलावा एमएससीआई सूचकांक में बदलाव और विदेशी निवेशकों की गतिविधियों से भी शेयरों में उतार-चढ़ाव बढ़ा।

आरबीआई ने प्लास्टिक नोटों के लिए कंपनियों से मांगी सख्त गारंटी

एजेंसी, मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक जल्द ही देश में प्लास्टिक नोट लाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इसके लिए नोट निर्माण से जुड़ी कंपनियों के लिए कड़ी शर्तें तय की गई हैं। कंपनियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके भारत में होने वाले कामकाज का चीन और पाकिस्तान से कोई संबंध न हो। साथ ही पॉलीमर शीट में किसी भी प्रकार की जानवरों की चर्बी या उसके डीएनए का इस्तेमाल नहीं होना चाहिए। कंपनियों को बोली के साथ पॉलीमर सब्सट्रेट के नमूने भी देने होंगे, जिनकी देश के अलग-अलग मौसम और तापमान वाले क्षेत्रों में जांच की जाएगी। परीक्षण में सफल कंपनियों को ही आगे की प्रक्रिया में शामिल किया जाएगा। प्लास्टिक नोट अधिक टिकाऊ होने के कारण लाने की तैयारी है। हालांकि, इनके आने से मौजूदा कागजी नोट बंद नहीं होंगे।

यशोभूमि में आज से जुटेंगे विद्युत क्षेत्र के दिग्गज, 'न्यूक्लियरएक्स' होगा प्रमुख आकर्षण

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली के यशोभूमि में मंगलवार से तीन दिवसीय भारत इलेक्ट्रिसिटी, पावरजेन इंडिया एवं इंडियन यूटिलिटी वीक 2026 का आयोजन किया जाएगा। एक से तीन सितंबर तक होने वाले इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में बिजली और ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े 40 देशों के सरकारी तथा कॉरपोरेट प्रतिनिधि भाग लेंगे। आयोजकों के अनुसार कार्यक्रम में 15 हजार से अधिक पेशेवरों, 250 से ज्यादा प्रदर्शकों तथा 200 से अधिक नीति-निर्माताओं, मुख्य कार्यकारी अधिकारियों, नियामकों और विशेषज्ञों के शामिल होने की उम्मीद है। आयोजन में बिजली क्षेत्र की पूरी मूल्य-श्रृंखला से जुड़े मुद्दों पर व्यापक चर्चा होगी।

कार्यक्रम में केंद्रीय बिजली मंत्रालय, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, भारी उद्योग मंत्रालय, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, कोयला मंत्रालय तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के वरिष्ठ प्रतिनिधियों की भागीदारी प्रस्तावित है। नीति आयोग, केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, इनवेस्ट इंडिया सहित कई प्रमुख राष्ट्रीय संस्थान भी इसमें शामिल होंगे। दिल्ली मेजबान राज्य के रूप में भाग लेगा। वहीं गुजरात, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र, बिहार और पश्चिम बंगाल निवेश, बिजली उत्पादन बढ़ाने, ग्रिड आधुनिकीकरण, बिजली वितरण कंपनियों में सुधार और स्वच्छ ऊर्जा विनिर्माण जैसे विषयों पर विशेष सत्रों के माध्यम से अपनी योजनाएं साझा करेंगे।

ऊर्जा क्षेत्र पर होगा व्यापक मंथन

कार्यक्रम में केंद्रीय बिजली मंत्रालय, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, भारी उद्योग मंत्रालय, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, कोयला मंत्रालय तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के वरिष्ठ प्रतिनिधियों की भागीदारी प्रस्तावित है। नीति आयोग, केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, इनवेस्ट इंडिया सहित कई प्रमुख राष्ट्रीय संस्थान भी इसमें शामिल होंगे।